नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

लद्दाख को पांच नए जिले मिले

• बोकारो, मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 338 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड में संविदा नियुक्तियों पर रोक

विश्वविद्यालय व्यवस्था में बड़े बदलाव के संकेत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने राज्य के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग की संविदा नियुक्तियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस निर्णय के बाद विश्वविद्यालयों में हलचल तेज हो गई है और शिक्षक-कर्मचारी संगठनों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। राज्यपाल ने यह कदम विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में संविदा नियुक्तियों में अनियमितता की लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर उठाया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि यदि किसी पद पर नियुक्ति अत्यावश्यक हो, तो राज्य सरकार के जाप-आईटी के माध्यम से सूचीबद्ध एजेंसियों से ही कर्मियों की सेवा ली जाएगी। साथ ही पिछले तीन वर्षों में हुई सभी संविदा नियुक्तियों का विस्तृत ब्योरा सात दिनों के भीतर लोकभवन को उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। इसके अतिरिक्त, कुलपति के विशेष कार्य पदाधिकारी (ओएसडी टू वीसी) पद पर की गई नियुक्तियों को अवैध घोषित करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्देश दिया गया है। संबंधित कर्मियों को उनके मूल पद पर वापस भेजने की बात कही गई है। इस फैसले का असर कई विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक ढांचे पर पड़ने की संभावना है। वित्तीय पारदर्शिता को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। राज्यपाल ने स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय किसी भी राशि को चालू खाते में नहीं रखेंगे, बल्कि उसे बचत खाते या सावधि जमा (एफडी) में रखेंगे, ताकि अधिकतम ब्याज प्राप्त हो सके। वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सीनेट और सिंडिकेट से पारित कर लोकभवन को भेजना अनिवार्य किया गया है। साथ ही शिक्षकों एवं कर्मियों द्वारा लिए गए अग्रिम भुगतान का समायोजन 30 अप्रैल तक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मानद उपाधियों के संबंध में भी नई व्यवस्था लागू की गई है। अब किसी भी विश्वविद्यालय को डी.लिट या डीएससी जैसी मानद उपाधि प्रदान करने से पूर्व लोकभवन से स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति दी गई उपाधियां मान्य नहीं होंगी। इसी बीच झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 को लागू करने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है, जिसके तहत राज्य में विश्वविद्यालय आयोग के गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह आयोग नियुक्ति एवं प्रोन्नति से संबंधित कार्यों का संचालन करेगा। वर्तमान में यह जिम्मेदारी मुख्य रूप से झारखंड लोक सेवा आयोग के पास है, जिसकी भूमिका नए आयोग के गठन के बाद सीमित हो सकती है। शिक्षाविद डॉ. उमेश नंद तिवारी ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्होंने कॉलेज सेवा आयोग के गठन की भी आवश्यकता जताई, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

जमशेदपुर में लोको पायलट की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। जिले के बागबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी के समीप रविवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने एक लोको पायलट की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान आदित्यपुर निवासी जी.के. गौतम के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई, वहीं रेलवे कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जी.के. गौतम मालगाड़ी लेकर टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। स्टेशन से निकलकर वे संयुक्त चालक एवं परिचालक लॉबी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लॉबी के बाहर पहले से घात लगाए बाइक सवार अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायल अवस्था में पड़े गौतम को देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बागबेड़ा थाना पुलिस एवं सिटी एसपी ललित मीणा ने घायल को इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों की संख्या दो बताई जा रही है। हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक के जमीन कारोबार से जुड़े होने की जानकारी भी सामने आई है, जिसे ध्यान में रखते हुए पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एक नजर

अपराधियों ने दंपती को मारी गोली

मुजफ्फरपुर। जिले के सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रेपुरा गांव में सोमवार को अपराधियों का दुस्साहस देखने को मिला। लूटपाट के दौरान हथियारबंद बदमाशों ने एक दंपती को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार अपराधियों ने दंपती को निशाना बनाते हुए लूटपाट का प्रयास किया। जब दंपती ने इसका विरोध किया, तो बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। इस संबंध में मुजफ्फरपुर ग्रामीण डीएसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और संदिग्धों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

चुनाव ड्यूटी के दौरान जवान की मौत

मेदिनीनगर (पलामू)। जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचपोखरी गांव निवासी जैप-8 के जवान परशुराम कुमार सिंह की पश्चिम बंगाल में चुनाव ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। इस घटना से परिजनों में मातम पसरा है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, परशुराम सिंह को चुनाव ड्यूटी के लिए पश्चिम बंगाल भेजा गया था। ड्यूटी के दौरान उन्हें पीठ दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के क्रम में ही उनकी मौत हो गई। जैप-8 पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष रंजीत कुमार और कोषाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि संगठन की टीम फिलहाल कोलकाता में मौजूद है और आगे की आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जवान के पार्थिव शरीर को जैप-8 मुख्यालय लाया जाएगा, जहां से उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार किया जाएगा। मृतक के बड़े भाई जयराम सिंह, जो स्पेशल ब्रांच में कार्यरत हैं, ने बताया कि डॉक्टरों द्वारा ब्रेन हेमरेज से मौत की जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि परशुराम सिंह पहले असम में चुनाव ड्यूटी पर तैनात थे, जहां से उन्हें पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद भेजा गया और बाद में उत्तरी परगना में ड्यूटी दी गई थी।

चाईबासा कोषागार से 45 लाख की अवैध निकासी, सिपाही गिरफ्तार

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। जिले के चाईबासा स्थित कोषागार से पुलिस विभाग के खाते से करीब 45 लाख रुपये की अवैध निकासी का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। इस मामले में मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने एक सिपाही को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने फर्जी बिल, नकली दस्तावेज और जाली हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर किस्तों में उक्त राशि की निकासी की। मुख्य आरोपी सिपाही देव नारायण मुर्मू पर आरोप है कि उसने निकाली गई रकम का एक हिस्सा अपने परिजनों के बैंक खातों में भी स्थानांतरित किया। जांच के दौरान कोषागार से जुड़े दो अन्य कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिससे मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश में छापेमारी जारी है। साथ ही अवैध रूप से निकाली गई राशि की बरामदगी के लिए भी प्रयास तेज कर दिए गए हैं। यह भी जांच की जा रही है कि इस गड़बड़ी में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा रकम किन-किन खातों में भेजी गई है।

लद्दाख को पांच नए जिले मिले

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पांच नए जिलों के गठन की अधिसूचना को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के साथ ही लद्दाख में जिलों की कुल संख्या अब दो से बढ़कर सात हो गई है। उपराज्यपाल सक्सेना ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग और आकांक्षाओं की पूर्ति करेगा। उन्होंने इसे शासन व्यवस्था को आम नागरिकों के और करीब लाने वाला निर्णय बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में विकास, रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। नए गठित जिलों में नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास शामिल हैं। इससे पहले लद्दाख में केवल लेह और कारगिल दो जिले ही मौजूद थे। यह अहम फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे से ठीक पहले लिया गया है। गृह मंत्री एक मई को लद्दाख में गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के लिए दो दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे।

उपराज्यपाल ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित और खुशहाल लद्दाख' के विजन के अनुरूप है, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

लूटकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, एक गिरफ्तार, दो फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । नगर थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई लूट की घटनाओं का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। नगर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ जीतवाहन उरांव ने बताया कि 11/12 अप्रैल 2026 की मध्य रात्रि करीब 1 बजे बस स्टैंड रोड स्थित न्यू परिसदन भवन के पास तीन अपराधियों ने राहगीरों को रिवॉल्वर का भय दिखाकर लूटपाट की थी।

इस घटना में संकेत कुमार (26 वर्ष) से करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य का मोबाइल, पर्स, डेबिट कार्ड व अन्य जरूरी दस्तावेज छीन लिए गए थे। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 88/26 दर्ज किया गया था।वहीं, दूसरी घटना 16 अप्रैल 2026 की रात की है, जब दिलीप कुमार लकड़ा से दो अपराधियों ने बैग, कपड़े, एटीएम कार्ड, पहचान पत्र व 8500 रुपये नकद छीन लिए थे। इस संबंध में नगर थाना कांड संख्या 91/26 दर्ज किया गया था पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार के निर्देश पर दोनों मामलों के उद्भेदन के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर देवघर जिले के बुढ़ई थाना क्षेत्र से चूड़ी मोहल्ला निवासी 20 वर्षीय अफरोज शेख को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उसने दोनों घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की गिरफ्तार आरोपी के पास से लूटा गया मोबाइल, डेबिट कार्ड, पैन कार्ड, अन्य दस्तावेज एवं 8500 रुपये नकद बरामद किए गए। साथ ही उसकी निशानदेही पर चूड़ी मोहल्ला निवासी रावनी कुरैशी के घर से पुलिस ने 1575 ग्राम गांजा, 50 पीस नशीली नाइट्रोसन 10 गोलियां तथा 3000 रुपये नकद बरामद किए इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत नगर थाना कांड संख्या 96/26 दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार नामजद आरोपी रावनी कुरैशी एवं अकबर कुरैशी फिलहाल फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है इस पूरी कार्रवाई को नेतृत्व एसडीपीओ (सदर) जीतवाहन उरांव ने किया। टीम में नगर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सांसद अरुण भारती की पहल पर जमुई में वंदे भारत एक्सप्रेस का होगा ठहराव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। जमुई लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरुण भारती के निरंतर प्रयासों का परिणाम अब धरातल पर दिखने लगा है। उन्होंने जमुई रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर मांग की थी, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। रेल मंत्रालय की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि सांसद द्वारा उठाई गई इस महत्वपूर्ण मांग को स्वीकार कर लिया गया है और जल्द ही जमुई स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित किया जाएगा। इस निर्णय से जमुई सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आधुनिक और तेज रेल सेवा का सीधा लाभ मिलेगा।

गुपचुप खाने से फूड पॉयजनिंग, 20 से अधिक लोग बीमार, प्रशासन अलर्ट, जांच जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बजटो गांव में गुपचुप (फास्ट फूड) खाने के बाद फूड पॉयजनिंग का मामला सामने आया है। इस घटना में 20 से अधिक बच्चे, महिलाएं और पुरुष बीमार पड़ गए। सभी प्रभावितों को तत्काल गिरिडीह सदर अस्पताल एवं नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है।

उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर विशेष मेडिकल टीम का गठन किया गया, जिसने गांव पहुंचकर प्रभावित लोगों की व्यापक स्वास्थ्य जांच की। टीम ने घर-घर जाकर लोगों का हाल जाना और जरूरतमंदों को प्राथमिक उपचार भी उपलब्ध कराया। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता और सुरक्षित खानपान के प्रति जागरूक किया गया।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अधिकांश मरीजों की हालत स्थिर है और उनमें तेजी से सुधार हो रहा है, जो राहत की बात है। अस्पतालों में दवाओं, बेड और अन्य चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है इधर, खाद्य सुरक्षा विभाग ने भी कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से गुपचुप, चाट और छोले समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए एकत्र किए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के नेतृत्व में टीम ने इन नमूनों को प्रयोगशाला भेज दिया है, ताकि फूड पॉयजनिंग के कारणों का पता लगाया जा सके उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस और प्रशासन को मामले की गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं।उपायुक्त स्वयं पूरे मामले की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं और अधिकारियों से पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से बचें और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

केरेडारी में जल संकट गहराया, ग्रामीणों का एनटीपीसी पर फूटा आक्रोश

केरेडारी/हजारीबाग (नबिटासं)। प्रखंड के बेंगवरी, पाण्डु एवं चट्टीबरियातु पंचायतों में भीषण जल संकट ने इस वर्ष गंभीर रूप ले लिया है। सैकड़ों परिवार पेयजल के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। हालात ऐसे हैं कि लोगों को पीने के पानी के लिए दूर-दराज तक जाना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में हो रही कोयला खनन गतिविधियों के कारण भूजल स्तर लगातार नीचे चला गया है। पहले जहां 50-60 फीट पर पानी उपलब्ध हो जाता था, अब 150-200 फीट तक बोरिंग करने के बाद भी पानी नहीं मिल रहा है। कई पुराने कुएं और चापाकल सूख चुके हैं, जिससे समस्या और विकराल हो गई है। इस संकट का सबसे ज्यादा असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। महिलाएं सुबह से ही पानी की तलाश में निकल जाती हैं और घंटों इंतजार के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। कई जगहों पर पानी को लेकर विवाद की स्थिति भी बन रही है। बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ा है, क्योंकि उन्हें भी पानी लाने में सहयोग करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि हर साल गर्मी के मौसम में एनटीपीसी द्वारा पेयजल टैंकर उपलब्ध कराए जाते थे, लेकिन इस बार अब तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब खनन कार्यों के कारण जलस्तर प्रभावित हुआ है, तो उसकी जिम्मेदारी भी संबंधित कंपनी की बनती है। लोगों ने प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन से अविलंब जलापूर्ति के लिए टैंकर भेजने की मांग की है। साथ ही स्थायी समाधान के रूप में गहरे बोरिंग, सोलर आधारित जल योजना और जल संरक्षण के उपाय लागू करने की भी मांग की गई है। ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। तेजी से बढ़ रही खनन गतिविधियों का असर अब पर्यावरण और जल संसाधनों पर साफ नजर आने लगा है। ऐसे में आवश्यक है कि संबंधित कंपनियां और प्रशासन मिलकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालें, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

पिपरवार-केरेडारी सीमा पर घात लगाकर दंपति पर फायरिंग, पत्नी की मौत, पति घायल

केरेडारी/हजारीबाग (नबिटासं)। पिपरवार और केरेडारी थाना क्षेत्र की सीमा पर रविवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। अज्ञात अपराधियों ने घात लगाकर बाइक सवार दंपति पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिसमें पत्नी की मौके पर मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राय बस्ती निवासी विकास प्रजापति अपनी पत्नी मंजू देवी के साथ रामगढ़ से खरीदारी कर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान खलारीझपतरातू मुख्य मार्ग पर कोल स्टेशन के समीप पुलिया के पास पहले से घात लगाए अपराधियों ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमले में विकास प्रजापति की बायीं बांह में गोली लगी, जबकि मंजू देवी के सिर में गोली लगने से उनकी हालत गंभीर हो गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से दोनों को तत्काल बचरा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मंजू देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, विकास प्रजापति का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही केरेडारी थाना के हेंदेगीर पिकेट पुलिस और पिपरवार थाना की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से दो खाली खोखा सहित कुछ अहम सुराग बरामद किए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। इधर, घटना के बाद अस्पताल परिसर में ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और लोगों में आक्रोश का माहौल देखा गया। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना के पीछे के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि, मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है। पुलिस हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

कोल्हुआ में शिव शक्ति महायज्ञ का समापन

जमुई (नबिटासं)। जिले के गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत कोल्हुआ गांव में आयोजित श्री श्री 108 शिव शक्ति महायज्ञ सह शिव सपरिवार प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समापन रविवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हो गया।नौ दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन क्षेत्र में भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समारोह के अंतिम दिन क्षेत्र के जाने-माने युवा सामाजिक कार्यकर्ता सुशांत साईं सुंदरम ने मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने प्रयागराज से पधारे धर्मदेव व्यास के नेतृत्व में आयोजित भव्य रामलीला के समापन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इसके बाद वे आरती में भी शामिल हुए और उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच अपने विचार साझा किए। अपने संबोधन में श्री सुंदरम ने कहा कि सनातन संस्कृति की जड़ों को मजबूत बनाए रखने के लिए नई पीढ़ी को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने क्षेत्र में समय-समय पर ऐसे आयोजनों के आयोजन पर जोर दिया, जिससे सांस्कृतिक चेतना बनी रहे। इस दौरान आयोजन समिति द्वारा श्री सुंदरम को सम्मानित भी किया गया। गौरतलब है कि इस महायज्ञ का शुभारंभ 18 अप्रैल को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था, जिसमें सैकड़ों महिलाओं और युवतियों ने भाग लिया था। पूरे आयोजन के दौरान वृंदावन से आई कथा वाचक गौरी प्रिया द्वारा रामकथा का रसपान कराया गया, जिसे सुनने के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। वहीं प्रयागराज से आई रामलीला मंडली ने अपने सजीव मंचन से रामायण की घटनाओं को जीवंत कर दिया, जिससे दर्शक भाव-विभोर हो उठे। इसके अलावा वाराणसी से आए विद्वान पुरोहित अजय पांडेय ने अपने सहयोगियों के साथ वैदिक विधि-विधान से सभी पूजन कार्यक्रम संपन्न कराए। इस दिव्य और सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष ललन सिंह, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार साव, सचिव नरेश सिंह सहित सभी सदस्यों और ग्रामवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके सहयोग और समर्पण के कारण यह महायज्ञ क्षेत्र में आस्था और एकता का प्रतीक बनकर उभरा।

जन समस्याओं पर संगठन बनाकर संघर्ष की जरूरत : राजेश यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । विभिन्न राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों पर जनता से सिर्फ वोट लेने और बुनियादी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए पूर्व जिप सदस्य व फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने कहा कि अब जन समस्याओं के समाधान के लिए संगठन बनाकर संघर्ष करना ही एकमात्र विकल्प रह गया है वे बेंगाबाद प्रखंड के चीनारास गांव में आयोजित ग्रामीणों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक का आयोजन स्थानीय स्तर पर कमेटी गठन के उद्देश्य से किया गया था। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को सामने रखा और उनके कारणों पर विस्तार से चर्चा की ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद श्री यादव ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में आम जनता के बुनियादी सवालों का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बताए समाजवादी सिद्धांतों पर आधारित व्यवस्था स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीति गरीबों को बरगलाकर वोट हासिल करने तक सीमित हो गई है, जिसके कारण सरकार और जनप्रतिनिधि बदलने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं बैठक के अंत में सर्वसम्मति से ऑल इंडिया अग्रगामी किसान सभा की स्थानीय कमेटी का गठन किया गया और विभिन्न जन मुद्दों पर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया इस अवसर पर टेकलाल महतो, नागो सिंह, बासदेव राय, टूपलाल सिंह, अरुण सिंह, रामचंद्र सिंह, सुभाष कुमार, धनेश्वर विश्वकर्मा, नागेश्वर सिंह, ढालो तुरी, आनंदी सिंह, गोपाल तुरी, राजकुमार तुरी, श्रवण सिंह, धीरज कुमार, सबिया देवी, लखिया देवी, उर्मिला देवी, मीना देवी, बबीता देवी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता कमलेश लोहनी का निधन, शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला कांग्रेस पार्टी के पुराने एवं सक्रिय कार्यकर्ता कमलेश लोहनी का सोमवार सुबह निधन हो गया। वे बरमसिया मोहल्ला के निवासी थे और लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। उनके निधन की खबर से पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई निधन की सूचना मिलते ही कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह उनके आवास पहुंचे और पार्टी का झंडा अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान सिंह ने कहा कि कमलेश लोहनी बेहद कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता थे। उनके निधन से न केवल पार्टी को क्षति हुई है, बल्कि यह उनका व्यक्तिगत नुकसान भी है। उन्होंने स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1999 में कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से उनके पिता के चुनाव जीतने में कमलेश लोहनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा था।शोक व्यक्त करने वालों में सुलेमान अख्तर, विवेक सिन्हा, मंगल सिंह, टिंकू सिंह, अमित नारायण देव, जय किशोर प्रसाद, अजय राय, संजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मकतपुर संतोषी माता मंदिर महोत्सव में निकली कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के मकतपुर स्थित प्राचीन संतोषी माता मंदिर के जीर्णोद्धार एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार सुबह भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां शामिल हुईं, जिससे पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो उठा कलश यात्रा बरगंडा स्थित विश्वनाथ मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने पवित्र कुंड से जल भरकर टॉवर चौक और कालीबाड़ी होते हुए पुनः मंदिर परिसर में प्रवेश किया। मंदिर पहुंचने के बाद विधिवत कलश स्थापना की गई मंदिर परिसर में पांच दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ हो चुका है।

आयोजन समिति के सचिव डिम्पल साव ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 अप्रैल को विशेष पूजा, 29 अप्रैल को भक्ति जागरण, 30 अप्रैल को भव्य शोभायात्रा तथा 1 मई को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, हवन और पूर्णाहुति का कार्यक्रम आयोजित होगा। महोत्सव का समापन विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा।इस आयोजन को सफल बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर डिम्पल साव, बिनोद केसरी, बंटी केसरी, ओम प्रकाश केशरी, कुशल सलूजा, डॉ. संतोष कुमार, संदीप दंगाइच, दीपक पाण्डेय सहित कई श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

गिरिडीह में जनगणना 2027 को लेकर सेल्फ ऐनुमैरेशन पर जोर, उपायुक्त ने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारतीय जनगणना 2027 के सफल संचालन को लेकर जिले में ह्लसेल्फ ऐनुमैरेशन ह्व (स्वयं गणना) प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस संबंध में उपायुक्त श्री रामनिवास यादव ने जिलेवासियों से सक्रिय सहभागिता की अपील की है।

उपायुक्त ने बताया कि सेल्फी ऐनुमैरेशन एक सरल, सुरक्षित और समय की बचत करने वाली प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए एक विशेष पोर्टल 01 मई 2026 से 15 मई 2026 तक आम लोगों के लिए उपलब्ध रहेगा, जिससे नागरिक घर बैठे ही अपनी जनगणना से जुड़ी जानकारी आसानी से भर सकेंगे उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की आधारशिला है। इसके आधार पर सरकार विभिन्न योजनाएं तैयार करती है, जिनका सीधा लाभ आम जनता को मिलता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का सही और समय पर जानकारी देना बेहद जरूरी है उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं गणना के प्रति जागरूक रहें और अपने परिवार के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचते हुए केवल आधिकारिक माध्यमों से ही जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी।

सलैया रेलवे स्टेशन रोड जर्जर, ग्रामीणों और चालकों में आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सलैया रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय ग्रामीणों, चालकों और यात्रियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि आए दिन वाहन फंस रहे हैं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है माले नेता राजेश सिन्हा ने आरोप लगाया कि यह सड़क रेलवे के अधीन होने के बावजूद पिछले डेढ़ साल से इसकी मरम्मत नहीं की गई है।

सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं, जिससे रोजाना दर्जनों वाहन खराब हो रहे हैं और कई गाड़ियां बीच रास्ते में फंस जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर ग्रामीण लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है राजेश सिन्हा ने केंद्र सरकार और रेलवे प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि गिरिडीह और कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के सांसद भी इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं उठा पा रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जनप्रतिनिधि सक्रिय होते तो स्थिति इतनी खराब नहीं होती उन्होंने ग्रामीणों से एकजुट होकर आंदोलन करने का आह्वान किया। साथ ही याद दिलाया कि रेलवे ओवरब्रिज के मुद्दे पर भी माले ने पहले ग्रामीणों का समर्थन किया था। उन्होंने पचंबा, हांडाडीह समेत आसपास के इलाकों के लोगों से अपील की कि वे सिर्फ मतदान तक सीमित न रहें, बल्कि अपने अधिकारों के लिए भी आवाज उठाएं। माले के संजय यादव ने कहा कि वे स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर सूची तैयार करेंगे और आंदोलन के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि अस्थायी तौर पर स्टोन डस्ट और बोल्डर डालकर सड़क को ठीक किया जा सकता है, लेकिन रेलवे की आपत्ति के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सांसदों से इस दिशा में पहल करने की मांग की है इस मौके पर मुकेश शर्मा, सचिन राम, शुभम पांडेय, राजकुमार तुरी, टिंकू तुरी, सोनू तुरी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा पर सख्ती : डीसी ने की समीक्षा बैठक, गुड सेमेरिटन जाकिर हुसैन सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से उपायुक्त रामनिवास यादव ने सोमवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार, यातायात डीएसपी कौशर अली सहित सभी संबंधित अधिकारी जुड़े बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिले के दुर्घटना संभावित स्थलों ब्लैक स्पॉट की पहचान कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं और नियमित निरीक्षण किया जाए इस दौरान ह्वगुड सेमेरिटनह्न के रूप में सराहनीय कार्य करने वाले जाकिर हुसैन को ₹2000 की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने उनके कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक होते हैं बैठक में हिट एंड रन मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई हो और पीड़ितों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही इराद (इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस) पोर्टल पर सभी दुर्घटनाओं की शत-प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया, ताकि सटीक आंकड़ों के आधार पर योजनाएं बनाई जा सकें।उपायुक्त ने यातायात नियमों के पालन को लेकर जागरूकता अभियान तेज करने का निर्देश दिया। हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने जैसी लापरवाहियों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। साथ ही नियमित जांच अभियान चलाने और आम लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग करने की बात कही गई बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से ही इसे सफल बनाया जा सकता है अंत में उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ करने का निर्देश दिया, ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम स्तर तक लाया जा सके।

पोल से बांधने के बाद पीट-पीटकर हत्या

बाइक के धक्के से हो गयी थी बालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। सुधानी थाना क्षेत्र के रहमानपुर गांव में भीड़ तंत्र का भयावह चेहरा सामने आया है। एक सड़क हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने कानून को हाथ में लेते हुए एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल की चपेट में आने से 15 वर्षीय मोहम्मद खुसरो की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर फैलते ही गांव में गुस्सा भड़क उठा और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए।

जानकारी के अनुसार, भीड़ ने

एसडीपीओ कर रहे घटनास्थल पर कैम्प

बाइक सवार मोहम्मद सकरुद्दीन को पकड़ लिया। आरोप है कि लोगों ने उसे बिजली के पोल से बांध दिया और उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद मोहम्मद सकरुद्दीन की भी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पूरे इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना दोबारा न हो। कटिहार एसपी शिखर चौधरी ने बताया कि इस मामले में सुधानी थाना में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि हादसे में एक बच्चे की मौत हुई थी, जिसके बाद भीड़ ने आरोपी बाइक चालक की पिटाई कर हत्या कर दी।

एसपी के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और बारसोई अनुमंडल के डीएसपी खुद मौके पर कैंप कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

सड़क हादसे में दो की मौत

बेगूसराय। चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के सदर गांव स्थित पंचमुखी स्थान चौक के समीप सोमवार अहले सुबह सड़क हादसा हो गया। इस सड़क हादसे में बरात से लौट रहे दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।मृतकों की पहचान थाना क्षेत्र के खांजहांपुर वार्ड संख्या-8 निवासी राजो रजक के पुत्र कृष्णा कुमार (20) तथा रामाश्रय यादव के पुत्र रणवीर कुमार (18) के रूप में हुई है।वहीं, घायल युवक की पहचान इसी मुहल्ले के स्वर्गीय धर्मदेव महतो के पुत्र प्रिंस कुमार (20) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तीनों युवक बरात से वापस अपने घर लौट रहे थे।

इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने कृष्णा कुमार और रणवीर कुमार को मृत घोषित कर दिया।

अग्नि पीड़ित परिवारों से मिली कांग्रेस की टीम

मंत्री एवं डीएम ने यथासंभव सहयोग का दिलाया भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड अंतर्गत बेरी पंचायत के पूरन बिघा महादलित टोला में अग्नि पिडित परिवारों से प्रखंड कांग्रेस कमेटी मदनपुर की टीम मेरे नेतृत्व में मुलाकात कर उनके जले हुए घरों एवं सामानों का मुआयना किया था। इस टीम में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता धीरेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, शहनवाज आलम, इंद्रदेव भुईयां, रमेश पासवान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पूरन बिघा में अग्नि पिडित परिवारों से मुलाकात के बाद हमलोगों ने प्रत्येक परिवार को वासगीत पर्चा तथा पक्का मकान बनवाने,पूरन बिघा में पेयजल आपूर्ति के लिए चापाकल लगवाने, अग्नि पिडित परिवारों को समुदायिक किचन से भोजन उपलब्ध करवाने,पूरन बिघा महादलित टोला के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की सुविधा उपलब्ध करवाने, मेडिकल कैंप लगवाने तथा रोजगार की सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग हमलोगों ने

डीएम से मांग किए थे। हमलोगों के मांग पर जिला पदाधिकारी औरंगाबाद एवं केन्द्रीय मंत्री जितनराम मांझी पूरन बिघा महादलित टोला में अग्नि पिडित परिवारों से मुलाकात कर उनके उनसे रूबरू हुए।पिडितों की व्यथा सुनकर केन्द्रीय मंत्री जितनराम मांझी एवं औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा स्वयं हमलोगों के द्वारा किए गए मांगो को सार्वजनिक रूप से पूरा करने के लिए घोषणा की। हम सभी प्रखंड कांग्रेस कमेटी मदनपुर के कार्यकर्ताओं की तरफ से केन्द्रीय मंत्री जितनराम मांझी एवं औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा को बधाई देते है और आशा करते हैं कि पूरन बिघा महादलित टोला में अग्नि पिडित परिवारों को सरकार द्वारा सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने में सहयोग करेंगे।

लेखक रणविजय राव का हुआ भव्य स्वागत

साहित्य विभूति सम्मान से हुए सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में प्रख्यात लेखक रणविजय राव के औरंगाबाद आगमन पर स्थानीय पृथ्वीराज चौहान स्मृति ट्रस्ट भवन में भव्य स्वागत किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी ने बताया कि औरंगाबाद जिले के ग्राम जगदीशपुर निवासी रणविजय राव भारतीय संसद में संपादक के पद पर आसीन होने के साथ-साथ अपने लेखन के लिए देश-विदेश में ख्यात हैं। उनके आगमन पर जिले की साहित्यिक संस्थाओं यथा- औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, समकालीन जवाबदेही परिवार,'शब्दाक्षर' जिला इकाई औरंगाबाद द्वारा प्रोफेसर सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में एक सम्मान-समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हिमांशु

चक्रपाणि के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुई। उसके बाद सम्मेलन के संयुक्त सचिव एवं शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेंद्र कुमार केशरी ने विषय प्रवेश कराते हुए मुख्य अतिथि के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट किया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के जिलाध्यक्ष प्रोफेसर सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, प्रोफेसर संजीव रंजन, अजय कुमार श्रीवास्तव, विनय मामूली बुद्धि, डॉ. सुमन लता आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया तथा अपने उद्गार में रणविजय राव के साहित्यिक अवदानों पर प्रकाश डाला। इस क्रम में रणविजय राव को औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा 'साहित्य विभूति सम्मान' से विभूषित किया गया। मुख्य अतिथि रणविजय राव ने कहा कि हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लेखन में मौलिकता और सामाजिक सरोकारों को महत्व देने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने अपने लेखन अनुभव साझा करते हुए साहित्य की बदलती प्रवृत्तियों पर भी विचार व्यक्त किए। इस क्रम में उन्होंने औरंगाबाद में साहित्य को सुदृढ़ करने हेतु अपनी संकल्पना एवं प्रतिबद्धता का भी जिक्र किया। इस दौरान राम प्रवेश सिंह, डॉ राजेंद्र प्रसाद, राम भजन सिंह, श्रीराम राय, सुरेश विद्यार्थी, अनिल मिश्र अनल, हिमांशु चक्रपाणि, सुमन अग्रवाल, अविनाश कुमार जैसे गणमान्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कवि लवकुश प्रसाद सिंह ने काव्य पाठ किया, वरिष्ठ पत्रकार एवं अधिवक्ता प्रेमेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया वहीं प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों और उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कबीर अंत्येष्टि योजना में घोटाला

एक ही खाते में सैकड़ों बार भेजी गयी रकम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मोतिहारी से इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां गरीबों के अंतिम संस्कार के लिए मिलने वाली सरकारी राशि में घोटाले का खुलासा हुआ है। आरोप है कि कबीर अंत्येष्टि योजना की रकम लाभार्थियों तक पहुंचने के बजाय एक ही व्यक्ति के खाते में बार-बार ट्रांसफर की गई।मामला कल्याणपुर प्रखंड के दरमाहा गांव का है। यहां कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत मिलने वाली 3000 रुपये की सहायता राशि में भारी अनियमितता सामने आई है। जानकारी के अनुसार, राजपुर स्थित स्टेट बैंक के एक खाते में इस योजना की राशि एक साल के अंदर सैकड़ों बार ट्रांसफर की गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे मामले का रिकॉर्ड खुद सरकारी पोर्टल पर मौजूद है। पेमेंट रिपोर्ट में लाभार्थियों के नाम, खाता संख्या, आईएफसी कोड, नंबर और भुगतान की पूरी जानकारी दर्ज है। इसके बावजूद स्थानीय अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

अब सवाल उठ रहा है कि यह केवल लापरवाही है या फिर सुनियोजित भ्रष्टाचार का मामला है। जब नियम साफ तौर पर कहते हैं कि राशि सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जानी चाहिए, तो फिर एक ही खाते में बार-बार पैसा कैसे ट्रांसफर हुआ? सूत्रों के अनुसार, इस गड़बड़ी में अंदरखाने मिलीभगत की आशंका भी जताई जा रही है।

मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है। डीडीसी ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।इस घोटाले ने सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या गरीबों के कफन तक पर डाका डालने वालों के खिलाफ वाकई सख्त कार्रवाई होगी या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

मां ने पांच बच्चों को दूध में पिलाई कीटनाशक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। मोहनपुर गांव में संपत्ति विवाद से तंग आकर एक मां ने पांच बच्चों को दूध में जहर देकर खुद भी पी लिया। सभी अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं। मां और तीन बेटियां खतरे से बाहर हैं, जबकि पांच वर्षीय जुड़वा भाइयों की स्थिति बेहद नाजुक है।

जहर खाने वालों में मोहनपुर गांव निवासी रंजन पंडित की 40 वर्षीय पत्नी सोनी देवी, उनकी 14 वर्षीय बेटी प्रीति कुमारी, 13 वर्षीय रचना कुमारी, 6 वर्षीय सपना कुमारी और 5 साल के जुड़वा बेटे रामकुमार व लखन कुमार शामिल हैं। रंजन पंडित परदेस में कमाने के लिए गया हुआ है। पत्नी बच्चों के साथ गांव में रह रही हैं।

सहरसा के नारायणा हॉस्पिटल के डॉ. मानस कुमार झा ने बताया कि सभी को रविवार रात करीब 2:30 बजे अस्पताल में एडमिट कराया गया। सभी मरीज फिलहाल वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। मां और तीन बेटियों की स्थिति थोड़ी खतरे से बाहर बताई जा रही है, लेकिन दोनों जुड़वा भाइयों की हालत अभी भी नाजुक है।

डॉक्टर के मुताबिक, होश में आने पर एक बच्ची ने बताया कि रविवार रात करीब 8:00 बजे मां ने सभी भाई-बहनों को दूध में कीटनाशक (जहर) मिलाकर पिला दिया और बाद में खुद भी पी लिया। जहर का असर होने पर जब सभी तड़पने लगे, तो एक बच्चे ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर घर का दरवाजा खोला और बाहर निकलकर लोगों से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद पड़ोसियों ने तुरंत सभी को सहरसा सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति बिगड़ते देख उन्हें नारायणा हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

सोनी देवी की गोतनी के भाई सूरज कुमार सोमवार सुबह सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को सोनी देवी और उनकी सास के बीच संपत्ति को लेकर तीखा विवाद हुआ था। इसी नोकझोंक से गुस्से में आकर सोनी देवी ने यह खौफनाक कदम उठाया। अस्पताल में पहले सास-ससुर भी पहुंचे थे, लेकिन जैसे ही वहां पुलिस आई, दोनों अस्पताल से चुपचाप गायब हो गए।

अवैध कब्जा से मुक्ति की बजाय सेटेलाइट टाउनशिप की बातें बेइमानी: कॉग्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार प्रदेश कॉग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, इंटक जिला महासचिव टिंकू गिरी, दामोदर गोस्वामी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी, सुजीत गुप्ता आदि ने कहा कि बिहार सरकार बिहार राज्य आवास बोर्ड के पटना, गयाजी सहित कई जिला के विभिन्न हिस्सों में आवास बोर्ड के जमीनों पर अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण हटाने तथा इसे विकसित करने के बजाय, पटना, गयाजी सहित कई जिला में ग्रीन लैंड सेटेलाइट टाउनशिप बनाने की बातें पूरी तरह कागजी एवं इसके लिए चुने गए गांवों, शहरी वार्डों के किसान, एवं जमीन मालिकों को परेशान और संकंट में डालने वाली कागजी घोषणा है।

नेताओं ने कहा कि गयाजी जिला में बोर्ड के कई आवासीय कॉलोनी विकसित है, जहां उच्च माध्यम, और निम्न आय वर्ग के लिए बने फ्लैट और भूखण्ड अवैध कब्जा एवं घटिया निर्माण के चलते बहुत फ्लैट एलौट होने के पहले जीर्ण शीर्ण हो गया है।

नेताओं ने कहा सूबे के नए मुख्यमंत्री ने अपनी पहली कैबिनेट की बैठक में पटना, गयाजी सहित कई शहरों में बिना जमीन चिन्हित किए, बिना खाता, प्लॉट निर्धारित किए एका , एक गया जी जिला के तीन प्रखंड बोधगया, चंदौती, परैया के 62 गांवों तथा गयाजी शहर के दो वार्डों 29 एवं 46 के सभी जमीनों के खरीद बिक्री पर रोक लगा दिया है, जबकि सेटेलाइट टाउनशिप केवल 1629 एकड़ में बनाना है। नेताओं ने कहा कि एक वर्ष तक जमीन बिक्री के रोक से गरीब, मध्यमवर्गीय परिवारो के बेटी की शादी, बीमारियों का इलाज सहित कई आवश्यक कार्य नहीं हो पायेगा। नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति जगजाहिर है, एक और पहले से रिजर्व बैंक से 3 लाख करोड़ के लगभग लोन है, तथा सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशनर, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड , पुल पुलिया निर्माण हेतु इसी माह में 12000 हजार करोड़ लोन हेतु राज्य सरकार रिजर्व बैंक को आवेदन दिए हुए हैं, इस बात से यह प्रमाणित होता है कि ग्रीन लैंड सेटेलाइट टाउनशिप केवल कागज पर ही सीमित रहेगा।

रीतलाल यादव को हाईकोर्ट से लगा झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना हाई कोर्ट ने पूर्व विधायक रीतलाल यादव के जेल स्थानांतरण को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी आदेश को सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त है, तो मात्र इस आधार पर उसे अवैध नहीं ठहराया जा सकता कि उस पर हस्ताक्षर अधीनस्थ अधिकारी के हैं।

मामला 30 अक्टूबर 2025 के उस आदेश से जुड़ा था, जिसे सहायक महानिरीक्षक (कारा एवं सुधार सेवाएं), बिहार द्वारा जारी किया गया था।

इस आदेश के तहत पहले पारित 30 अप्रैल 2025 के ट्रांसफर आदेश की अवधि छह माह के लिए बढ़ाई गई थी, जिसके तहत रीतलाल यादव को बेऊर केंद्रीय कारा, पटना से भागलपुर विशेष केंद्रीय कारा (तृतीय खंड) स्थानांतरित किया गया था।

याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव कुमार वर्मा ने दलील दी कि बिहार जेल मैनुअल, 2012 के नियम 781(7) तथा कैदी अधिनियम, 1900 की धारा 29(3) के तहत इस प्रकार का आदेश जारी करने का अधिकार केवल महानिरीक्षक (आईजी) को है।

ऐसे में एआईजी द्वारा जारी आदेश अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इसे रद किया जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने तथ्यों का परीक्षण करते हुए पाया कि संबंधित आदेश को महानिरीक्षक (कारा) की स्वीकृति प्राप्त थी और एआइजी ने केवल उसे संप्रेषित किया था।

साथ ही, न्यायालय ने यह भी माना कि प्रशासन ने विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया था और इसमें किसी प्रकार की मनमानी या अधिकारों का दुरुपयोग परिलक्षित नहीं होता। इन तथ्यों के आधार पर पटना हाई कोर्ट ने याचिका को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

पेट्रोल पम्पों पर लगी लंबी लाइनें

पंपकर्मी एवं ग्राहकों के बीच हो रही नोकझोंक, हाथापाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। शहर में इन दिनों लग्न के सीजन और पेट्रोल की कमी की अफवाहों ने मिलकर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। सोमवार को शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। कई जगहों पर स्थिति इतनी बिगड़ गई कि वाहन चालकों और पेट्रोल पंप कर्मियों के बीच नोकझोंक और बहस की घटनाएं भी सामने आईं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ने लगी थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, कतारें और लंबी होती गईं। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की भीड़ के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ। कई जगहों पर सड़क जाम जैसी स्थिति बन गई, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस भीड़ की एक बड़ी वजह लग्न का सीजन है, जिसमें शादियों और अन्य मांगलिक कार्यों के चलते वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। इसके साथ ही पेट्रोल की संभावित कमी को लेकर फैली अफवाहों ने लोगों में घबराहट पैदा कर दी।

नतीजतन, लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल भरवाने के लिए पंपों की ओर दौड़ पड़े। पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि आपूर्ति में थोड़ी कमी जरूर आई है। उनके अनुसार, पिछले साल की तुलना में इस बार 10 से 15 प्रतिशत कम पेट्रोल मिल रहा है।

इसी कारण वे संतुलित तरीके से पेट्रोल वितरण कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को ईंधन मिल सके। कुछ पंपों पर बोतल में पेट्रोल देने पर रोक लगा दी गई है और टंकी में भी सीमित मात्रा में ही पेट्रोल दिया जा रहा है।

एक पंप संचालक ने बताया कि अगर हम बिना नियंत्रण के पेट्रोल देना शुरू कर दें, तो कुछ ही घंटों में स्टॉक खत्म हो जाएगा। इसलिए मजबूरी में हमें सीमित मात्रा में ही पेट्रोल देना पड़ रहा है। हालांकि, इस व्यवस्था से कई लोग नाराज भी दिखे और उन्होंने पंप कर्मचारियों पर मनमानी का आरोप लगाया। भीड़ और अव्यवस्था के बीच कई जगहों पर कहासुनी की स्थिति उत्पन्न हो गई।

कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि लाइन में लगे बिना ही कुछ वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे विवाद बढ़ा। हालांकि, अधिकांश पंपों पर स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई थी।

इस पूरे मामले पर बीपीसीएल के सेल्स अधिकारी कान्हू चरण प्रधान ने स्पष्ट किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, लग्न के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ बढ़ी है। पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए और पैनिक होकर ईंधन खरीदने से बचना चाहिए।

प्रशासन की ओर से भी लोगों से अपील की जा रही है कि वे संयम बनाए रखें और केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल लें। अधिकारियों का मानना है कि यदि लोग अफवाहों पर ध्यान नहीं देंगे, तो स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी।

फिलहाल, आरा शहर में पेट्रोल पंपों पर भीड़ बनी हुई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि प्रशासनिक हस्तक्षेप और सही जानकारी के प्रसार से हालात जल्द काबू में आ जाएंगे।

फिंगरप्रिंट क्लोनिंग कर आधार कार्ड बनाने वाला मास्टरमाइंड धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बेलसर थाना की पुलिस एवं जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) की संयुक्त कार्रवाई में बीबीपुर चौक स्थित एयरटेल पेमेंट बैंक सीएसपी आउटलेट की आड़ में चल रहे फर्जी आधार कार्ड एवं फिंगरप्रिंट क्लोनिंग गिरोह का राजफाश हुआ है।

पुलिस ने मुजफ्फरपुर के मास्टरमाइंड समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी।

एसपी ने बताया कि वैशाली पुलिस द्वारा साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई।

गिरोह ग्रामीणों के आधार डेटा और बायोमेट्रिक जानकारी का दुरुपयोग कर साइबर फ्राड कर रहा था। उन्होंने कहा कि एसडीपीओ सदर-2 गोपाल मंडल के नेतृत्व में बेलसर थाना और डीआईयू की टीम ने शनिवार को बीबीपुर चौक स्थित सीएसपी आउटलेट पर छापेमारी की।

जांच में पाया गया कि सीएसपी संचालक राकेश कुमार फर्जी तरीके से आधार कार्ड निर्माण, फिंगरप्रिंट क्लोनिंग और बैंकिंग सेवाओं के नाम पर ग्रामीणों से धोखाधड़ी कर रहा था।

पूछताछ में राकेश ने बताया कि बेलसर के आर्यन कम्युनिकेशन कैफे में विनोद कुमार भी इसी तरह साइबर फ्रॉड करता है। पुलिस ने विनोद कुमार को भी दस्तावेजों एवं उपकरण के साथ गिरफ्तार किया।

दोनों से पूछताछ में गिरोह के मास्टरमाइंड का नाम सामने आया। मुजफ्फरपुर जिले के हत्था ओपी अंतर्गत सूर्या एंटरप्राइजेज नामक दुकान से धर्मेंद्र कुमार पंडित को गिरफ्तार किया गया। धर्मेंद्र ने ही राकेश और विनोद को प्रशिक्षण दिया था।

हिरासत में युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास, भर्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। थाने की पुलिस ने रविवार को नोखा थाना क्षेत्र के बलिगांवा गांव से लड़की के अपहरण मामले में एक फरार आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान युवक ने किसी धारदार वस्तु से अपने हाथ की कलाई काटने की कोशिश की और कुछ आपत्तिजनक दवाइयां खा लीं, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया।

थानाध्यक्ष रितेश कुमार सिंह के अनुसार, युवक की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस का कहना है कि खुद को घिरता देख युवक ने आत्मघाती कदम उठाया। सूचना मिलते ही सासाराम के एसडीपीओ एक दिलीप कुमार ने भी ट्रामा सेंटर पहुंचकर घटना का जायजा लिया।

आरोपित नोखा थाना क्षेत्र के मेयारी बाजार निवासी अंकित गुप्ता है। उस पर शिवसागर थाना क्षेत्र के एक गांव में अपनी मौसी के घर आई नाबालिग लड़की को प्रेम-जाल में फंसाकर अपहरण करने का आरोप था। इस मामले में लड़की के स्वजनों ने प्राथमिकी कराई थी।

जानकारी के अनुसार, दोनों दिल्ली में रहते थे और उनके बीच पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था। दोनों ने आपस में चाकूबाजी भी की थी, जिसके निशान उनके हाथों पर मौजूद हैं।विवाद के कारण दो दिन पहले ही दोनों दिल्ली से घर के लिए निकले थे। लड़की अपनी मौसी के गांव गई, लेकिन मौसी के परिवार ने उसे रखने से मना कर दिया।

इस बीच लड़का उसे लगातार परेशान कर रहा था।

रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि युवक बलिगांवा गांव में एक दुकान पर बैठा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया, लेकिन थाने लाने के क्रम में उसने मौका पाकर ब्लेड से अपना हाथ काट लिया और नशीली गोलियां खा लीं।

नहाने के दौरान दो डूबे

हाजीपुर। स्थानीय गंडक नदी के तगौल घाट पर नहाने के दौरान डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। घटना रविवार सुबह करीब 10 बजे की बताई गई है। मृतक किशोर स्थानीय बागमली निवासी अजय राय के 12 वर्षीय पुत्र रवि कुमार और कृष्णापुरी बागमली में रहने वाले मुजफ्फरपुर जिला तुर्की थाने के धरमुहा निवासी राणा सिंह के 11 वर्षीय पुत्र अंश कुमार उर्फ भोला बताया गया है।

प्रभारी सीओ सह अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी उदय कुमार एवं प्रभारी थानाध्यक्ष मोहन कुमार की मौजूदगी में एसडीआरएफ टीम ने सर्च अभियान चलाकर डूबे दोनों किशोरों का शव बरामद कर लिया है। घटना से दोनों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार अंश कुमार अपनी साइकिल से गेहूं पिसाने के लिए घर से निकला था। मिल में गेहूं रखकर वह रवि कुमार के साथ तंगौल घाट पर चला गया। गंडक नदी में नहाने के दौरान दोनों डूब गए। इस दौरान नदी में स्नान कर रही महिलाओं ने शोर मचाया। वहीं, मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने नदी किनारे रखे दोनों किशोरों के चप्पल एवं साइकिल का फोटो खींच कर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

रिटायर्ड हेडमास्टर पुरुषोत्तम पाठक के निधन पर साहित्यिक संगठनों ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के महाराणा प्रताप चौक के समीप अवस्थित जिले के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैठने का स्थान सिद्ध पीठ पर अवकाश प्राप्त हेड मास्टर पुरुषोत्तम पाठक के आकस्मिक निधन पर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन,समकालीन जवाबदेही परिवार,शब्दाक्षर के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों एवं सामाजिक कार्यकताओं द्वारा शोकसभा का आयोजन किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में उपस्थित लोगों ने उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा एवं उनको श्रद्धांजलि देते हुए ईश्वर से प्रार्थना किया कि उनके परिवार को दुख सहने की क्षमता दें।

जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी,शिक्षक नेता रामभजन सिंह, शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेंद्र केसरी, कविवर अनुज बेचैन,प्रो रामविलास सिंहा,अर्जुन सिंह, अशोक सिंह, प्रसिद्ध कवि लवकुश प्रसाद सिंह,अलख देव सिंह, गणितज्ञ डॉ शिवपूजन सिंह, दोमुहान मंदिर सडसा के अध्यक्ष सिहेश सिंह सहित अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पुरुषोत्तम पाठक जी प्रतिदिन सिद्ध पीठ पर सुबह-सुबह टहलने आते थे।

वे उम्र में सबसे बड़े होने के कारण उन्हें सिद्ध पीठ का पीठाधीश्वर बनाया गया था। हंसमुख मिजाज,मिलनसार एवं सामाजिक धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाले पुरुषोत्तम पाठक जी जरूरतमंदों को हमेशा मदद किया करते थे।

संक्षिप्त समाचार

महापौर ने जनता दरबार में सुनी जनसमस्याएं

कटिहार (नबिटासं)। नगर निगम कार्यालय में महापौर ऊषा देवी अग्रवाल ने जनता दरबार का आयोजन किया। महापौर ने नगर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आये सभी 37 फरियादियों की समस्या सुनी। महापौर के द्वारा सभी फरियादियों की समस्या सुन त्वरित कारवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिया गया। जनता दरबार में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, सड़क व नाला निर्माण, बिजली पोल एवं लाइट, रास्ते एवं अतिक्रमण से जुड़े विवाद,नालों की साफ- सफाई,सड़क अतिक्रमण करने वाले पर होगी करवाई एवं अन्य मामलों से संबंधित मामले आये। महापौर के द्वारा पिछले जनता दरबार में आये सभी आवेदनों की समीक्षा भी की गई।

कलाओं का मुख्य उद्देश्य व्यक्तित्व रचना में सुंदर सकारात्मक दिशा देना : कौशिक

कटिहार (नबिटासं)। रंगन आर्ट क्राफ्ट एवं म्यूजिक कॉलेज के तत्वाधान में बरमसिया स्थित स्कॉटिश पब्लिक स्कूल के प्रांगण में वार्षिक मेधा क्रियात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया। प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ बोर्ड द्वारा निर्धारित सत्र 2025-26 वार्षिक क्रियात्मक मेधा परीक्षा में कुल 120 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस संदर्भ में रंगन आर्ट, क्राफ्ट एवं म्यूजिक कॉलेज के संस्थापक सह प्रिंसिपल कौशिक कर ने बताया कि चंडीगढ़ बोर्ड की प्रारंभिक, प्रारंभिक पूर्ण, चित्र व संगीत भूषण प्रथम व द्वितीय खण्ड, चित्र भूषण पूर्ण, चित्र विशारद आदि परीक्षाओं में छात्र- छात्राओं ने फाइन आर्ट, शास्त्रीय संगीत एवं वाद्य यंत्र तबला आदि अलग-अलग विषयों पर मेधा परीक्षाओं में शामिल हुए। इस 3 घंटे की परीक्षा बोर्ड द्वारा प्रतिनियुक्त भागलपुर जिले से आए मुख्य परीक्षा नियंत्रक चंद्रमोहन वरिष्ठ आर्टिस्ट के देखरेख में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने रंगन आर्ट व म्यूजिक कॉलेज की छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को देखकर मंत्रमुग्ध हुए तथा उनके उज्जवल भविष्य कामनाओं से प्रोत्साहित किए। चित्रकला एवं हस्तकला में स्वर्ण पदक प्राप्त कौशिक कर ने बताया कि भारतीय कला व संगीत विश्व की अन्यतम धरोहर में से है, जिसे अक्षुण्ण रखना हमारा परम कर्तव्य है। ललित कलाओं का मुख्य उद्देश्य व्यक्तित्व रचना में सुंदर सकारात्मक दिशा देना निहित है। इसका शिक्षण इसकी पूर्ति करते हुए छात्र-छात्राओं में सामाजिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास संभव है। जबकि वीक्षक के रूप में संगीत शिक्षिका मिठू मजूमदार, एकलव्य कुमार, मिताली, सौगात, सागर कुमार, शुभम कुमारी, तबला शिक्षक पंकज मजूमदार आदि की भूमिका सक्रिय रहा।

बाबू वीर कुंवर सेवा परिषद के अध्यक्ष बने विकास सिंह

कटिहार (नबिटासं)। शहर के वीर कुंवर सिंह इंडोर स्टेडियम के प्रांगण में बाबू वीर कुंवर सिंह सेवा परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बाबू वीर कुंवर सिंह सेवा परिषद के पूर्व संरक्षक पंकज सिंह ने की। बैठक में परिषद की

ओर से नए अध्यक्ष पद के लिए विकास सिंह का नाम प्रस्तावित किया गया। जिसे सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए चुनाव किया गया। साथ ही विकास सिंह को 15 दिन के अंदर नई कमेटी गठन का दायित्व दिया गया। निर्वाचित अध्यक्ष विकास सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि परिषद के द्वारा पूर्व में भी काम किया है आगे भी परिषद के कसौटी पर शत प्रतिशत उतरने का प्रयास करूंगा ' कार्यक्रम में मुख्य रूप से जितेंद्र सिंह, राज किशोर सिंह, विनोद सिंह, अरविंद सिंह अधिवक्ता, अरुण सिंह, विनय सिंह, सत्यम समदर्शी, कुमार गौरव, चंचल सिंह, अजय सिंह, लालमोहन सिंह, मौसम सिंह, सुनील कुमार सिंह, जयप्रकाश सिंह, रवि शंकर सिंह, अजय सिंह, बृज किशोर सिंह, बिक्कू सिंह, अजय सिंह, अनिकेत राजवार, अभिषेक सिंह, जयंत सिंह, सतीश सिंह, विजय सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सरदार परमेश्वरी सिंह सोढ़ी की मूर्ति का किया गया अनावरण

बरारी/कटिहार (नबिटासं)। जमीनदाता भगवती मंदिर महाविद्यालय बरारी में समाज और शिक्षा के क्षेत्र में अमिट योगदान देने वाले सरदार परमेश्वरी सिंह सोढ़ी की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम में उनके द्वारा किए गए अतुलनीय उपकार और महाविद्यालय स्थापना में निभाई गई अहम भूमिका को भावपूर्ण तरीके से याद किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो.प्रभुकान्त झा ने की। जबकि मंच संचालन प्रो. विनोद प्रसाद यादव ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरदार परमेश्वरी सिंह सोढ़ी ने अपनी जमीन दान कर शिक्षा की अलख जगाई, जिसका लाभ आज हजारों छात्र-छात्राएं उठा रहे हैं।

उनका यह योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। वक्ताओं ने विस्तार से बताया कि महाविद्यालय की स्थापना और विकास में जमीनदाता परिवार का योगदान अतुलनीय है। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राचार्यों, शिक्षकों और कर्मचारियों का भी सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर बीएम कॉलेज के वर्तमान अध्यक्ष प्रो. प्रभुकान्त झा,जमीनदाता सोहन कौर,जशवीर कौर, पूर्व प्राचार्य प्रो. कामेश्वर जायसवाल,प्रो. ललन शर्मा, प्रो. विनोद प्रसाद यादव, पूर्व व्याख्याता प्रो. नागेंद्र प्रसाद साह, भगवती मंदिर सचिव पंकज कुमार, वर्तमान प्रभारी प्रो. संजय कुमार, सदस्य रामनारायण तूफान,पूर्व प्रधान सहायक राजकिशोर यादव, पूर्व प्रधान सहायक नरेश कुमार, प्रो. कल्याण मित्रा एवं रात्रि प्रहरी महानंद प्रसाद सिंह को माला पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।मौके पर प्रो. संजीव कुमार, प्रधान सहायक रौशन कुमार, प्रो. तृप्ति आनंद, पुरुषोत्तम कुमार, मुकेश रजक,प्रो. रेणु कुमारी, रवि रौशन, प्रो. मनमोल बिहारी, राम कुमार, शिवम कुमार,मुकेश कुमार यादव, अशोक सिंह,लक्ष्मीपुर गुरुद्वारा के पूर्व प्रधान सनिन्दर सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि सरदार परमेश्वरी सिंह सोढ़ी का यह योगदान न केवल बरारी, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उनकी स्मृति में स्थापित यह प्रतिमा समाज को शिक्षा और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहेगी।

साइकिल टक्कर से शुरू विवाद बना खूनी संघर्ष, किशोर समेत दो की मौत

मामूली बहस ने लिया हिंसक रूप, आक्रोशित भीड़ ने आरोपित को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोइ (कटिहार)। बारसोई प्रखंड के सुधानी थाना क्षेत्र के रहमानपुर गांव में रविवार की देर शाम एक मामूली साइकिल टक्कर ने देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। इस दर्दनाक घटना में पहले किशोर खुशनवाज (15) की मौत हो गयी। जिसके बाद उग्र भीड़ ने आरोपी साजिद उर्फ सुकरूदीन को पकड़कर बेरहमी से पीट - पीटकर मार डाला। जानकारी के अनुसार रहमानपुर निवासी खुशनवाज साइकिल से कब्रिस्तान जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसकी साइकिल साजिद उर्फ सुकरूदीन के बच्चे से टकरा गई। इस मामूली बात पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। जो जल्द ही विवाद में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान साजिद ने खुशनवाज के साथ मारपीट की। जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहोश हो गया।परिजन और स्थानीय लोग आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। जिससे परिजनों और ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश फैल गया। आक्रोशित भीड़ ने आरोपी साजिद उर्फ सुकरूदीन को पकड़ लिया और उसे बिजली के खंभे से बांधकर जमकर पिटाई कर दी। भीड़ की बर्बर पिटाई से साजिद की भी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार एवं सुधानी थाना अध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया। वहीं गांव में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए एहतियातन पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है तथा कानून को हाथ में न लेने की चेतावनी दी है। वही मृतक के परिजन के घर में लोगों का ताता लगा हुआ है।

रहमानपुर पहुंचे पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने घटनास्थल का लिया जायजा

विगत संध्या के समय रहमानपुर में हुई घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी अपने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तथा घटनास्थल का जायजा लेकर पीड़ित परिवार से मिलकर पूछताछ किये । पुलिस अधीक्षक के साथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार एवं इंस्पेक्टर तथा पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने कहा कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में हर बिंदु पर घटना की जांच की जा रही है। जो भी दोषी है। उसे पर उचित करवाई की जाएगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील है किया कि शांति बनाकर रखें तथा विधि व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि फर्द बयान के अनुसार सुधानी थाना में मुकदमा दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की अनुसंधान कर रही है। तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए गए हैं।

मर्डर केस जांच में जुटी फॉरेंसिक टीम

बारसोई प्रखंड के सुधानी थाना क्षेत्र के रहमानपुर गांव में हुई सनसनीखेज डबल मर्डर मामले की जांच अब तेज कर दी गई है। सोमवार को तीन सदस्यीय फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। बीते रविवार की देर शाम एक मामूली साइकिल टक्कर को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया था। आरोप है कि इस विवाद में साजिद उर्फ सुकरूदीन और उसके परिजनों ने 15 वर्षीय किशोर खुशनवाज की पिटाई कर दी। जिससे उसकी मौत हो गई। किशोर की मौत की खबर गांव में फैलते ही आक्रोश भड़क उठा। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने आरोपी साजिद उर्फ सुकरूदीन को पकड़ लिया और उसे बिजली के खंभे से बांधकर बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना में कुछ ही घंटों के भीतर दो लोगों की जान चली गई। जिससे पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल बन गया। सोमवार को पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और खून के नमूने सहित अन्य साक्ष्य एकत्र किए।

घटना को लेकर पूर्व विधायक महबूब आलम पहुंचे रहमानपुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। सोमवार को पूर्व विधायक महबूब आलम सुधानी घटना को लेकर रहमानपुर पहुंचे। पीड़ित परिवार से मिल हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस संबंध में पूर्व विधायक महबूब आलम ने कहा कि यह घटना हृदय को हिला देने वाली घटना है। इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक कटिहार से दूरभाष पर बात की गई है कि मामले की जांच निष्पक्ष किया जाए तथा निर्दोष का नाम मुकदमा में दर्ज नहीं किया जाए। तथा उपस्थित लोगों को संयम बनाकर रखने की अपील की गई है।

दोनों पक्षों के अलग-अलग दावे से गांव में तनाव

बारसोई प्रखंड अंतर्गत सुधानी थाना क्षेत्र के रहमानपुर गांव में हुए डबल मर्डर मामले में दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस लगातार कैंप कर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मृतक खुशनवाज के दादा मोहम्मद करियादार ने आरोप लगाया कि उनका पोता पूरी तरह निर्दोष था। उन्होंने कहा कि साजिद उर्फ सुकरूदीन और उसके परिजनों ने बेवजह खुशनवाज का गला दबाकर और बेरहमी से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से साजिद उर्फ सुकरूदीन के पिता और मृतक की पत्नी ने इसे साजिश करार दिया। उनका कहना है कि साजिद ने केवल एक थप्पड़ मारा था। जिससे खुशनवाज बेहोश होकर गिर पड़ा और अस्पताल पहुंचने पर उसकी मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित भीड़ ने साजिद को उठा लिया और बिजली के पोल से बांधकर पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद से ही सुधानी थाना पुलिस गांव में कैंप कर रही है और दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दामाद ने ससुर पर किया हमला, गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बलिया बेलौन थाना क्षेत्र के लीलजी गोविन्दपुर गांव में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।दामाद ने अपने ही ससुर पर जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घायल ससुर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल की देर रात किसी घरेलू विवाद को लेकर दामाद और ससुर के बीच कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दामाद ने ससुर पर हमला कर दिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये।परिजनों और ग्रामीणों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज कराया गया। घटना के बाद पीड़ित ने बलिया बेलौन थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की मांग की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कांड संख्या 59/26, दिनांक 24 अप्रैल 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। नामजद आरोपी कौसर (28) ग्राम लीलजी गोविन्दपुर को पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया।थानाध्यक्ष शाहिद हुसैन ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने लोगों से आपसी विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की अपील की है।

जिलाधिकारी ने राशन कार्ड में नाम जोड़ने के आवेदन का ऑन-द-स्पॉट किया निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । सात निश्चय 3.0 के अंतर्गत सबका सम्मान जीवन आसान कार्यक्रम के तहत समाहरणालय, अररिया स्थित परमान सभागार में डीएम विनोद दूहन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 24 मामलों की सुनवाई की गई तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के निर्देश दिए गए। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।

इस क्रम में रुकमनी देवी द्वारा अपने परिवार के सदस्य का नाम राशन कार्ड में जोड़ने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसका ऑन-द-स्पॉट त्वरित निष्पादन कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, नीरज कुमार ने डीईओ पद पर कार्यरत रहते हुए बेल्ट्रॉन द्वारा भुगतान नहीं किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं अनिल शाह ने जमीन रजिस्ट्री पर लगी रोक हटाने, हृदेश्वर प्रसाद ठाकुर ने खतियानी जमीन पर जबरन घर निर्माण तथा कृष्ण चंद्र शाह ने जेबीसी नहर के एक बिंदु से संबंधित राजस्व डाक में गड़बड़ी की शिकायत की गई। ललित नारायण झा ने बिहार सरकार की जमीन पर अवैध निर्माण की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। मिथिलेश ऋषि देव ने नल-जल योजना के अंतर्गत कार्यरत ऑपरेटर के मासिक भुगतान नहीं होने की समस्या रखी। वहीं चंदन कुमार शाह ने सीमा सड़क पथ जोगबनी से कलियागंज कुंआड़ी में अर्जित भूमि के मुआवजा भुगतान से संबंधित मामला दर्ज कराया गया। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्कार्पियो ने मोटरसाइकिल चालक को कुचला, दो घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। पूर्णिया - नारायणपुर फोर लेन सड़क में वाहन चालक इतनी तेज गति से वाहन चलाते हैं कि अगर कोई भी व्यक्ति सामने आ जाए तो उनका बचना मुश्किल हैं। प्रत्येक दिन वाहन चालक रोंग साईड में वाहन को लेकर आना-जाना करते हैं। जिस कारण प्रत्येक दिन पूर्णिया से नारायणपुर फोर लेन सड़क में कहीं ना कहीं सड़क दुर्घटना होते रहती हैं। सोमवार की दोपहर को एक स्कॉर्पियो जो पूर्णिया से मनिहारी की ओर तेज गति से मरंगी चांदनी चौक के सामने मध्य विद्यालय मरंगी के पास एक मोटरसाइकिल बीआर 39 ए एक्स 1448 जो मनिहारी की ओर जा रहे थे स्कॉर्पियो उक्त मोटरसाइकिल को कुचल डाला ओर मोटरसाइकिल चालक सड़क किनारे से जा रहे एक व्यक्ति को भी कुचल डाला। इसमें दोनों व्यक्ति काफी चोटिल हैं। जिसे ग्रामीणों के सहयोग से सदर अस्पताल कटिहार में भर्ती कराया गया हैं। जहां उनका इलाज चल रहा हैं। इस बाबत स्थानिक ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर के डेढ़ बजे के आसपास एक स्कॉर्पियो तेज गति से मनिहारी की ओर जा रहे थे। आगे में एक पल्सर मोटरसाइकिल बीआर 39 ए एक्स 1448 जिस पर भमरेली निवासी मोहम्मद मुदस्सिर पिता मोहम्मद इस्लाम भी मनिहारी की ओर जा रहे थे। उसे कुचल डाला और सड़क किनारे से जा रहे मरंगी ग्राम निवासी संतोष साह पिता हीरालाल साह को भी ठोक डाला और स्कार्पियो चालक तेज गति से मनिहारी की ओर भाग गया। इस घटना पर मोहम्मद मुदस्सिर एवं संतोष साह बुरी तरीके से घायल हो गया जिसे स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से सदर अस्पताल कटिहार भेजा गया। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही मनसाही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी हैं। मालूम हो कि जब से फोरलेन सड़क का निर्माण हुआ हैं तब से ही आम लोग विभिन्न तरह की गाड़ियां को लेकर काफी तेज गति से रॉन्ग साइड से आना-जाना करते हैं और घटना होते रहती हैं।

अति प्राचीन नील सरस्वती मंदिर का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। बारसोई प्रखंड के बेलवा पंचायत स्थित अति प्राचीन नील सरस्वती मंदिर का पर्यटन विभाग की टीम ने बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर की संरचना, ऐतिहासिक महत्व एवं विकास की संभावनाओं का आकलन किया गया। इस दौरान पर्यटन विभाग के कार्यपालक अभियंता विकास कुमार, सहायक अभियंता विशाल कुमार एवं आर्किटेक्ट इंजीनियर माधव भारद्वाज ने मंदिर के विभिन्न हिस्सों का जायजा लिया। अधिकारियों ने मंदिर के संरक्षण एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर आवश्यक पहलुओं पर चर्चा की। निरीक्षण के मौके पर भाजपा नेता पिंटू यादव, मंडल अध्यक्ष दीपक साह, राजीब चक्रवर्ती सहित मंदिर न्यास समिति के सदस्य प्रेम राय, भास्कर साहा, रंजन साहा, प्रणब चक्रवर्ती, पप्पू दास, गौरव राय एवं दयाल साहा उपस्थित रहे। इस संबंध में पिंटू यादव ने कहा कि बहुत जल्द मंदिर एवं परिसर का कायाकल्प होगा तथा मंदिर का उत्थान के लिए पर्यटन विभाग के पदाधिकारी ने भी विस्तृत रूप से जानकारी ली और स्थल का निरीक्षण किया विभागीय पदाधिकारी ने कहा कि बहुत जल्द मंदिर को विकसित बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि मंदिर के विकास से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी।

रविवार की रात्रि वर्षा होने से सूख रही फसल को मिली राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र में रविवार की रात को अचानक मौसम बदला और तेज हवा के साथ बिजली चमकने के बाद झमाझम वर्षा हुई जिससे सूख रही फसल को राहत मिलने की संभावना हैं। मिली जानकारी के अनुसार इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही हैं। मकई, केला, परवल, भिंडी, करेला, मिर्च, मखाना, गर्मा धान आदि की फसल भीषण गर्मी की चपेट में हैं।वर्षा नहीं होने से किसान किसी तरीके से पानी पटवन कर फसल को बचाने में लगे हैं। इसी दौरान रविवार की रात्रि अचानक मौसम बदलते ही काफी आंधी तूफान एवं बिजली चमकने के बाद झमाझम वर्षा हुई। इससे किसानों को पानी पटाने से निजात मिली।

मदरसा जाने वाले बच्चों को मानव तस्करी बताने पर बवाल, अभिभावकों व संगठनों ने उठाए सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । जिले के 144 सहित सीमांचल के अन्य जिलों के कुल 163 बच्चों को महाराष्ट्र के कटनी में पुलिस द्वारा कथित तौर पर तस्करी के उद्देश्य से ले जाए जाने के आरोप में दर्ज एफआईआर और बच्चों की मुक्ति में आई कठिनाइयों को लेकर अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने कड़ा रोष जताया है। सोमवार को शहर के एडीबी चौक स्थित एक होटल में जन जागरण शक्ति संगठन के बैनर तले प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।इसमें मदरसा शिक्षा के लिए जा रहे बच्चों की प्रशासनिक रोकथाम, बाल संरक्षण प्रक्रियाओं और कानूनी पहलुओं पर गंभीर सवाल उठाए गए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन के आशीष रंजन, अधिवक्ता नवाज हसन और रमीज रेजा ने प्रशासन, बाल कल्याण समिति और जीआरपी द्वारा दर्ज एफआईआर को लेकर आपत्ति जताई। इस दौरान बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे, जिनमें नरपतगंज के फरही वार्ड 5 की अंजुमन, बैरगाछी के मो. आसिफ, बगडाहरा के जलाल और पूर्व मुखिया मो. इम्तियाज आलम शामिल थे। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को निशाना बनाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि अन्य जगहों जैसे कोटा या देहरादून पढ़ने जाने वाले बच्चों को नहीं रोका जाता, लेकिन गरीब मजदूर परिवारों के बच्चे जब मुफ्त शिक्षा के लिए मदरसा जाते हैं, तो उन्हें टारगेट किया जाता है। परिजनों ने यह भी बताया कि कटनी में बच्चों को हिरासत में लेकर बाल कल्याण समिति को सौंपे जाने के बाद उनसे मिलने में भी काफी कठिनाई हुई।उन्होंने स्थानीय शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बेहतर सुविधा और निःशुल्क व्यवस्था के कारण बच्चों को बाहर भेजना मजबूरी है। पूर्व मुखिया मो. इम्तियाज आलम ने कहा कि बच्चों को बाहर भेजने के लिए स्थानीय स्तर पर लिखित अनुमति दिए जाने के बावजूद ऐसी कार्रवाई की गई। उन्होंने इसे धर्म विशेष के आधार पर की गई कार्रवाई बताया और सवाल उठाया कि क्या मुसलमान होना गुनाह है? इमारत-ए-शरिया अररिया शाखा के काजी अतिकुल्लाह रहमानी ने कहा कि जिले के मदरसों में पढ़ाई होती है, लेकिन हॉस्टल सुविधा सीमित होने के कारण बच्चों को बाहर भेजा जाता है उन्होंने भी समुदाय विशेष को निशाना बनाने का आरोप लगाया। अधिवक्ता नवाज हासन ने कहा कि मानव तस्करी के वास्तविक मामलों में प्रशासन अक्सर विफल रहता है, लेकिन इस मामले में मदरसा जाने वाले बच्चों को गलत तरीके से तस्करी से जोड़कर एफआईआर दर्ज की गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संगठन ने मांग की कि हाल के सामूहिक बाल रेस्क्यू मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय हो, बच्चों को मुआवजा दिया जाए, व्यक्तिगत सत्यापन के लिए स्पष्ट एसओपी जारी हो तथा जिन मामलों में शोषण या जबरदस्ती सिद्ध नहीं हो, वहां बच्चों का शीघ्र पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए,साथ ही सभी शैक्षणिक संस्थानों पर समान और निष्पक्ष मानक लागू करने की मांग भी की गई।

निबंधन विभाग ने रचा नया कीर्तिमान, लक्ष्य के विरुद्ध 101 प्रतिशत राजस्व संग्रह

आठ हजार करोड़ का था लक्ष्य, वर्ष 2026-27 के लिए 10 हजार करोड़ का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने दस्तावेज निबंधन के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने 8 हजार 403 करोड़ 46 लाख रुपये का राजस्व संग्रहित किया है, जो निर्धारित लक्ष्य 8 हजार 250 करोड़ रुपये के विरुद्ध 101.86 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी राजस्व संग्रह लक्ष्य निर्धारित किया है। विभागीय मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सोमवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के 'संवाद' सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी।

मार्च में दस्तावेज निबंधन का बना रिकॉर्ड, एक दिन में 15 हजार दस्तावेज निबंधित

मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिन यानी 31 मार्च को एक दिन में कुल 14 हजार 905 दस्तावेजों का निबंधन किया गया, जिससे 107 करोड़ 74 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके साथ ही 25 मार्च को 80 करोड़ 38 लाख रुपये, 28 मार्च को 85 करोड़ 6 लाख रुपये, 29 मार्च को 83 करोड़ 91 लाख रुपये तथा 30 मार्च को 94 करोड़ 20 लाख रुपये का राजस्व संग्रहित कर शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 1995 से 2026 तक के कुल 2 करोड़ 34 लाख दस्तावेज अब तक डिजिटल किए जा चुके हैं। वहीं 1908 से 1994 तक के लगभग 5 करोड़ दस्तावेजों को चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक डिजिटलीकरण पूरा करने का लक्ष्य है। साथ ही विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत पिछले वित्तीय वर्ष में 10 हजार 259 विवाहों का निबंधन किया गया और 2 हजार 648 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया। इसके अलावा 289 संस्थाओं और 306 फर्मों का निबंधन भी किया गया।

जमीन संबंधी काम के लिए नया ऐप

मंत्री ने बताया कि अब तक 7 लाख 86 हजार 37 दस्तावेज महिलाओं के नाम पर निबंधित हुए हैं, जिसमें कुल 60 लाख 89 हजार 589 एकड़ भूमि का अंतरण शामिल है। जमीन संबंधी काम में मानवीय हस्तक्षेप को कम करने के लिए विभाग एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित कर रहा है। इसके माध्यम से पारदर्शी तरीके से लोंगिट्यूड (देशांतर) और लैटिट्यूड कैप्चर करके ई-फाइलिंग की जाएगी। साथ ही भूमि की श्रेणी के सत्यापन के लिए जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

शराबबंदी के 10 साल में 11 लाख से अधिक मामले दर्ज

विभाग के सचिव अजय यादव ने शराबबंदी पर की जा रही कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2016 से मार्च 2026 तक शराबबंदी से संबंधित कुल 11 लाख 37 हजार 731 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें विभाग द्वारा 5 लाख 60 हजार 639 और पुलिस द्वारा 5 लाख 77 हजार 92 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान कुल 17 लाख 18 हजार 58 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में 2 करोड़ 42 लाख 73 हजार 895 बल्क लीटर देशी शराब और 2 करोड़ 40 लाख 46 हजार 354 बल्क लीटर विदेशी शराब बरामद की गई।

चेक पोस्टों पर 13 हजार से अधिक वाहन जब्त

सचिव ने कहा कि ड्रोन के माध्यम से 1 जनवरी 2022 से मार्च 2026 तक कुल 1 लाख 64 हजार 474 छापेमारियां की गईं हैं। इनमें 8 हजार 834 मामले दर्ज हुए और 5 हजार 90 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 51 लाख 74 हजार 548 लीटर शराब और 366 वाहन पकड़े गए और 3,926.88 लाख किलोग्राम जावा नष्ट किया गया। उन्होंने आगे बताया कि जलमार्ग और दियारा क्षेत्रों में फरवरी 2022 से मार्च 2026 तक कुल 80 हजार 353 छापेमारियां की गईं, जिसमें 2 हजार 524 मामले दर्ज हुए, 1 हजार 364 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 16 लाख 43 हजार 314 लीटर शराब जब्त की गई। साथ ही 1,256.15 लाख किलोग्राम महुआ को नष्ट किया गया। 1 जनवरी 2023 से मार्च 2026 तक 84 चेक पोस्टों (67 अंतर्राज्यीय) पर कुल 1 लाख 78 हजार 68 मामले दर्ज हुए और 2 लाख 92 हजार 39 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

बरामदगी का 98 फीसदी शराब हो चुकी जब्त

श्री यादव ने जानकारी दी कि मार्च 2026 तक कुल जब्त शराब का लगभग 98 प्रतिशत नष्ट किया जा चुका है। 1 अप्रैल 2016 से मार्च 2026 तक कुल 1 लाख 67 हजार 447 वाहनों को जब्त किया गया, जिनमें से 80 हजार 207 वाहनों की नीलामी हो चुकी है और 25 हजार 232 वाहनों को पेनाल्टी लेकर मुक्त किया गया है।

बिहार में फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा, स्थानीय व्यवसायियों के लिए बड़ा मौका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग और बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड ने बिहार में फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा देने और स्थानीय व्यवसायियों के लिए एक खास ऑनलाइन पोर्टल लांच किया है। इस खास पहल से राज्य के कलाकारों, तकनीशियनों और विभिन्न सेवा प्रदाताओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुल गए हैं। इस पोर्टल के माध्यम से स्थानीय कलाकार (एक्टर, डांसर, सिंगर आदि) के साथ-साथ फिल्म निर्माण से जुड़े तकनीकी और व्यावसायिक लोग भी अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इसमें कैमरा, लाइट, साउंड, ड्रोन, एडिटिंग, वीएफएक्स जैसी तकनीकी सेवाएं, आर्ट डायरेक्शन, सेट डिजाइन, कॉस्ट्यूम और मेकअप जैसी क्रिएटिव सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा होटल, ट्रांसपोर्ट, शूटिंग लोकेशन, कैटरिंग जैसी लॉजिस्टिक सेवाएं देने वाले व्यवसायी भी इस प्लेटफॉर्म से जुड़ सकते हैं। मीडिया और प्रमोशन से जुड़े लोग जैसे डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, फोटोग्राफी के पेशेवरों के साथ-साथ सिक्योरिटी, इवेंट मैनेजमेंट और लोकल कोऑर्डिनेशन से जुड़े लोग भी इसमें आवेदन कर सकते हैं। इस पोर्टल का सबसे बड़ा फायदा यह है कि बिहार में होने वाली फिल्मों की शूटिंग के दौरान स्थानीय लोगों को सीधे फिल्म प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, बल्कि स्थानीय व्यवसायों को भी नए क्लाइंट मिलेंगे और आय के स्रोत बढ़ेंगे।

मुफ्त पंजीकरण की सुविधा

इच्छुक लोग film.bihar.gov.in वेबसाइट पर जाकर आसानी से अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है।

कोलकाता मशीन टूल्स शो 8 से 11 मई तक, मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को मिलेगी नई दिशा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 8 से 11 मई तक बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण, कोलकाता में आयोजित होने जा रहा कोलकाता मशीन टूल्स शो 2026 पूर्वी भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई गति देने वाला महत्वपूर्ण मंच बनेगा। इस प्रदर्शनी में आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसका आयोजन के. एन्ड डी. कम्युनिकेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिसमें देशभर के मैन्युफैक्चरर्स, टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स भाग लेंगे। इस शो में मशीन टूल्स, प्रिसीजन टूल्स, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, वेल्डिंग, हाइड्रोलिक्स, इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, सीएडी-सीएएम सॉफ्टवेयर सहित कई आधुनिक इंजीनियरिंग सॉल्यूशन्स प्रदर्शित किए जाएंगे। यह आयोजन ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टील, माइनिंग, पावर, रेलवे, डिफेंस और टेक्सटाइल जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा और एमएसएमई व उद्योगों को नए व्यापारिक अवसर प्रदान करेगा। केएमटीएस 2026 उद्योग, तकनीक और निवेश को जोड़ते हुए क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा।

तेजस्वी का बयान झूठ का पुलिंदा, हताशा में बौखलाए : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने तेजस्वी यादव के बयान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह बयान पूरी तरह से झूठ, भ्रम और राजनीतिक बौखलाहट का नतीजा है। जनता द्वारा लगातार नकारे जाने के बाद अब तेजस्वी यादव अनर्गल आरोप लगाकर सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का राजनीतिक करियर ही परिवारवाद, भ्रष्टाचार और जंगलराज की विरासत पर टिका हो, वह आज महिलाओं के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रहा है। यह बिहार की मातृशक्ति का अपमान है। श्री सरावगी ने दो टूक कहा कि चुनाव के दौरान पैसे बांटने, डराने-धमकाने और कैमरे से निगरानी जैसे आरोप पूरी तरह काल्पनिक और हास्यास्पद हैं। तेजस्वी यादव को बताना चाहिए कि उनके पास इन आरोपों का एक भी ठोस प्रमाण है या नहीं। केवल झूठ बोलकर जनता को गुमराह करना उनकी पुरानी आदत रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद का पूरा राजनीतिक मॉडल ही झूठ, भय और भ्रम पर आधारित रहा है। जब-जब बिहार में राजद को मौका मिला, तब-तब प्रदेश को अराजकता, अपराध और भ्रष्टाचार की आग में झोंका गया। श्री सरावगी ने कहा कि एनडीए सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण को नई ऊंचाई दी, हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव लाए, जीविका दीदियों को आर्थिक मजबूती, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, हर घर नल-जल जैसी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया है। यही वजह है कि बिहार की महिलाएं आज एनडीए के साथ मजबूती से खड़ी हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव को चुनौती देते हुए कहा कि वे बिहार की जनता को गुमराह करने की बजाय अपने 15 वर्षों के कुशासन का हिसाब दें। श्री सरावगी ने कहा कि तेजस्वी यादव का यह बयान उनकी राजनीतिक जमीन खिसकने का साफ प्रभव है। एनडीए सरकार विकास और सुशासन के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ती रहेगी। श्री संजय सरावगी ने कोलकाता में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर दिए गए तेजस्वी यादव के बयान पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव सस्ती लोकप्रियता के लिए देश के शीर्ष नेताओं पर अनर्गल और स्तरहीन टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को पहले अपनी राजनीतिक मर्यादा और भाषा पर नियंत्रण सीखना चाहिए।

एनडीए ने महिलाओं को सम्मान और अधिकार दिया जबकि विपक्ष ने दिया केवल विश्वासघात और धोखा : श्रेयसी सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की पूर्व मंत्री श्रेयसी सिंह ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 'एनडीए द्वारा महिलाओं के साथ विश्वासघात' वाले बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि एनडीए सरकार ने महिलाओं के साथ कोई विश्वासघात नहीं किया, बल्कि उन्हें सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानित बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने तेजस्वी यादव को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि वे एनडीए सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय अपने शासनकाल में महिलाओं के लिए किए गए एक भी ठोस कार्य को गिनाकर दिखाएं। सच्चाई यह है कि राजद के शासनकाल में महिलाएं भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर थीं। श्रेयसी सिंह ने कहा कि आज बिहार में महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत हिस्सा भी बन चुकी हैं। यह बदलाव एनडीए सरकार की नीतियों और संकल्प का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, पंचायती राज और नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण, लखपति दीदी योजना, जीविका समूहों का सशक्तिकरण तथा पुलिस बल में 35 प्रतिशत आरक्षण जैसी ऐतिहासिक पहल ने महिलाओं को नई पहचान और सम्मान दिया है। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस दौर में महिलाएं घर से निकलने में भी असहज महसूस करती थीं, आज वही महिलाएं बिहार पुलिस और अन्य क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं। बिहार में महिला पुलिस बल की भागीदारी देश के लिए एक मिसाल बन चुकी है।

श्रेयसी सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह उल-जुलूल बयान देकर मीडिया में बने रहने की कोशिश कर रहा है। अगर तेजस्वी यादव को सरकारी योजनाओं की समझ नहीं है, तो उन्हें अपने वरिष्ठ नेताओं से जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीए सरकार चुनाव के दौरान किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और महिलाओं के रोजगार, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए योजनाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

सड़क निर्माण में लापरवाही पर बड़ा एक्शन, संवेदक तीन साल के लिए ब्लैकलिस्टेड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण कार्य विभाग लगातार विकास कार्यों में लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले संवेदकों पर नकेल कसते हुए दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कर रहा है। इस दिशा में विभाग द्वारा सीतामढ़ी कार्य प्रमंडल के अंतर्गत ग्रामीण सड़क निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने वाले एक संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त संवेदक को मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के अंतर्गत जिले में तीन ग्रामीण पथों का निर्माण करना था। एकरारनामा के अनुसार उन कार्यों को 30 जुलाई 2025 तक पूर्ण किया जाना था। किंतु निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। विभाग द्वारा बार-बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संवेदक द्वारा कार्य में न तो कोई सक्रियता दिखाई गई और न ही कोई पहल की गई। वहीं विभागीय समीक्षा एवं स्थलीय निरीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि एक पथ पर कार्य प्रारंभ ही नहीं किया गया, जबकि शेष दो पथों का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। साथ ही, निर्माण स्थल पर आवश्यक सामग्री एवं संसाधनों की अनुपस्थिति भी पाई गई, जो संवेदक की उदासीनता को दर्शाता है। संवेदक की इस लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए विभाग ने बिहार ठीकेदारी निबंधन नियमावली 2007 के सुसंगत प्रावधानों के तहत संवेदक को तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी निर्माण कार्य में विलंब या लापरवाही को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लुप्त होती लोक कलाओं के पुनर्जीवन की पहल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की लोक परंपराओं और दुर्लभ कलाओं को संरक्षित करने के लिए कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य अनुभवी गुरुओं के मार्गदर्शन में नई पीढ़ी को पारंपरिक कला रूपों का प्रशिक्षण देकर उन्हें पुनर्जीवित करना है। इस पहल के तहत अब तक कुल 258 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। योजना के अंतर्गत लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोकनाट्य, शास्त्रीय संगीत और चित्रकला जैसी विविध विधाओं को शामिल किया गया है। योजना में गौरैयाबाबा, भरथरी बाबा, सती बिहुला और हिरनी-बीरनी जैसी लोकगाथाओं के साथ बिरहा, चकुली, कीर्तनियां जैसे लोकनाट्य को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं पाईका, झिझिया, कठघोड़वा जैसे लोकनृत्य और चैता, सुमंगली व संस्कार गीत जैसे लोकसंगीत भी प्रशिक्षण का हिस्सा हैं। इसके अलावा सारंगी, ईसराज, नगाड़ा जैसे वाद्य यंत्रों तथा ध्रुपद, ठुमरी, दादरा, सितार और पखावज जैसी शास्त्रीय विधाओं को भी शामिल किया गया है। चित्रकला के क्षेत्र में पटना कलम, टेराकोटा और भोजपुरी छापा कला को संरक्षित करने पर विशेष जोर है। योजना के तहत दो वर्षों का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसके समापन पर गुरु और शिष्य की संयुक्त प्रस्तुति के साथ दीक्षांत समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया जाता है। वित्तीय सहायता के रूप में गुरुओं को 15000 रुपये, संगतकारों को 7500 रुपए और शिष्यों को 3000 रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। शिष्यों के लिए हर महीने कम से कम 12 दिन की उपस्थिति अनिवार्य रखी गई है। पात्रता के अनुसार, गुरुओं की आयु 50 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए तथा संबंधित कला में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव आवश्यक है। गुरुओं का चयन विभाग की विशेषज्ञ समिति द्वारा तथा शिष्यों का चयन जिला स्तर पर किया जाता है।

मांझी जी के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करना दुर्भाग्यपूर्ण : हम (से.)

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि मीडिया के कुछ साथियों द्वारा हाल के दिनों में जीतन राम मांझी जी के बयान को जिस तरह से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है, वह न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांझी जी ने अपने वक्तव्य में कहीं भी संतोष कुमार सुमन जी को 'सौतेला बेटा' नहीं कहा। उन्होंने 'सौतेली माँ' का संदर्भ देते हुए बताया था कि संतोष कुमार सुमन जी की माता का निधन तब हो गया था जब वे मात्र 9 महीने के थे। इसके बावजूद मांझी जी ने उनका बेहतर लालन-पालन किया, उन्हें शिक्षित किया और आज उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाने तक की बात कही। श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि मांझी जी का पूरा संदेश समाज को यह प्रेरणा देने वाला था कि विपरीत परिस्थितियों में भी बच्चों को बेहतर परवरिश और शिक्षा देकर उन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोग इस संवेदनशील और प्रेरणादायक प्रसंग को गलत तरीके से पेश कर भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

बी.डी. कॉलेज में 'भारतीय राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक नींव' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना के इतिहास विभाग एवं बापू टावर के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक नींवः गांधी और उनके समकालीन विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. भुवन झा, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के पीजी हेड डॉ. अरविंद कुमार, बापू टावर के निदेशक विनय कुमार तथा कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रो. रत्ना अमृत उपस्थित रहीं। मुख्य वक्ता डॉ. भुवन झा ने कहा कि इतिहास लेखन की सबसे बड़ी चुनौती राष्ट्रवाद की जटिलताओं को सही दृष्टि से समझना है। भारतीय इतिहासकारों ने राष्ट्रवाद को केवल राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि संस्कृति, चेतना और आध्यात्मिकता से जोड़कर देखा। उन्होंने कहा कि श्री अरविंदो, बाल गंगाधर तिलक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जैसे चिंतकों ने राष्ट्रवाद को आत्मा और संस्कृति की शक्ति के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि श्री अरविंदो ने बंकिम चंद्र को 'नवभारत का पैगंबर' माना, जबकि 'वंदे मातरम' ने देशवासियों में आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई। स्वामी विवेकानंद ने आध्यात्मिक चेतना को कर्मयोग में बदलकर उसे राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाया। डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि धर्म और अध्यात्म दो अलग-अलग धाराएं हैं, लेकिन भारत ने इन्हें राष्ट्रवाद की धारा में समाहित किया। उन्होंने कहा कि जहाँ पाश्चात्य देशों ने भौतिकवाद को प्राथमिकता दी, वहीं भारत ने राष्ट्रवाद को आध्यात्मिकता से जोड़ा। बापू टावर के निदेशक विनय कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन मोहन से महात्मा बनने की प्रेरक गाथा है। उन्होंने कहा कि गांधी सत्ता के विरोधी नहीं, बल्कि व्यवस्था को सुधारने वाले महान चिंतक थे। बापू टावर गांधीजी के योगदान का जीवंत स्मारक है, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

प्रधानाचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद केवल राजनीति की उपज नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और अध्यात्म की गहन साधना से निर्मित है। उन्होंने मुख्य वक्ता को पुनौरा धाम का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. दिव्या कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीता कुमारी यादव ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में यह स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि भारतीय राष्ट्रवाद की नींव केवल राजनीतिक विचारों पर नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और अध्यात्म की गहन चेतना पर आधारित है।

पटना के डीएम बने बाबा भीखम दास ठाकुरबाड़ी के न्यासी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद ने राजधानी के बाबा भीखम दास ठाकुरबाड़ी के लिए पटना के डीएम के नेतृत्व में न्यस समिति को मान्यता दी है। इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना में पटना के डीएम को ठाकुरबारी से संबंधित खाता संचालन के लिए नामित किया गया है। साथ ही पटना हाई कोर्ट के आदेश के अनुरूप न्यास समिति के गठन के लिए नामों के चयन कर पटना के डीएम यथाशीघ्र बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को उपलब्ध कराएं। साथ ही बाबा भीखम दास ठाकुरबाड़ी से संबंधित सभी चल-अचल संपत्तियों का पूर्ण विवरण भी पर्षद को अतिशीघ्र उपलब्ध कराएं। न्यास बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि चूकि उपरोक्त न्यास के लिए कोई भी न्यास समिति कार्यरत नहीं है। अतः ठाकुरबाड़ी में पूजा पाठ, राग भोग एवं परिसंपत्तियों की सुरक्षा एवं सुव्यवस्था के लिए न्यास समिति का गठन जरूरी है। बतातें चलें कि उक्त न्यास की सुव्यवस्था एवं संचालन हेतु एक प्यास समिति का गठन किया गया, जो वर्तमान में निष्क्रिय है। पर्षद द्वारा मान्यता प्राप्त पुर्व न्यासधारी स्व राम राजेश्वर दास के द्वारा इस न्यास के लिए गैर विवादित महंत नियुक्त नहीं है। तथाकथित महंत जय नारायण दास एवं विमल दास, जो पर्षद से मान्यता प्राप्त नहीं है, उनके द्वारा इस न्यास की सभी सम्पत्ति से आय एवं किराया आदि की वसुली अवैध रूप से की जा रही है। किंतु उनके द्वारा उक्त मंदिर की दुकान एवं संपत्ति से प्राप्त आय का वर्षवार विवरण अधिनियम की धारा 59, 60 एवं 70 के अन्तर्गत पर्षद में कभी भी समर्पित नहीं की गयी। इस संबंध में इन्हें पत्र दिया गया किंतु जयनारायण दास एवं विमल दास द्वारा पर्षद के पत्र के अनुपालन में कोई कार्रवाई नहीं की गयी साथ ही पर्षद को यह भी आरोप प्राप्त हुआ कि जय नारायण दास एवं विमल दास द्वारा 16 व्यक्तियों के हाथों इस न्यास की 15 भूखंडों का अवैध रूप से विक्रय किया गया।

कुख्यात अपराधी पुट्टू मिश्रा की गोली मारकर हत्या

बेतिया। पश्चिमी चंपारण जिले केबगहा पुलिस जिलानतर्गत रामनगर थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम अज्ञात अपराधियों ने कुख्यात अपराधी संजीव कुमार मिश्र उर्फ पुट्टू मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना सोहसा पंचायत अंतर्गत फुलकौल गांव के चौक के समीप हुई। बताया जाता है कि बाइक सवार तीन अपराधियों ने पुट्टू मिश्रा पर ताबड़तोड़ फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। घटना के दौरान करीब दो राउंड गोली चलने की सूचना है। गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों ने घायल पुट्टू मिश्रा को तत्काल स्कॉर्पियो वाहन से रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रानीतालाब में तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिक्रम। रानीतालाब थाना क्षेत्र के पतूत गांव में तीन गांजा तस्करों को पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पतुत गांव के उपेन्द्र कुमार, लक्ष्मण राम और सुनील कुमार के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में गांजे की तस्करी और गुमटी में बिक्री की जा रही है। इस आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने छापेमारी कर तीनों को धर दबोचा। थानाध्यक्ष प्रशिक्षुक डीएसपी विनय रंजन ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है ताकि इस गिरोह के अन्य नेटवर्क का पता लगाया जा सके। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से राहत की सांस ली है और पुलिस द्वारा किये गए कार्य को सराहा है।

संपादकीय

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं।

हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले-भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ा है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है।

विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों

को मानवता के लिए मुक्त रखा। सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की पहल

सुधीर कुमार

बदलते दौर ने दवाओं की उपलब्धता को 'जरूरत' से 'सुविधा' में बदल दिया है। सामाजिक भरोसा अब स्मार्टफोन की एक 'क्लिक' में सिमट गया है। डिजिटल इंडिया की इस सुनहरी तस्वीर में दवाएं महज आधे घंटे में आपके दरवाजे पर पहुंच रही हैं। लेकिन कानून की कसौटी पर सवाल यह है कि क्या दवाओं की होम-डिलीवरी को पिज्जा ऑर्डर करने जितना ही सरल मान लेना चाहिए? 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' की जटिल कड़ियां और 'शेड्यूल-एच' दवाओं के जोखिम संकेत देते हैं कि ई-फार्मेसी की यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, कानूनी और चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से उतनी ही पथरीली है।

ई-फार्मेसी कंपनियों का तर्क है कि वे तकनीक के जरिए दवाओं की उपलब्धता आसान बना रही हैं। वहीं, केमिस्ट का कहना है कि यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। असली संकट तब शुरू होता है जब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी वैध पर्चे के या पुराने, धुंधले पर्चों के आधार पर दवाएं बेची जाने लगती हैं। एक आम आदमी के लिए यह केवल 'सुविधा' है, लेकिन कानून की किताब में यह 'अपराध' की श्रेणी में आता है। जब आप बिना डॉक्टर की सलाह के खुद अपना डॉक्टर बनकर दवाएं मंगवाते हैं, तो आप अनजाने में एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस रहे होते हैं, जहां से निकलना मुश्किल है।

भारत में औषधियों का व्यापार 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के अधीन है। चूंकि यह कानून इंटरनेट युग से पूर्व का है, इसलिए ई-फार्मेसी फिलहाल एक 'ग्रे एरिया' में सक्रिय हैं। कानून की स्पष्ट मर्यादा है कि 'शेड्यूल एच' और 'एच-1' श्रेणी की दवाएं बिना पंजीकृत डॉक्टर के वैध पर्चे के नहीं बेची जा सकतीं; ऐसा करना सीधे तौर पर विधिक उल्लंघन है। इस विसंगति को दूर करने के लिए सरकार ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास पंजीकरण अनिवार्य होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा को तकनीक के माध्यम से सुदृढ़ करना है।

इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी प्रतिबंधित दवाओं का अवैध व्यापार आपको गंभीर कानूनी पचड़ों और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं, बिना पर्चे के एंटीबायोटिक्स का सेवन 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' को जन्म दे रहा है, जिससे भविष्य में सामान्य संक्रमणों पर भी दवाएं बेअसर हो जाएंगी। पारंपरिक स्टोर एक 'मानवीय स्पर्श' और तत्काल जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं, जहां फार्मासिस्ट पर्चे की भौतिक जांच कर उसके दुरुपयोग को रोकता है और मरीज को दवाओं के 'साइड इफेक्ट्स' के प्रति सचेत कर एक व्यक्तिगत विश्वास की कड़ी बनाता है।

इसके विपरीत, ई-फार्मेसी की दुनिया एल्गोरिदम पर टिकी है, जहां 'सुविधा' के साथ 'जोखिम' भी गहरे हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता 'कोल्ड चेन मेंटेनेंस' (दवाओं के रखरखाव का तापमान) को लेकर है। यदि इंसुलिन जैसी जीवन-रक्षक दवाएं गोदाम से ग्राहक तक पहुंचने के दौरान निर्धारित तापमान पर न रखी जाएं, तो वे बेअसर होकर जानलेवा साबित हो सकती हैं।

सुरक्षा की पहली शर्त यह है कि उपभोक्ता केवल उन्हीं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें जो सरकार द्वारा पंजीकृत हों। विधिक दृष्टिकोण से, 6 महीने से अधिक पुराने पर्चे पर दवा मंगवाना न केवल स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा है, बल्कि इसे 'अवैध खरीद' की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। 'भारी डिस्काउंट' के प्रलोभन में गुणवत्ता से समझौता करना अपने जीवन को दांव पर लगाने जैसा है।

अक्सर ई-फार्मेसी कंपनियां खुद को महज 'बिचौलिया' बताकर पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 ने अब आम जन को एक सशक्त विधिक हथियार दिया है। यदि कोई कंपनी गलत या घटिया दवा की आपूर्ति करती है, तो उसे 'डेफिशिएंसी इन सर्विस' (सेवा में कमी) के आधार पर उपभोक्ता अदालत में चुनौती दी जा सकती है। क्षति की स्थिति में हर्जाना भरने व कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए बाध्य हैं। डिजिटल बिल और पैकेजिंग को साक्ष्य के रूप में संभाल कर रखना इस कानूनी लड़ाई में आपका सबसे बड़ा आधार है।

आवश्यकता ई-फार्मेसी को प्रतिबंधित करने की नहीं, बल्कि 'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की है।

वीर सावरकर
जयंती पर विशेष

वीर सावरकर का अदम्य संघर्ष : कालापानी से पतित पावन तक

प्रो0 तपन कुमार शांडिल्य
पूर्व अध्यक्ष, भारतीय आर्थिक परिषद्.अर्थशास्त्री एवं पूर्व कुलपति, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची, झारखण्ड

वीर सावरकर को याद करने का अर्थ है भारत के स्वतंत्रता संग्राम के उस अदृश्य, अलिखित और अत्यंत विकट योद्धा को याद करना, जिसका हथियार कभी बंदूक थी, कभी कलम, तो कभी जेल की सीलन भरी दीवारों पर कोयले से लिखी कविता। सावरकर केवल एक नाम नहीं; वे एक तपस्या हैं, एक ऐसा बलिदान हैं, जिसे अंग्रेजी हुकूमत ने भी दो बार 'आजीवन कारावास' की सजा देकर भी नहीं मिटाया। पचास साल की कैद - यह सुनने में जितना असंभव लगता है, उससे कहीं अधिक असंभव था उसे झेलना। और उसे झेलने के बाद भी न तो उनके विचार डगमगाए और न ही उनका संकल्प। वही सावरकर, जिसने बचपन में देखा कि उनके बड़े भाई बाबाराव अंग्रेजों के खिलाफ़ गुप्त गतिविधियाँ चला रहे हैं, बाद में चलकर अभिनव भारत जैसे क्रांतिकारी संगठन का सूत्रधार बना। उसी सावरकर की कलम ने '1857 का स्वातंत्र्य समर' जैसा अमर ग्रंथ लिखा। उसी सावरकर को अंडमान की सेल्युलर जेल में कोल्हू में बैल की तरह जोता गया, उसी सावरकर ने रत्नागिरी की नजरबंदी में दलितों को मंदिर प्रवेश दिलाया और छुआछूत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। यह एक ऐसी विराट और कभी-कभी विवादों में घिरी छवि है, जिसे समझने के लिए हमें उनके साथ चलना होगा - चाहे वह कालापानी के उस कोल्हू में चलना हो, या रत्नागिरी के उस पतित पावन मंदिर के कच्चे रास्ते पर।

जब हम सावरकर के जीवन की गहराई में उतरते हैं, तो सबसे पहले मिलता है उनका सशस्त्र क्रांति का बीजारोपण। उन्नीस सौ चार के आसपास जब भारत में अंग्रेजों के खिलाफ ज्यादातर आवाजें याचिकाओं और प्रार्थना-सभाओं तक सीमित थीं, सावरकर ने यह कहने का साहस किया कि स्वतंत्रता माँगने से नहीं मिलती, छीनने से मिलती है। इसी सोच ने अभिनव भारत नामक गुप्त संगठन को जन्म दिया। बाद में लंदन के इंडिया हाउस में रहते हुए उन्होंने पिस्तौल, बम और कारतूसों को भारत भेजने का एक पूरा तंत्र बना दिया। यह तंत्र सैकड़ों युवाओं को शस्त्र प्रशिक्षण दे रहा था। इस बात से अंग्रेज इतना घबराए कि उन्होंने सावरकर को पकड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क बिछा दिया। पर सावरकर ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। लंदन में ही उन्होंने एक और ऐसा काम किया, जिसने इतिहास की दिशा बदल दी। उन्होंने 'द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें पहली बार अंग्रेजी इतिहासकारों के उस नैरेटिव को चुनौती दी गई, जो 1857 को केवल एक सिपाही विद्रोह मानता था। सावरकर ने साबित किया कि वह मंगल पांडे से लेकर झाँसी की रानी तक का एक सुसंगठित, व्यापक जन-संग्राम था। यह किताब जैसे ही प्रकाशित हुई, अंग्रेजों ने उस पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, और हजारों नामचीन-बेनाम क्रांतिकारी इस किताब को जेब में रखते थे। यह सिर्फ एक किताब नहीं थी, यह एक मशाल थी।

सावरकर के जीवन का सबसे क्रूर अध्याय अंडमान की सेल्युलर जेल में व्यतीत हुआ। 1911 से 1924 तक, लगभग ग्यारह वर्ष, उस जेल का प्रत्येक दिन एक यातना से भरा था। सावरकर को कोल्हू में जोता गया - जहाँ सामान्यतया बैल तेल निकालने के लिए घूमते हैं, वहाँ एक मानव को उसी कठोर यंत्र के नीचे पीसा गया। वह दिन में तेल निकालता था, रात में सीलन भरी कोठरी में बैठ जेल के अफसरों के लिए लेखन कार्य करता था। त्वचा छिल जाती थी, पीठ पर कोड़ों के निशान बन जाते थे, लेकिन उनकी जुबान से कभी एक भी ऐसा शब्द नहीं निकला, जो अंग्रेजों की दया भीख माँगता। बल्कि, इसी कठोरतम यातना के दौरान उन्होंने जेल की दीवारों पर कील और कोयले से कविताएँ लिखीं; 'हिंदुत्व' जैसे महत्वपूर्ण दार्शनिक ग्रंथ का प्रारूप तैयार किया; और विज्ञाननिष्ठ सामाजिक सुधार के पत्र लिखे। उनका वह कथन आज भी हमारे रोंगटे खड़े कर देता है - 'जेल की दीवारें शरीर को तो रोक सकती हैं, परंतु विचारों को नहीं।' सेल्युलर जेल में ही उन्होंने महसूस किया कि यदि भारत को बार-बार गुलाम बनना पड़ा, तो इसका एक बड़ा कारण हमारे समाज के भीतर की कमजोरियाँ हैं। इसी दौरान उनके मन में वे बीज पकने लगे, जिन्हें बाद में रत्नागिरी में नजरबंदी के दौरान प्रकट किया गया।

रत्नागिरी के नजरबंद आवास से सावरकर ने जो सामाजिक क्रांति शुरू की, वह शायद उनके शस्त्र संग्राम से भी अधिक धमाकेदार थी। 1924 से 1937 लगभग तेरह वर्ष वे एक निर्धारित क्षेत्र में बंधे रहे, पर अपनी विचारधारा को निर्वासित नहीं होने दिया। उन्होंने देखा कि हमारे घरों, मोहल्लों, मंदिरों और रसोईघरों तक में छुआछूत की दीवारें खड़ी हैं। एक हिंदू दूसरे हिंदू को छूने से डरता था। एक जाति दूसरी जाति के साथ बैठकर खाना पाप समझती थी। सावरकर ने इस यथास्थिति को तोड़ने के लिए पहले व्यक्तिगत उदाहरण रखा - उन्होंने अपने ही घर में अछूतों को भोजन कराया, उनके साथ श्राद्ध-तर्पण किया। फिर 'पतित पावन' मंदिर का निर्माण करवाया, जहाँ कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी जाति का हो, प्रवेश कर सकता था और पूजा कर सकता था। उन्होंने 'छुआछूत मिटाओ दलदल' जैसे नारे दिए और स्पष्ट चेताया - 'यदि तुमने छुआछूत नहीं मिटाया, तो समाज मिट जाएगा।' उस दौर में जब उच्च जातियों के लोग अछूतों को पानी तक नहीं देते थे, सावरकर ने सार्वजनिक कुओं और तालाबों के खुलने का आंदोलन चलाया। यह उनकी सबसे बड़ी विरासत है - एक सामाजिक समतावादी की। अकेले इसी कार्य के लिए उन्हें भारत का प्रथम आधुनिक समाज सुधारक कहा जा सकता है।

सावरकर के दार्शनिक विचारों में सबसे शक्तिशाली तत्व है 'हिंदुत्व'। यह बहुत विवादित शब्द है, परंतु यदि हम सावरकर के मूल लेखन पर जाएँ, तो वह कहते हैं कि हिंदू वह है जो भारत को अपनी पितृभूमि और पुण्यभूमि दोनों मानता हो। यह परिभाषा किसी पूजा-पद्धति से नहीं जुड़ी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिख, जैन, बौद्ध, लिंगायत, आर्यसमाजी, प्रार्थनासमाजी और यहाँ तक कि भारत में रहने वाले मुसलमान और ईसाई भी, यदि वे भारत को अपनी पितृभूमि के रूप में स्वीकार करते हैं, तो वे 'हिंदू' की इस राष्ट्रीय अवधारणा में आते हैं। उनका लक्ष्य एक अखंड, शक्तिशाली, सांस्कृतिक राष्ट्र बनाना था। दूसरा विचार था विज्ञान और तर्क के प्रति उनकी अटूट आस्था। उन्होंने गाय पर लिखते हुए कहा - 'गाय हमारे लिए उपयोगी पशु है, क्योंकि वह दूध देती है और खेती में काम आती है। उसकी रक्षा करना कर्तव्य है, लेकिन उसकी पूजा के नाम पर अवैज्ञानिक अंधविश्वास फैलाना ठीक नहीं है।' वे जाति-पाति, अंधविश्वास, मूर्तिपूजा के ढोंग और तांत्रिक क्रियाओं के जबरदस्त विरोधी थे। इसी कारण रूढ़िवादी हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग ने उनका विरोध किया, लेकिन उन्होंने परवाह नहीं की। तीसरा विचार था 'सैनिकीकरण'। उन्होंने कहा कि एक कमजोर कौम आजाद नहीं रह सकती। इसलिए हर भारतीय युवा को शस्त्र विद्या सीखनी चाहिए, शारीरिक रूप से मजबूत बनना चाहिए। उन्होंने 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' के संस्थापक डॉ. हेडगेवार की भी इसी आधार पर सराहना की, हालाँकि वे स्वयं कभी संघ के सदस्य नहीं रहे।

यह स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं कि सावरकर का व्यक्तित्व विवादों से घिरा रहा है। एक तरफ उनके समर्थक कहते हैं कि दो बार आजीवन कारावास और काला पानी की यातना झेलने के बाद भी जब वे बाहर आए, तो उन्होंने बदले की भावना से ऊपर उठकर पूरा जीवन समाज सुधार में लगा दिया। उन्होंने 1857 को स्वतंत्रता संग्राम का दर्जा दिलाया। उन्होंने दलितों, महिलाओं और पिछड़ों के उत्थान के लिए वह काम किया, जो उस जमाने में बहुत कम लोग कर पाते थे। दूसरी तरफ आलोचक कहते हैं कि 1920 के बाद गांधी के असहयोग आंदोलन से उनके मतभेद बहुत गहरे हो गए। वह सेल्युलर जेल से लिखे 'क्षमा-पत्र' (मर्सी पिटीशन) को लेकर भी सवाल उठते हैं। सावरकर ने स्वयं इस पत्र को 'रणनीति' करार दिया - बाहर आकर फिर से संगठन बनाने और जारी रखने के लिए। आलोचक यह भी मानते हैं कि उनके हिंदुत्व के सिद्धांत को बाद में कुछ समूहों ने संकीर्ण रूप में परिवर्तित कर दिया, जो शायद सावरकर के मूल दृष्टिकोण से मेल नहीं खाता।

इन सब विवादों के बीच, एक ऐतिहासिक सत्य यह है कि गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. अंबेडकर और वीर सावरकर - सभी के रास्ते अलग थे, लेकिन उनका लक्ष्य एक था - भारत की आज़ादी और उसके उत्थान का संकल्प। सावरकर ने शस्त्र मार्ग अपनाया, कलम मार्ग अपनाया, समाज सुधार का मार्ग अपनाया, और सबसे बड़ी बात - यातना सहने का वह मार्ग अपनाया, जिस पर चलने की कल्पना मात्र से रूह काँप जाती है। वीर सावरकर की जयंती पर यह आलेख एक ऐसी क्रांतिज्योति को नमन है, जिसने दो कालापानी देखे, एक जेल के कोल्हू को देखा, और समाज की ऊँच-नीच की विकृत दीवारों के बीच से निकलकर हमें यह सिखाया - 'मैं मरूँगा नहीं, मेरे विचार मरेंगे नहीं।'

कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराने को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले में एनटीए (नीट) यूजी परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में परीक्षा की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक श्री ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती दीपेश कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती आपरूपा चौधरी, परीक्षा केंद्र के सिटी कॉर्डिनेटर-सह-प्रधानाध्यापक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वप्रथम जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जानकारी दी कि खूँटी जिले में लगभग 158 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन 3 मई 2026 को निर्धारित है, परीक्षा अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक चलेगा। जिसके लिए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, डुमरदग्गा खूंटी को परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया गया है।

बैठक में परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक तैयारियों एवं मूलभूत तैयारियों को सुनिश्चित करने एवं परीक्षा को कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त द्वारा कई महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर चर्चा के अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्र पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति, ससमय सीसीटीवी इंस्टालेशन, फ्रिस्किंग एवं बॉयोमेट्रिक की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, मेडिकल इमरजेंसी के मद्देनजर एम्बुलेंस की व्यवस्था, ट्रैफिक एवं भीड़ प्रबंधन, कंट्रोल रूम एवं हेल्पलाइन नंबर जारी करने, साइनेज बोर्ड लगाने समेत अन्य बिंदुओं पर बिंदुवार समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा उपायुक्त ने आवश्यकता अनुसार चौक-चौराहों पर साइनेज बोर्ड लगाने का निर्देश दिया, जिससे परीक्षा केंद्र पर पहुंचने में परीक्षार्थी को समस्या न हो। परीक्षा केंद्र पर विधि व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिकोण से परीक्षा केंद्र की परिधि में धारा 163 लगाने के भी निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी को दिए गए। साथ हीं सभी संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करने एवं ससमय समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि ठएएळ परीक्षा आयोजन को लेकर जारी एसओपी का पूर्ण रूप से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें, समय का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षार्थियों का समय पर फ्रिस्किंग एवं बॉयोमेट्रिक कराएं। समय पर परीक्षा प्रारंभ एवं सम्पन्न हो। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल को अपने दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक पालन करने का निर्देश दिया, जिससे जिले में निष्पक्ष, कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा को सम्पन्न कराया जा सके।

नवोदय विद्यालय में छात्र की मौत मामला, जांच को पहुंचे बीडीओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

निरसा। निरसा प्रखंड के बेनागोड़िया स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय बेनागोरिया में 9वीं कक्षा के छात्र आयुष टोपो की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। स्कूल परिसर के पीछे स्थित तालाब में नहाने के दौरान डूबने से छात्र की मौत हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही सोमवार को निरसा प्रखंड के बीडीओ इंद्रलाल ओहदार तथा सीओ विक्रम आनंद जांच के लिए विद्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने प्राचार्य, शिक्षकों और सुरक्षा गार्ड से घटना की विस्तृत जानकारी ली।

जांच के दौरान बताया गया कि स्कूल परिसर की बाउंड्री लगभग 8 फीट ऊंची है। छात्र दीवार फांदकर कैंपस के पीछे स्थित तालाब में नहाने गए थे, जहां डूबने से आयुष टोपो की मौत हो गई।

अधिकारियों ने मृत छात्र के साथियों से भी पूछताछ की और आवासीय हॉस्टल का निरीक्षण कर छात्रों के रहन-सहन एवं खान-पान की व्यवस्था की जानकारी ली।

विद्यालय की प्राचार्य उषा कुजूर ने कहा कि घटना में स्कूल प्रबंधन की कोई लापरवाही नहीं है और सभी कार्य निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार किए जाते हैं। उन्होंने आरोपों को निराधार बताया। वहीं बीडीओ ने स्कूल प्रबंधन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आवासीय विद्यालय में छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की जांच रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपी जाएगी।

एक महीने में किराया नहीं देंगे तो खाली करनी होगी दुकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रणधीर वर्मा चौक पर स्थित कृषि बाजार की दुकानों का वर्षों से किराया बकाया रखने वाले दुकानदार एक महीने में बकाया किराया का भुगतान करेंगे अथवा दुकान खाली करेंगे। साथ में किराए की राशि रिवाइज की जाएगी। यह निर्णय उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन की अध्यक्षता में रणधीर वर्मा चौक पर स्थित कृषि बाजार की दुकानों को लेकर आयोजित बैठक में लिया गया।

बैठक में कृषि बाजार के पणन सचिव ने बताया कि बाजार समिति ने 2006 में रणधीर वर्मा चौक से लिंडसे क्लब की ओर जाने वाली मेन रोड पर 25 दुकान एवं दुकान के पिछे 63 शेड बनाए थे। 2019 में किराए की राशि रिवाइज हुई थी। दुकानों का मासिक किराया मात्र 800 रुपए है। कुछ दुकानदारों ने अपने नाम दुकान आवंटन कराकर उसे सब-लीज कर दिया है। इसमें अधिकतर दुकानदारों ने वर्षों से किराया भी नहीं दिया है। बकाएदारों को किराया जमा करने की नोटिस भी जारी की गई है। किराया नहीं मिलने से विभाग को राजस्व की भारी क्षति हो रही है।

तत्पश्चात बैठक में किराया बाकी रखने वाले दुकानदारों से एक महीने में किराया वसूलने या दुकान खाली कराने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, कृषि बाजार के पणन सचिव विपुल कुमार सिंह, अंचल अधिकारी धनबाद राम प्रवेश, कार्यपालक दंडाधिकारी रविन्द्र नाथ ठाकुर, आईटी मैनेजर रुपेश कुमार मिश्रा, प्रशांत कुमार उपस्थित थे।

एक करोड़ रुपए के जेवरात की लूट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। गुमला जिला के घाघरा प्रखण्ड मुख्यालय में सोमवार की शाम एक सोना व्यापारी से तकरीबन एक करोड़ रुपए के जेवरात कि लूट हुई है । बताया जा रहा है कि दुकानदार अपना दुकान बंद कर अपनी मां के साथ अपने घर जा रहा था इसी दौरान अज्ञात अपराधियों ने व्यापारी को घर पहुंचने से पहले बीच रास्ते में ही रोककर हवाई फायरिंग की फिर बाईक की डिक्की में रखे सोने के जेवरात को लुट कर फरार हो गए । इस मामले पर गुमला एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने टेलीफोन पर बताया कि लूट की सूचना मिलने के बाद गुमला पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जांच कर रही है । उन्होंने बताया कि दुकानदार से प्रारंभिक सूचना मिली है की उससे तकरीबन सात से आठ सौ ग्राम सोने की लुट लिए हुई है ।

संस्कार शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले के एकल अभियान मुरहू के तत्वावधान में संस्कार शिविर का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर कोड़ाकेल मुरहू में सोमवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में एकल अभियान के तहत गांवों में संस्कार की शिक्षा देने पर चर्चा की गई।संच अध्यक्ष डॉ डीएन तिवारी ने कहा कि मनुष्य अपना कर्तव्य भूलता जा रहा है। मनुष्य के जीवन का उद्देश्य सेवा करना है। आजकल लोग माता-पिता वृद्ध की सेवा नहीं करना चाहते हैं, उन्हें परेशान करते हैं,वृद्धाश्रम भेज देते हैं।

अगर कोई गलत करता है तो परमात्मा उसे अपार दुःख देंगे। सभी बच्चों में संस्कार भरने की जरूरत है, ताकि समाज सही दिशा में अग्रसर हो।

बुद्धेश्वर सिंह ने कहा कि एकल अभियान के माध्यम से सभी गांवों में संस्कार सहित धर्म शास्त्रों की शिक्षा - सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मौके पर महेंद्र सिंह मुंडा, ध्रुवेन्द्र भास्कर सहित आचार्य गण उपस्थित रहे।

दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। सिकरौल थाना क्षेत्र के एक गांव में 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले की सुनवाई सोमवार को एडीजे-6 सह पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अमित कुमार शर्मा की कोर्ट में की गई।

गवाहों के बयान और साक्ष्य के आधार पर घटना के आरोपित 24 वर्षीय युवक को दोषी पाते हुए कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा के साथ 50 हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई है।

उत्पाद कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म की यह वारदात 22 सितंबर 2023 की दोपहर की है।

घटना के समय बच्ची स्कूल से छुट्टी होने के बाद नहर के रास्ते पैदल अपने घर जा रही थी। तभी रास्ते में गांव का 24 वर्षीय युवक छोटू कुमार उसे मिला और बोला कि इधर से रास्ता बंद है। चलो हम तुम्हें दूसरे रास्ते से ले चलते हैं। और घर पहुंचाने के बदले झाड़ियों में ले जाकर उसके साथ वारदात को अंजाम दिया।

इधर, बच्ची के घर पहुंचने में देर होने पर घरवाले खोजबीन में लगे थे। तभी शाम के तीन बजे धूल से सने कपड़ों में रोती बिलखती बच्ची घर पहुंची और अपनी दादी को घटना की जानकारी देते बताया कि छोटू कुमार ने उसके साथ गलत किया है।मामले में सिकरौल थाना में दादी के बयान पर केस दर्ज कराते ही पुलिस ने आरोपित छोटू कुमार को गिरफ्तार कर लिया, जो तब से जेल में ही बंद है।

सुनवाई के क्रम में आठ गवाहों के बयान और साक्ष्य के आधार पर कोर्ठ ने पॉक्सो 4 के तहत आरोपित छोटू कुमार को आजीवन कारावास की सजा के साथ 50 हजार रुपये जुमार्ना तथा 506 के तहत सात साल कैद की सजा सुनाई है।

जुमार्ना की राशि अदा नहीं करने पर अभियुक्त को एक साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

मंदिर के गर्भगृह दिवंगत गार्ड के दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए : संजय सेठ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा मंत्री संजय सेठ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू एवं रांची की मेयर रोशनी खलको ने भाजपा कार्यकताओं के साथ धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर के गर्भगृह की रखवाली करने वाले दिवंगत गार्ड बिरसा मुंडा के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की।

उसके बाद रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि दिवंगत बिरसा मुंडा एक हॉकी खिलाड़ी थे। उन्होंने सेवा भाव से मंदिर की रखवाली करते थे।

उन्हें कई सालों से वेतन नहीं मिला था। निश्चित रूप से परिवार जन परेशान है। उन्हें अभिलंब आर्थिक सहायता बड़े स्तर पर होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य शाहु ने कहा कि इस राज्य में चलने वाली सरकार संवेदनहीन सरकार है विधानसभा के नाक के नीचे जिस प्रकार एक गरीब में व्यक्ति की हत्या होती है और हत्या के बाद सरकार की ओर से कोई अब तक छांकने तक नहीं आया परिवार से मिलकर उनके दुख दर्द जाने के बाद आंखे नम हो गई राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई और यहां की सरकार दूसरे राज्य में प्रचार प्रसार कर रहे हैं अपराधी बेलगाम घूम रहे हैं इसका यह प्रमाण है भाजपा मांग करती है कि अभिलंब इस परिवार को 50 लाख देने का काम करें नशा का कारोबार राज्य में तेजी से फल फूल रहा है जिसके कारण ऐसी घटना हुई है दोषीयों को कड़ी से कड़ी सजा मिली चाहिए उन्होंने इस अवसर पर परिवार जनों को सहायता राशि प्रदान की।

इस अवसर पर रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि इनका परिवार आर्थिक रूप से जूझ रहा है इसे देखने वाला कोई नहीं है मंदिर राज्य सरकार की धरोहर है उनकी जिम्मेवारी है आर्थिक सहायता प्रदान करना मैं निगम की ओर से उन्हें उनके परिवार वालों को दैनिक भोगी पर जोड़कर सहायता प्रदान करना चाहती हूं।

बाइक सवार अपराधियों ने लोको पायलट को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। जिले में बाइक सवार अपराधियों ने ट्रेन के लोको पायलट की सिर में गोली मारकर हत्या कर दिया।घटना रविवार की देर रात हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, टाटानगर स्टेशन टीओपी से कुछ ही दूरी पर बागबेड़ा थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो अपराधियों ने लोको पायलट जीके गौतम की सिर में पिस्टल सटाकर गोली मार दी।लहूलुहान हालत में सड़क पर गिरे गौतम को आनन-फानन में रेलवे अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

लोको पायलट जीके गौतम रविवार देर रात कांड्रा से मालगाड़ी लेकर टाटानगर स्टेशन पहुंचे थे, अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद वह पैदल ही रेलवे ट्रैफिक कालोनी स्थित संयुक्त चालक और परिचालक लॉबी की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान, लॉबी गेट के पास पहले से घात लगाए बाइक सवार दो अपराधी पास पहुंचे, इससे पहले कि गौतम कुछ समझ पाते, अपराधियों ने उनके सिर में गोली मार दी। बताया जा रहा है कि रेलवे की नौकरी के साथ-साथ गौतम जमीन की खरीद-बिक्री के कारोबार से भी जुड़े हुए थे।

चिकित्सक की मौत

शिवाजी नगर। प्रखंड क्षेत्र के लिए एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शिवाजी नगर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार का हृदयाघात हार्ट अटैक से निधन हो गया। बताया जा रहा है कि उन्होंने पटना स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली डॉ. अमित कुमार के असामयिक निधन की खबर मिलते ही स्वास्थ्य विभाग सहित पूरे शिवाजी नगर प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गई। उनके सहयोगी डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

डहकेला गोलीकांड में एक और गिरफ्तारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मुरहू थाना क्षेत्र के ग्राम डेह-केला में शनिवार रात करीब दस बजे हथियारबंद अपराधियों ने केदार अहीर के घर में घुसकर मारपीट व गाली-गलौज की थी। अपराधियों ने केदार के बेटे रुसु अहीर की जांघ में गोली मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के दौरान ग्रामीणों ने एक अपराधी को पकड़ लिया।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक खूंटी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर ग्रामीणों से पकड़े गए आरोपी को छुड़ाया और घायल रुसु अहीर व एक आरोपी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरहू भेजा। प्राथमिक पूछताछ में मारपीट का मामला अवैध अफीम तस्करी मामले में रुपए के लेन देन से जुड़ा है और पूर्व के बकाया पैसे की मांग से मारपीट की घटना कारित की गई थी।

गिरफ्तार अभियुक्त में सोमार बजार, मुरहू निवासी 21 वर्षीय जोहन मुण्डू उर्फ मारू शामिल है जबकि 23 वर्षीय पंगुरा मुरहू निवासी खुदीराम ओड़ेया का इलाज कराया जा रहा है।

पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, एक खोखा, और 2 मोटरसाइकिल जब्त किया है। इस संबंध में मुरहू थाना में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छापामारी दल में एसडीपीओ वरुण रजक, निरीक्षक फ्रांसिस जेवियर बाड़ा, थाना प्रभारी नायल गोडविन केरकेट्टा सहित मुरहू थाना के अधिकारी व रिजर्व गार्ड शामिल थे।

कार्डधारियों को मिलेगा अब हर महीने कोयला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। रसोई गैस की किल्लत झेल रहे राशन कार्डधारी परिवारों को सरकार रसोई घर का चूल्हा जलाने के लिए सरकार नियंत्रित मूल्य पर कोयला उपलब्ध कराएगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने शेखपुरा जिला को 3 रेल रैक कोयला आवंटित किया है।

कोयले का रैक इस महीने के अंत तक शेखपुरा पहुंच सकता है। यह कोयला उन्हीं परिवारों को मिलेगा, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पहले से सूचीबद्ध हैं तथा अंत्योदय योजना के लाभुकों को भी मिलेगा।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी सरमेंद्र कुमार ने बताया जिला में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पंजीकृत तथा कार्डधारी 117299 परिवारों को अभी निःशुल्क गेंहू तथा चावल उपलब्ध कराया जा रहा है।रसोई गैस की समस्या को लेकर बुधवार को जिला प्रशासन के नियमित प्रेस वार्ता में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया इसके अलावे जिला में अंत्योदय योजना के 10249 परिवार हैं। इन सभी परिवारों को सरकार जलावन के लिए कोयला उपलब्ध कराएगी।

उन्होने बताया जलवान के लिए इनमें से प्रत्येक परिवार को प्रति महीने एक क्विंटल कोयला नियंत्रित मूल्य पर उपलब्ध कराएगी। इस योजना को व्यावहरिक रूप देने के लिए खनन तथा परिवहन विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा।

इसके लिए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करके समन्वय स्थापित किया जाएगा। 2 रैक कोयले को कहां उतारा जाएगा? इसकी रणनीति बनाई जा रही है।

इस योजना के लिए जिला को प्रत्येक महीने लगभग सवा लाख क्विंटल कोयले की आवश्यकता पड़ेगी। उन्होने बताया जिला में रसोई गैस का वितरण सामान्य तरीके से चल रहा है तथा प्रतिदिन इसकी निगरानी भी की जा रही है।

सड़क धंसान पर सियासत गरम, 13 दिन बाद भी मरम्मत नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद के केन्दुआडीह में सड़क धंसान की घटना के आज 13 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो पाया है। आम जनता परेशान है, और इस मुद्दे ने अब पूरी तरह सियासी रंग ले लिया है। नेता एक-दूसरे पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं।

केन्दुआडीह के पास धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क धंसने के बाद लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। रोजाना इस रास्ते से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन 13 दिन बाद भी मरम्मत का काम शुरू नहीं हो सका है।

इसी मुद्दे को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। पूर्व मेयर और झामुमो नेता चंद्रशेखर अग्रवाल ने धनबाद विधायक राज सिन्हा के धरना प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला है।

अग्रवाल ने विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि तीन बार विधायक रहने के बावजूद उन्होंने कोई ठोस काम नहीं किया और अब जनता को गुमराह करने के लिए धरना दे रहे हैं। उन्होंने पुनर्वास और सड़क से जुड़े मुद्दों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

वहीं झामुमो की प्रेसवार्ता में एयरपोर्ट मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा गया। अग्रवाल ने कहा कि भाजपा की सरकार लंबे समय तक रही, लेकिन धनबाद में एयरपोर्ट नहीं बन पाया।

झामुमो नेताओं ने यह भी कहा कि केन्दुआडीह सड़क धंसान मामले में बीसीसीएल और डीजीएमएस जैसे संस्थान केंद्र सरकार के अधीन आते हैं, इसके बावजूद विधायक द्वारा धरना देना सिर्फ राजनीतिक ड्रामा है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/08 दिनांक: 24.04.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, (नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, चौथी मंज़िल, रेल संग्रहालय के नज़दीक, पूर्व रेलवे, हावड़ा) द्वारा हावड़ा मंडल में तीन (3) वर्षों की अवधि के लिए स्टेशन परिसर तथा सर्कुलेटिंग एरिया में वाणिज्यिक प्रचार अधिकार का ठेका प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटेलॉग संख्या : पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-08। नीलामी शुरू होने की तारीख और समय:** 08.05.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **क्रम संख्या; एसईक्यू.संख्या; लॉट संख्या** एवं **विवरण** निम्नानुसार हैं: **1**; एए/1; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूएई-ओएच-156-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं कटवा स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **2** ; एए/2; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं नबद्वीपधाम स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **3**; एए/3; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं डानकुनी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **4**; एए/4; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेड-ओएच-163-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं आजिमगंज स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **5**; एए/5; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एएमबीजी-ओएच-160-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं आरामबाग स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **6**; एए/6; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूएई-ओएच-10-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं कटवा रेलवे स्टेशन के नज़दीक रेलवे कॉलोनी में वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **7** ; एए/7; **एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएच-142-26-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं हावड़ा रेलवे स्टेशन पर मॉनूमेन्टल फ्लैग एरिया के सामने 04 (चार) ग्लोबल टावर्स की स्थापना एवं रखरखाव के जरिये वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अनुबंध प्रदान करना।

(HWH-35/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

● टाटा-कोरस के बाद सबसे बड़ी विदेशी खरीद

सन फार्मा रचने जा रही इतिहास, कॉरपोरेट जगत का महा-सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज अब तक का अपना सबसे बड़ा और सबसे महत्वाकांक्षी विदेशी अधिग्रहण करने जा रही है। भारत की सबसे मूल्यवान दवा बनाने वाली कंपनी न्यू जर्सी की कंपनी ऑर्गेनॉन एंड कंपनी को खरीदेगी। इस सौदे की कीमत लगभग 12.5 अरब डॉलर (लगभग 1.17 लाख करोड़ रुपये) है। इकोनॉमिक टाइम्स ने इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से यह जानकारी दी है। अप्रैल 2007 में टाटा स्टील के कोरस का अधिग्रहण किए जाने के बाद यह किसी भी भारतीय कंपनी की ओर से किया गया अब तक का सबसे बड़ा विदेशी अधिग्रहण भी होगा। सूत्रों के अनुसार, ऑर्गेनॉन के बोर्ड की बैठक सप्ताहांत में अमेरिका में हुई। इस बैठक में दिलीप संघवी के नेतृत्व वाली सन फार्मा को एक प्रतिद्वंद्वी समूह (जिसमें स्वीडिश बायआउट ग्रुप श्वत्क्ष और दर्द निवारक दवाओं की जर्मन फार्मा कंपनी ग्रूनेंथल शामिल हैं) के मुकाबले पसंदीदा बोलीदाता के रूप में चुना गया। ज्यादातर विश्लेषकों का मानना है कि मुंबई स्थित यह कंपनी ऑर्गेनॉन के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इस कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड यह साबित करता है कि यह मुश्किल वित्तीय हालात से जूझ रही कंपनियों को खरीदकर उनके कामकाज में सुधार और दक्षता लाने में माहिर है। इसे मुश्किल में फंसी कंपनियों को फिर से पटरी पर लाने के लिए जानी जाता है। एक अधिकारी ने बताया कि इस सौदे के पूरा होने के बाद कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप संघवी के बेटे आलोक संघवी के अमेरिका चले जाने की उम्मीद है।

जेपी मॉर्गन है सलाहकार

ईटी ने 24 अप्रैल को रिपोर्ट दी थी कि सन फार्मा ने ऑर्गेनॉन को खरीदने के लिए एक 'बाध्यकारी प्रस्ताव' (बाइंडिंग ऑफर) सौंपा था। इस प्रस्ताव के साथ एमयूएफजी, जेपी मॉर्गन और सिटी से लगभग 12 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता का भी आश्वासन दिया गया था। जेपी मॉर्गन सन फार्मा की सलाहकार भी है। एजेडबी और लिंकलेटर्स इस सौदे के कानूनी सलाहकार हैं। ऑर्गेनॉन के अधिग्रहण से सन फार्मा के 'वुमन हेल्थ' से जुड़े उत्पादों के पोर्टफोलियो और तेजी से बढ़ रहे 'बायोसिमिलर' क्षेत्र को काफी मजबूती मिलेगी। सन फार्मा ने दोनों कंपनियों के एकीकरण और भविष्य की रणनीति तैयार करने के लिए परामर्शदाता कंपनी को भी नियुक्त किया था। इस संबंध में तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट पिछले सप्ताहांत सन फार्मा के बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। इस पर विस्तार से चर्चा की गई।

तेल, गैस के खेल में फंसा रिलायंस का मुनाफा

पश्चिम एशिया संघर्ष का दिखा असर

● जियो और रिटेल ने दिखाया दम, शेयर में आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले हफ्ते मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कुल मिलाकर कंपनी को नुकसान हुआ है। कंपनी के मुनाफे पर सबसे ज्यादा असर तेल और गैस के कारोबार ने डाला है। वहीं डिजिटल, टेलीकॉम और रिटेल कारोबार ने कंपनी की कमाई को सहारा दिया। कंपनी का ऑयल-टू-केमिकल्स कारोबार कुल राजस्व का 57 प्रतिशत हिस्सा देता है। इसका सालाना आधार पर 4 प्रतिशत गिर गया। मार्जिन घटकर 7.9 प्रतिशत पर आ गया, जो पिछले 9 तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार ऐसे में अब निवेशकों की नजर कंपनी के गैर-तेल कारोबार पर टिक गई है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल का प्रीमियम, फ्रेट और इंश्योरेंस लागत बढ़ी है। रिलायंस कंपनी प्रबंधन ने कहा कि जून तिमाही में भी ह्व2ष्ट कारोबार पर दबाव बना रह सकता है।

सेगमेंट: रेवेन्यू में 57 प्रतिशत योगदान देने वाले इस सेगमेंट का मुनाफा 4 प्रतिशत गिर गया है। मार्जिन 7.9 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गया है, जो पिछले 9 तिमाहियों में सबसे कम है।

जियो प्लेटफॉर्म्स: डिजिटल और टेलीकॉम बिजनेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनाफे में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

रिलायंस रिटेल: रिटेल सेगमेंट के मुनाफे में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी अब हाइपरलोकल डिलीवरी को तेजी से बढ़ा रही है।

जियो: कंपनी के 5जी ग्राहकों की संख्या में भारी उछाल आया। बिना किसी टैरिफ प्लान में बढ़ोतरी के बावजूद, जियो का (प्रति ग्राहक औसत राजस्व) बढ़कर 214 रुपये हो गया है।

न्यू एनर्जी और भविष्य का प्लान

रिलायंस का ध्यान अब भविष्य के ईंधन पर है। कंपनी की 40 गीगा फैक्ट्री साल 2026 में ही शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, इसका व्यावसायिक योगदान वित्त वर्ष 2030 तक दिखने की संभावना है।

शेयर की क्या स्थिति

सोमवार को कंपनी के शेयर में तेजी आई। शुक्रवार को यह शेयर 1,327.65 रुपये पर बंद हुआ था। सोमवार को यह गिरावट के साथ 1,326.80 पर खुला। लेकिन बाद में इसमें तेजी आई। सुबह 10 बजे यह शेयर 1 फीसदी की बढ़त के साथ 1,340.90 रुपये पर कारोबार कर रहा था। मोतीलाल ओसवाल ने रिलायंस के शेयर पर अपनी (खरीदें) रेटिंग बरकरार रखी है, लेकिन टार्गेट प्राइस को थोड़ा घटाकर 1,655 रुपये कर दिया है। रिटेल सेक्टर में ग्रोथ, मोबाइल टैरिफ में संभावित बढ़ोतरी और जियो का आगामी शेयर की कीमतों को ऊपर ले जा सकते हैं।

सुरक्षा में चूक हुई तो भारत में नहीं उड़ पाएंगे विदेशी विमान, डीजीसीए की सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने देश में आने-जाने वाली विदेशी एयरलाइंस के लिए नियम और कड़े कर दिए हैं। अब नागरिक उड्डयन महानिदेशालय सुरक्षा मानकों या अन्य नियमों का पालन नहीं करने पर किसी भी विदेशी एयरलाइन की अनुमति रद्द या निलंबित कर सकता है। डीजीसीए प्रमुख वीर विक्रम यादव के शुरुआती आदेशों में कहा गया है कि सभी विदेशी एयरलाइंस को भारत में एक स्थानीय प्रतिनिधि नियुक्त करना होगा, जो नियामक एजेंसी के साथ समन्वय करेगा। नए नियमों के मुताबिक अब विदेशी एयरलाइंस को न केवल सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा, बल्कि यात्रियों की शिकायतों का भी जवाब देना होगा। इंजन में खराबी, आग की लपटें, इमरजेंसी इवेक्यूएशन... दिल्ली से ज्यूरिख जाने वाली फ्लाइट में जब यात्रियों का हुआ मौत से सामना

शिकायतों में लापरवाही पड़ेगी भारी

अब हर विदेशी एयरलाइन को भारत में एक लोकल रिप्रेजेंटेटिव नियुक्त करना अनिवार्य होगा, जो सीधे डीजीसीए के साथ तालमेल करेगा। अब तक विदेशी एयरलाइंस पर उपभोक्ता संरक्षण नियमों को लेकर सीधा नियंत्रण कम था। अब उन्हें एक प्रभावी यात्री शिकायत निवारण प्रणाली बनानी होगी और शिकायतों का डेटाबेस बनाए रखना होगा। इसकी रिपोर्ट समय-समय पर देनी होगी। अगर कोई एयरलाइन सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करती है, तो डीजीसीए उसका ऑथराइजेशन निलंबित या रद्द कर सकता है। वहीं अगर एयरलाइन का मालिकाना हक संबंधित देश के पास नहीं है, तो भी कार्रवाई की जाएगी। अगर कोई विदेशी एयरलाइन लगातार 4 ट्रैफिक सीजन तक किसी भारतीय हवाई अड्डे से अपनी सेवाएं नहीं चलाती है, तो उस हवाई अड्डे के लिए उसका परमिट खुद-ब-खुद निलंबित माना जाएगा। अतिरिक्त उड़ानों के लिए अब कम से कम 7 वर्किंग डेज पहले आवेदन करना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि वे द्विपक्षीय यातायात अधिकारों और स्वीकृत एयरपोर्ट स्लॉट के दायरे में हों। एविएशन इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि भारत अब अपनी विमानन शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं: एयर इंडिया और इंडिगो जैसी भारतीय कंपनियां तेजी से अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। भारतीय कंपनियों के पास अब ज्यादा क्षमता है, जिससे विदेशी एयरलाइंस पर निर्भरता कम हो गई है। ऐसे में सरकार अब यात्रियों के हितों और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करना चाहती।

बिना ओटीपी के नहीं मिलेगा गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में अब 94.5 प्रतिशत से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी डीएसी नंबर के साथ की जा रही है। अगर आप भी घर पर गैस सिलेंडर मंगवाते हैं, तो यह जानकारी आपके लिए बेहद जरूरी है। क्योंकि गैस कंपनियों ने डिलीवरी को ज्यादा सुरक्षित और ब्लैक मार्केटिंग को कम करने के लिए यह ओटीपी वेरिफिकेशन शुरू किया है। इस कोड के नहीं होने पर सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जा रही है। डीएसी नंबर ओटीपी की तरह ही होता है, जो गैस बुकिंग के बाद आपके मोबाइल पर भेजा जाता है और डिलीवरी के समय इसे दिखाना जरूरी होता है। इस नए नियम का मकसद फर्जी डिलीवरी, गलत बिलिंग और गैस चोरी जैसी समस्याओं को रोकना है। अब बिना इस कोड के डिलीवरी पूरी नहीं मानी जाएगी, जिससे ग्राहकों को ज्यादा सुरक्षा मिलती है। नंबर का मतलब होता है। यह एक यूनिक कोड होता है, जो हर बार गैस सिलेंडर बुक करने के बाद ग्राहक को भेजा जाता है। जब आपका सिलेंडर डिलीवरी के लिए आता है, तो डिलीवरी बॉय आपसे यही कोड मांगता है। सही कोड देने के बाद ही सिलेंडर आपको दिया जाता है। जब आप एलपीजी सिलेंडर बुक करते हैं, तो गैस कंपनी की तरफ से आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, ऐप या कोड भेजा जाता है। यह कोड उसी डिवाइस पर भी भेजा जाता है जिससे आपने बुकिंग की होती है, ताकि किसी तरह की तकनीकी दिक्कत न आए। जब डिलीवरी बॉय आपके घर आता है, तो वह आपसे ओपीटी नंबर पूछता है। आपको अपने मोबाइल में आए इस कोड को उसे बताना होता है। अगर कोड सही होता है, तभी डिलीवरी पूरी मानी जाती है। अगर आप कोड नहीं देते हैं, तो सिलेंडर की डिलीवरी रोक दी जा सकती है। कई बार नेटवर्क या टेक्निकल समस्या की वजह से ओटीपी नंबर समय पर नहीं मिलता। ऐसे में आप घबराएं नहीं। आप डिलीवरी बॉय से कोड दोबारा भेजने के लिए कह सकते हैं।

स्मार्टफोन की लत से बच्चों को बचाएगी 100 डालर की डिवाइस, अमेरिका में मची धूम, कंपनी को मिली करोड़ों की फंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपके बच्चे को स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की लत है तो 100 डॉलर (करीब 9400 रुपये) की यह डिवाइस बच्चे की आदत बदल सकती है। यह डिवाइस कुछ और नहीं बल्कि लैंडलाइन-स्टाइल फोन है। अमेरिका में इस फोन ने धूम मचाई हुई है। कई परिवार और स्कूल बच्चों को स्मार्टफोन से दूर रखने के लिए इस लैंडलाइन फोन को अपना रहे हैं। यह डिवाइस अप्रैल 2025 में लॉन्च हुई थी। बिना किसी बड़े विज्ञापन के सिर्फ लोगों की चर्चा के जरिए ही इसकी लाखों यूनिट्स बिक चुकी हैं। इस स्टार्टअप की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसने हाल ही में 12 मिलियन डॉलर (करीब 113 करोड़ रुपये) की बड़ी फंडिंग जुटाई है।

स्कूलों में बढ़ रही मांग

बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया के असर को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ रही है। इसी वजह से कई परिवार बच्चों को स्मार्टफोन देने की बजाय इस फोन को बेहतर विकल्प मान रहे हैं। कंसास सिटी के नेटिविटी पैरिश स्कूल में किंडरगार्टन से पांचवीं कक्षा तक के 95 प्रतिशत परिवारों ने इस प्रोग्राम को अपनाया है।

दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, मुंबई, बेंगलुरु... सरकार लाने जा रही है 25 प्रतिशत एथेनॉल वाला पेट्रोल, 2030 तक ई 100 का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में एक अप्रैल से ई 20 पेट्रोल (20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल) बेचने को अनिवार्य करने के बाद सरकार अब श्व25 पेट्रोल (25 फीसदी एथेनॉल और 75 फीसदी पेट्रोल) ला रही है। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है, जिसे बस अंतिम रूप दिया जा रहा है। ई 25 अभी सभी गाड़ियों में नहीं डाला जा सकता। इसे देखते हुए कुछ ही दिनों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत इसकी शुरुआत देश के कुछ पेट्रोल पंपों से की जाएगी। जिसमें दिल्ली और एनसीआर के सभी शहर गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद के अलावा मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु समेत कुछ अन्य बड़े शहर भी इस लिस्ट में शामिल किए जा रहे हैं। अभी चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर ही मिलेगा

सूत्रों ने बताया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति के तहत एथेनॉल को बढ़ावा देने पर काम किया जा रहा है। इसके तहत ई-20 आने के बाद अब ई-25 लाने पर काम किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर समेत देश की तमाम मेट्रो सिटी के कुछ चुनिंदा पेट्रोल पंपों से इसे बेचना शुरू किया जाएगा। इसमें पेट्रोल पंपों के एक-एक पेट्रोल टैंकों को ई25 पेट्रोल में कन्वर्ट किया जाएगा, सभी को नहीं। ताकि लोगों को ई-20 पेट्रोल की कोई कमी ना रहे।

क्या पड़ेगा आप पर असर: ई-25 फ्यूल से ना केवल लोगों की जेब कम ढीली होगी, बल्कि इससे प्रदूषण भी कम होगा। इससे पर्यावरण को भी फायदा होगा। इसके अलावा सरकार की कच्चे तेल को इंपोर्ट करने पर निर्भरता और कम होगी। किसानों को भी इसका बड़ा लाभ होगा। हालांकि, इसे बड़े स्तर पर लागू करने से पहले सरकार इसके चैलेंज को भी समझना चाह रही है। ताकि कुछ पेट्रोल पंपों से इसकी शुरुआत कर इसकी तकनीकी बारीकियों को भी समझा जा सके।

सभी गाड़ियों में नहीं डाला जाएगा ई-25

ई-25 बेचने से पहले सरकार और तेल कंपनियां इस फ्यूल ट्रांजिशन को लेकर ऑटोमोबाइल कंपनियों समेत सभी स्टेकहोल्डर से भी बात कर रही हैं।

सरकार रख सकती है कीमत कम

उम्मीद जताई जा रही है कि ई-25 को बढ़ावा देने के लिए सरकार शुरू में इसे कुछ सस्ता रख सकती है। इसमें तेल कंपनियों की रजामंदी भी जरूरी है। इसके लिए आईओसी और बीपीसी समेत तमाम तेल कंपनियों से भी बातचीत जारी है। इसके तहत दिल्ली में पूसा इंस्टीट्यूट की तरफ और राजधानी के एक-दो अन्य पेट्रोल पंपों से इसे बेचना शुरू किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि उम्मीद है कि कुछ दिनों बाद कुछ पेट्रोल पंपों से ई-25 पेट्रोल लोगों को मिलना भी शुरू हो जाए। सरकार साल 2030 तक ई-30 पेट्रोल बेचने पर भी काम कर रही है है।

● दो दशकों से ज्यादा लंबे बैंकिंग और बीमा करियर को अलविदा कहकर उन्होंने उद्यमिता का मुश्किल रास्ता चुना

सास ने दिया हौसला तो नौकरी छोड़कर शुरू किया बिजनेस, अब लाखों की कमाई कर रही है बहू

नई दिल्ली, एजेंसी। कनिका गंगहार राजधानी दिल्ली की रहने वाली हैं। उनकी कहानी साहस और पारिवारिक समर्थन की मिसाल है। दो दशकों से ज्यादा लंबे बैंकिंग और बीमा करियर को अलविदा कहकर उन्होंने उद्यमिता का मुश्किल रास्ता चुना। साल 2023 में कनिका ने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम नाचेरल है। यह सस्टेनेबल स्किन और हेयर केयर ब्रांड 53 से ज्यादा हाथ से बने ऑर्गेनिक और हर्बल प्रोडक्ट्स पेश करता है। ये सभी प्रोडक्ट्स छोटी-छोटी खेप में 100 प्रतिशत प्राकृतिक चीजों से बनाए जाते हैं। सास के प्रोत्साहित करने पर 6 लाख रुपये की पूंजी से कनिका ने इसकी शुरुआत की थी। अब यह ब्रांड लाखों की कमाई कर रहा है। आइए, यहां कनिका गंगहार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

छोड़ दी जमी-जमाई नौकरी: कनिका लेडी इरविन कॉलेज से ग्रेजुएट और एमिटी यूनिवर्सिटी से एमबीए हैं। बैंकिंग और इंश्योरेंस सेक्टर में 23 साल से अधिक समय बिताया। हालांकि, उनके मन में हमेशा से एथिकल स्किनकेयर ब्रांड शुरू करने का विचार था। इस सपने को हकीकत में बदलने का श्रेय वह अपनी दिवंगत सास मीना गंगहार को देती हैं। उन्होंने ही कनिका को अपनी जमी-जमाई नौकरी छोड़कर कुछ नया करने के लिए प्रेरित किया। सास के इसी भरोसे को सम्मान देने के लिए ब्रांड की पैरेंट कंपनी का नाम 'मीना एंटरप्राइजेज' रखा गया।

6 लाख की सेविंग से शुरुआत: कनिका ने जनवरी 2023 में अपनी सेविंग से 6 लाख रुपये का निवेश करके अपना ब्रांड लॉन्च किया। उन्होंने बाजार में सिंथेटिक उत्पादों और रसायनों की भरमार देखी। उसके विकल्प के रूप में 100 प्रतिशत नैचुरल और हैंडक्राफ्टेड यानी हाथ से बने उत्पाद पेश किए। उन्होंने दिल्ली में अपनी वर्कशॉप में छोटे बैचों में प्रोडक्ट बनाना शुरू किया। शुरुआत में 3 कैटेगरी से शुरू हुआ यह सफर अब 53 से अधिक उत्पादों तक पहुंच चुका है। इसमें फेस सीरम, बाथिंग बार और वेलनेस उत्पाद शामिल हैं। कनिका के लिए मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया बिल्कुल नई थी। शुरुआत में उन्हें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। इनमें फॉर्मूलेशन की जानकारी न होना, सप्लायरों के रिजेक्शन और उत्पादन में देरी जैसी मुश्किलें शामिल थीं। यहां तक कि खुद के मुंहासों के दागों के साथ एक ब्यूटी ब्रांड का चेहरा बनना उनके लिए मेंटल चैलेंज था। लेकिन, अपने पति और ससुराल के सहयोग से उन्होंने इन मुश्किलों को पार किया। उन्होंने 'ग्रीनवॉशिंग' (झूठे प्राकृतिक दावे) के दौर में शुद्धता और पारदर्शिता को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया।

पेट्रोल का दाम कहीं दोगुना हुआ तो डीजल ढाई गुना, भारत में है राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान संकट के बाद दुनिया में ईंधन की कीमतों में तेज उछाल आया है, लेकिन भारत ने अभी तक इस झटके को सीमित रखा है। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि यह स्थिरता कब तक बनी रहती है और वैश्विक बाजार का दबाव कब असर दिखाता है। ईरान संकट के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में आई तेज उछाल का असर दुनिया भर के फ्यूल मार्केट पर साफ दिख रहा है। क्रूड ऑयल आज भी 100 डॉलर के पार हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 107 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट अपडेट कर दी हैं। आज के रेट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है। जबकि, पड़ोसी देशों में कीमतें आसमान छू रही हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल 123.05 और चीन में 131.13 रुपये लीटर है। श्रीलंका में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 134.60 रुपये पर पहुंच गई है। जबकि, भूटान में पेट्रोल 102.78 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। बंग्लादेश में भी पेट्रोल 106.85 रुपये लीटर है। जबकि, म्यांमार में 147.54 रुपये। अगर दुनिया की बात करें तो ग्लोबल पेट्रोल प्राइस डॉट कॉम का लेटेस्ट डेटा बताता है कि कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। खासकर एशिया और छोटे विकासशील देशों में यह असर ज्यादा देखने को मिला। म्यांमार में पेट्रोल की कीमतें 101 प्रतिशत और डीजल 161 प्रतिशत तक बढ़ गईं, जो इस लिस्ट में सबसे ज्यादा उछाल है। लाओस, फिलीपींस और मलेशिया जैसे देशों में भी डीजल की कीमतों में 100 प्रतिशत के आसपास बढ़ोतरी दर्ज की गई। न्यूजीलैंड और यूएई जैसे अपेक्षाकृत विकसित बाजार भी इस झटके से अछूते नहीं रहे, जहां 80-100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखी गई। उथल-पुथल के बीच भारत का डेटा चौंकाने वाला है। यहां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 0 प्रतिशत बदलाव दिख रहा है। यह संकेत देता है कि सरकार और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों के झटके को सीधे उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचने दिया। भारत में ईंधन कीमतों को लेकर एक 'संतुलन रणनीति' अपनाई जाती है,

विजय वर्मा ने बताया मुश्किल थी 'मटका किंग' की शूटिंग

विजय वर्म इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। बातचीत में विजय ने इस प्रोजेक्ट को चुनने की वजह, शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों और निर्देशक नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस खेल की बारीकियों, उसे समझने में आई मुश्किलों और उससे जुड़ी अपनी निजी यादों का भी जिक्र किया।
नागराज के साथ काम करने की इच्छा थी 'मटका किंग' को हां कहने की वजह पूछे जाने पर विजय ने सबसे पहले निर्देशक नागराज मंजुले का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरा सपना था पर जब मैंने अपने किरदार के बारे में सुना तो थोड़ा डर गया कि मैं यह कर पाऊंगा या नहीं। डर इसीलिए था क्योंकि नागराज की फिल्मों में हर बारीकी पर ध्यान दिया जाता है।

मटके का खेल समझना था मुश्किल

शूटिंग के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या रही? इस पर विजय ने कहा, 'सबसे मुश्किल था मटके का खेल समझना। बाहर से देखने पर लगता है कि ये सिर्फ ताश का खेल है लेकिन जब आप उसे किरदार के साथ जीते हैं, तब पता चलता है कि उसके भीतर कितनी बारीकियां हैं। ताश खेलते हुए डायलॉग बोलना, बातचीत करना, एक्सप्रेशन बनाए रखना और साथ ही उस दुनिया में बने रहना... ये सब एक साथ करना अपने आप में बड़ा चैलेंज था।'
ट्रेन के सफर में खेलता था ताश
दिलचस्प बात यह है कि ताश से विजय का रिश्ता सिर्फ इस सीरीज तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि असल जिंदगी में भी वह ताश खेल चुके हैं। विजय बोले, 'मैंने रियल लाइफ में भी खूब ताश खेला है। हैदराबाद से किशनगढ़ के ट्रेन सफर के दौरान एक अलग ही माहौल हुआ करता था। लोग अपने सब जरूरी सामान के साथ ताश लेकर चलते थे, ताकि सफर आराम से कट जाए। मैं भी उन्हीं में शामिल था और मुझे भी सफर के दौरान ताश खेलना पसंद था।'
बातचीत के दौरान जब विजय से पूछा गया कि ऐसी कौन सी लत है, जो चाहकर भी छूट नहीं रही? तो विजय ने हंसते हुए कहा, 'मैं बहुत कोशिश करता हूं कि वक्त पर सो जाऊं लेकिन पता नहीं क्यों ऐसा हो नहीं पाता। रात के एक-दो बज ही जाते हैं। कोशिश तो करता हूं, लेकिन रोज बुरी तरह फेल हो जाता हूं। यही मेरी एक ऐसी आदत है, जिसे चाहकर भी बदल नहीं पा रहा हूं।'

परब्रमता चटर्जी के साथ काम कर खुश हैं निमृत कौर अहलूवालिया

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया।
निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है। इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, ''परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।''
फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है। इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई

थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है। बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

अपने पिता को याद कर भावुक हुईं अंकिता लोखंडे

छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने पिता को याद करते हुए कहा है कि वह अपनी हर सांस में उन्हें याद करती हैं। अंकिता के पिता शशिकांत लोखंडे का निधन लंबी बीमारी के बाद 2023 में हो गया था। अंकिता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने पिता के साथ की एक पुरानी तस्वीर साझा की है।
तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ हैं। अंकिता ने कैप्शन में लिखा, 'मैं हर सांस में आपको याद करती हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'जब आपके माता-पिता आपके साथ हों तो उनसे प्यार करें, वरना मेरा यकीन मानिए, बाद में आपको सिर्फ पछतावा होगा। वर्क फ्रंट पर, अंकिता और उनके पति विक्की जैन अभी 'लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड' के नए संस्करण में नजर आ रहे हैं, जिसमें अर्जुन बिजलानी, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, जन्नत जुबैर, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, निया शर्मा, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल जैसे कलाकार हैं। अंकिता ने पवित्र रिश्ता में अर्चना मानव देशमुख के रोल से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था। इसके बाद वह झलक दिखला जा 4 और कॉमेडी सर्कस में दिखीं। होंने एक थी नायिका के दो एपिसोड में भी किया।

आयुष्मान खुराना ने बताया कैसे सेलेक्ट करते हैं स्क्रिप्ट?

आयुष्मान खुराना इस साल तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इन दिनों आयुष्मान 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की। साथ ही बताया कि वह हर फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश क्यों करते हैं?

आयुष्मान की तीन फिल्में

आयुष्मान खुराना इस साल 2026 में तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं, ये सभी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पहली फिल्म कॉमेडी और रिश्तों पर है। जबकि दूसरी फिल्म अनोखी और विद्रोही है। तीसरी फिल्म परिवार और परंपरा पर आधारित है। पहली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो', जो 15 मई को रिलीज होगी। दूसरी फिल्म 'उड़ता तीर', जो 11 सितंबर को आएगी। तीसरी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया', जो 27 नवंबर को रिलीज होगी।
फिल्में कैसे सेलेक्ट करते हैं आयुष्मान
आयुष्मान ने कहा, 'मैं कभी भी जानबूझकर अलग तरह के रोल दिखाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए सिर्फ वो कहानियां महत्वपूर्ण हैं, जो मुझे दर्शक के रूप में अच्छी लगती हैं। तीन अलग-अलग फिल्में एक ही साल में करना रोमांचक है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी है। यह मुझे हर बार नया बनने के लिए प्रेरित करता है।'
'मैं मनोरंजक फिल्में करना चाहता हूं'
आयुष्मान ने कहा, 'आज के दर्शक कुछ नया देखना चाहते हैं। वे एक ही चीज बार-बार नहीं देखना चाहते। मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मनोरंजक हों और कुछ संदेश भी दें। अगर लोग इसे अलग तरह की फिल्में कह रहे हैं, तो मैं आभारी हूं। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ जिज्ञासु बने रहना और ईमानदार रहना है।

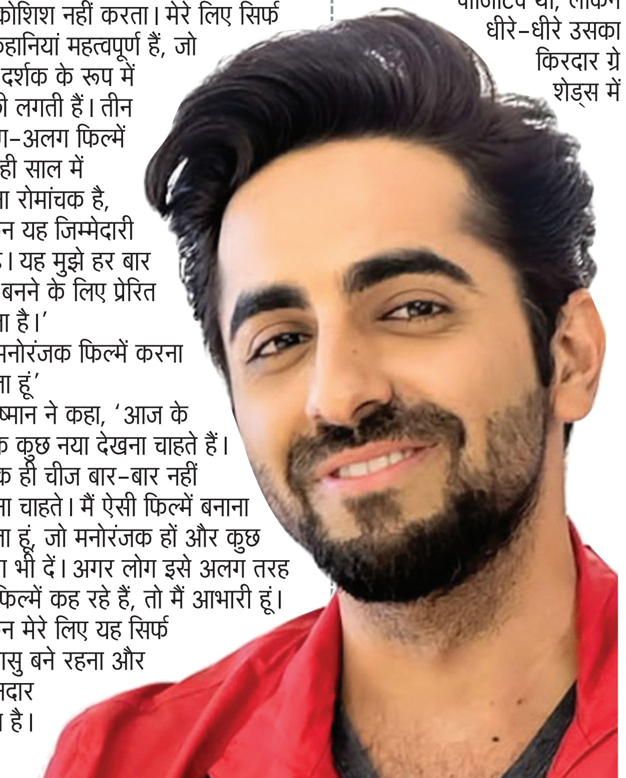

'जाने अनजाने हम मिले' में चुनौतीपूर्ण रहा नेगेटिव किरदार

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे।'
गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी। उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि नेगेटिव किरदार बनने के बाद कीर्ति के इंटेंस फैसलों को समझना और इमोशनल स्तर पर उन्हें स्वीकार करना उनके लिए लगातार चलने वाली प्रक्रिया रही है। कीर्ति जिस हद तक जाती है, रीत और राघव को नुकसान पहुंचाना, गुस्सा दिखाना या खुद को चरम की स्थिति में ले जाना, यह सब बहुत खतरनाक है। इन चीजों को समझना और इमोशनली सही ठहराना मेरे लिए काफी मुश्किल रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल के साथ भारत अहलावत राघव का किरदार निभा रहे हैं, जबकि आयुषी खुराना रीत की भूमिका में हैं।

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है, हर लड़की को दबंग होना चाहिए

'जो मेहनत करता है, उसे फल मिलता है।' कहना है जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर का। मराठी के साथ-साथ हिंदी फिल्म जगत में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरने वाली सई 'दुनियादारी', 'हंटर', 'मिमी', 'बेरोजगार', 'धुरला', 'दलदल' और 'डब्बा कार्टलट जैसे हिंदी-मराठी के प्रोजेक्ट्स से खुद को वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में साबित कर चुकी हैं। वह अपने सफर को बहुत ही ग्रेसफुल नजरों से देखती हैं और बहुत विनम्र महसूस करती हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज 'मटका किंग' से। उनसे एक बातचीत।

स्कूल में खेलती थी कबड्डी-कराटे

सई आज मराठी और हिंदी इंडस्ट्री में अपना अच्छा नाम बना चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। वह बताती हैं, 'मेरे पिता जहाज में काम करते थे और अक्सर समुद्री यात्राओं पर रहते थे। घर पर मैं और मम्मी ही होते थे, और उन्होंने मुझे हमेशा आत्मनिर्भर बनना सिखाया। मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं 'कबड्डी गर्ल' के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक 'लड़कियों वाली' बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। कॉलेज तक मेरा बॉयकट हेयरस्टाइल रहा। इसी दौरान मैंने कराटे सीखा और ऑरेंज बेल्ट हासिल की। मेरी मां और खेलों ने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। मेरा मानना है कि हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए।'

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है

आमतौर पर साउथ या मराठी फिल्म जगत से आई हुई एक्ट्रेसेस को रीजनल एक्ट्रेस का टैग दे दिया जाता है। इस पर वह अफसोस जताते हुए कहती हैं, 'कभी -कभार दर्द होता है कि ऐसा क्यों है? हम तो दोनी ही इंडस्ट्री में उतनी ही लगन और मेहनत काम करते हैं। हालांकि वो जमाना चला गया है, जब भाषा के आधार पर विभाजन किया जाता था। इस मुद्दे पर मैं दर्शकों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वो हमें काम के आधार पर तौलें। जहां तक टैग देने की बात है, तो उन्हें तोड़ने में भी खूब मजा आता है। वो हमारे लिए ईंधन का काम करते हैं। मेरे जैसे और भी कई कलाकार हैं, जो इस बॉक्स को तोड़ने में लगे हुए हैं। हिंदी में 'मिमी' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझे इस टैग से बाहर आने में मदद की। मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और भी कई दूसरे पुरस्कार मिले।'

'कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है'

सई मानती हैं कि लेबल लगाने के साथ-साथ कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है। वह कहती हैं कि ये सालों से अंडरकरंट देखा जाता है। वह कहती हैं, 'इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।' इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

प्रियंका और सामंथा लाईं बदलाव

पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में हीरोइन की तुलना में हीरो को ज्यादा अहमियत जी जाती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'कुछ सालों में ये हालात बदले हैं। प्रियंका चोपड़ा और सामंथा रुथ प्रभु का इस बदलाव में बड़ा योगदान यही। इन्होने धीरे-धीरे वो ब्रैकेट्स तोड़ने शुरू किए। पहले की तुलना मैंने आज हालात बदले हैं, पहले तो बहुत ही बुरी स्थिति थी।' पे पैरिटी के मुद्दे पर सई ताम्हणकर कहती हैं, 'जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारात्मक चीजों पर बात काम ही होती है।

वेब सीरीज के लिए छोड़ी प्राइज मनी

इंडस्ट्री में दो दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी सई अपनी फीस को लेकर कहती हैं, 'मैं अगर अपनी बात करूं, तो कई बार मैं अपने मनमुताबिक अपनी फीस ले पाती हूं और कई बार नहीं ले पाती, मगर जितनी बार ले पाई, उसने मुझे बहुत हौसला दिया है। एक एक्टर को पता होता है कि कब अपनी फीस छोड़नी है और कब अड़े रहना है, क्योंकि एक्टिंग के पेशे के बावजूद कई बार हम सृजनात्मक संतुष्टि के लिए काम करते हैं, तो कई बार ऐसा मौका भी आया कि मैंने अपनी प्राइज मनी छोड़ दी हो।' 'मैंने यूट्यूब के लिए एक वेब सीरीज की थी और उसके लिए मैंने अपना मेहनताना छोड़ दिया था, मगर उसका जो रिस्पॉन्स आया था, उसका मोल कुछ हो ही नहीं सकता। उस वेब सीरीज का नाम था 'बेरोजगार'।

स्पैनिश फुटबॉल में बवाल ! गोलकीपर ने मुंह पर मारा मुक्का, मैदान में जमकर चले लात-घूंसे

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन की सेगुंडा डिविजन में रियल जारगोजा और एसडी ह्यूएस्का के बीच खेले गए मुकाबले में उस समय बड़ा बवाल मच गया जब गोलकीपर एस्तेबान आंद्रादा ने विरोधी खिलाड़ी को मुक्का मार दिया। यह मैच पहले से ही रेलेगेशन की लड़ाई के कारण तनावपूर्ण था।

रेड कार्ड के बाद बढ़ा विवाद

मैच के इंजरी टाइम में आंद्रादा को दूसरे पीले कार्ड के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने ह्यूएस्का के एक खिलाड़ी को धक्का दिया था, जिसके बाद रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। लेकिन इसके बाद मामला और बिगड़ गया। रेड कार्ड मिलने के कुछ ही पलों बाद आंद्रादा ने दौड़कर जॉर्जे पुलिदो के चेहरे पर मुक्का जड़ दिया।

मैदान पर मारपीट, कई खिलाड़ी बाहर

इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई और मैदान पूरी तरह से जंग का मैदान बन गया। इस दौरान दानी जिमिनेज और दानी तासेंदे को भी रेड कार्ड दिखाया गया। अरागोनीज डर्बी के नाम से मशहूर इस मुकाबले में खिलाड़ियों का गुस्सा साफ दिखाई दिया।

मैच का नतीजा भी छूटा पीछे

इस पूरे विवाद के बीच मैच का नतीजा कहीं पीछे छूट गया। ऑस्कर सिएल्वा के पेनल्टी गोल की बदौलत ह्यूएस्का ने 1-0 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने पॉइंट्स टेबल में जरागोजा को पीछे छोड़ दिया, हालांकि दोनों टीमें अभी भी रेलेगेशन जोन में हैं।

आंद्रादा ने मांगी माफी

मैच के बाद आंद्रादा ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा, 'मैं अपना ध्यान खो बैठा था और जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं और जो भी सजा मिलेगी, उसे स्वीकार करूंगा।'

क्लब ने भी जताई नाराजगी

रियल जरागोजा क्लब ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की। क्लब ने अपने बयान में कहा, 'हमने ऐसे दृश्य देखे जो इस खेल के अनुरूप नहीं हैं और कभी नहीं होने चाहिए थे। ये घटनाएं हमारे क्लब और हमारे फैंस के मूल्यों को नहीं दर्शातीं। हम कई लोगों, खासकर बच्चों के लिए आदर्श हैं, इसलिए ऐसी तस्वीरें कभी सामने नहीं आनी चाहिए थीं।'

पंत की रणनीति पर उठे सवाल, नरेन के सामने पूरन को भेजकर की भारी भूल

सुपरओवर में कोलकाता नाइट राइडर्स को तोहफे में दी जीत

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपरजाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया मुकाबला क्रिकेट फैंस के लिए किसी थ्रिलर से कम नहीं था। मैच आखिरी गेंद तक गया, जहां मोहम्मद शमी के छक्के ने स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद जो हुआ, उसने लखनऊ की रणनीति और कप्तानी दोनों पर सवाल खड़े कर दिए।

रिंकू सिंह और नरेन ने पलटा पूरा खेल

रिंकू सिंह ने नाबाद 83 रन की शानदार पारी खेलकर केकेआर को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। वहीं सुपर ओवर में सुनील नरेन ने घातक गेंदबाजी करते हुए सिर्फ एक रन देकर दो विकेट झटके। नतीज- एलएसजी सिर्फ एक रन बना सकी, जो आईपीएल इतिहास का सबसे कम सुपर ओवर स्कोर बन गया। इसके जवाब में केकेआर ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

बड़ा सवाल- पूरन को क्यों भेजा गया?

सुपर ओवर में लखनऊ ने निकोलस पूरन और एडेन मार्करम को बल्लेबाजी के लिए भेजा। यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि टीम के पास ऋषभ पंत, मिचेल मार्श और मुकुल चौधरी जैसे विकल्प मौजूद थे। पूरन उस मैच में पहले ही नौ रन बनाकर आउट हो चुके थे और पूरे सीजन में उनका फॉर्म बेहद खराब रहा है। वह आईपीएल 2026 में अब तक आठ मैचों में सिर्फ 82 रन बना सके हैं।

कहानी बद से बदतर हो गई

जब 12 साल पहले सुपर ओवर में पूरन और नरेन आमने-सामने आए थे, तब भी नतीजा लगभग ऐसा ही रहा था। पूरन पहली चार गेंदों पर कोई शॉट ठीक से कनेक्ट नहीं कर पाए थे और पांचवीं गेंद पर लॉन्ग-ऑफ पर कैच आउट हो गए थे। इस बार भी कहानी नहीं बदली, बल्कि और खराब हो गई। सुपर ओवर की पहली ही गेंद पर नरेन ने पूरन को बोल्ड कर दिया, जिससे लखनऊ की उम्मीदें शुरुआत में ही खत्म हो गईं।

टी20 सुपर ओवर में पूरन VS नरेन

कैरिबियाई लीग 2014	0 रन (5 गेंद)
कैरिबियाई लीग 2021	1 रन (2 गेंद)
आईपीएल 2026	0 रन (1 गेंद)
कुल	1 रन, 2 बार आउट

आंकड़े क्या कहते हैं?

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो यह फैसला और भी हैरान करता है, क्योंकि सुपर ओवर में पूरन का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने सुपरओवर में कुल 10 गेंदों में सिर्फ एक रन बनाए हैं। वह पांच बार आउट हो चुके हैं। इतना ही नहीं, सुनील नरेन के खिलाफ सुपर ओवर में आठ गेंदों पर वह सिर्फ एक रन ही बना सके हैं। यानी जिस बल्लेबाज को सबसे अहम मौके पर भेजा गया, उसके आंकड़े इस फैसले के बिल्कुल खिलाफ थे।

नंबर झूठ नहीं बोलते

कोच लैंगर ने भले ही पूरन पर भरोसा जताया हो, लेकिन आंकड़े इस फैसले के बिल्कुल उलट कहानी बताते हैं, खासतौर पर जब सामने गेंदबाज नरेन हों। ये आंकड़े साफ दिखाते हैं कि सुपर ओवर जैसे हाई-प्रेशर मोमेंट में पूरन का रिकॉर्ड नरेन के खिलाफ बेहद कमजोर रहा है। ऐसे में उन्हें सबसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजना एक बड़ा जोखिम था, जो आखिरकार लखनऊ टीम पर भारी पड़ गया।एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के निशाने पर आ गए। फैंस का कहना था कि पंत को पूरन और नरेन के पुराने रिकॉर्ड की जानकारी होनी चाहिए थी। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि इतने बड़े मैच में ऐसा जोखिम भरा फैसला क्यों लिया गया। कुछ फैंस का मानना था कि पंत खुद या मिचेल मार्श या फिर मुकुल चौधरी को पहले भेजना चाहिए था, जिससे टीम को बेहतर शुरुआत मिल सकती थी।

रघुवंशी आउट भी हुए और अब जुर्माना भी देना होगा!

लखनऊ। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद केकेआर के युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। उन्हें मैच के दौरान गुस्से में किए गए व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' पर आउट होने के बाद भड़के

यह घटना मैच के पांचवें ओवर में हुई, जब रघुवंशी को 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' के तहत आउट दिया गया। इस फैसले के बाद वह अपना आपा खो बैठे और गुस्से में आकर उन्होंने बैट से बाउंड्री कुशन पर मारा। इतना ही नहीं, उन्होंने अपना हेलमेट भी डगआउट की ओर फेंक दिया, जो आईपीएल के आचार संहिता के खिलाफ है।

आईपीएल ने सुनाई सजा

आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'अंगकृष रघुवंशी, कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज और विकेटकीपर, पर मैच नंबर 38 में आचार संहिता के लेवल-एक के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है।' आगे बताया गया कि उन्होंने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो मैच के दौरान उपकरण या मैदान से जुड़े सामान के दुरुपयोग से संबंधित है। रघुवंशी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया है। आईपीएल नियमों के अनुसार, लेवल-एक के उल्लंघन में मैच रेफरी का फैसला अंतिम होता है। लखनऊ के खिलाफ यह मैच केकेआर ने सुपर ओवर में जीता था, लेकिन इस जीत के बीच रघुवंशी का यह व्यवहार चर्चा का विषय बन गया।

मैड्रिड ओपन: अस्वस्थ होने के बावजूद कोको गॉफ ने चौथे दौर में बनाई जगह

काजा मैजिका। मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अमेरिका की स्टार खिलाड़ी Coco Gauff ने शानदार जज्बा दिखाते हुए बीमारी के बावजूद चौथे दौर में जगह बना ली। मैच के दौरान असहज महसूस करने और कोर्ट पर उल्टी करने के बावजूद गॉफ ने हार नहीं मानी और मुकाबला जीत लिया। पिछले साल फाइनल तक पहुंचने वाली गॉफ ने के खिलाफ पहला सेट 4-6 से गंवा दिया था। लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए 7-5, 6-1 से मैच अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट के दौरान गॉफ को अचानक अस्वस्थता महसूस हुई और उन्होंने कोर्ट पर उल्टी कर दी, जिससे वह कुछ समय के लिए परेशान नजर आईं।मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'जब मैने कोर्ट पर उल्टी की, तो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी सारी ऊर्जा खत्म हो गई हो।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं मैच से हटना पसंद नहीं करती। जब तक मुझे लगता है कि मेरे पास खेलने का मौका है, मैं मैदान नहीं छोड़ती।' इससे पहले दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ीSwiatek भी अज्ञात बीमारी के कारण अपना मैच बीच में छोड़ने पर मजबूर हो गई थीं।

शेवरोन चैंपियनशिप जीतकर नेली कोर्डा बनीं दुनिया की नंबर-1 महिला गोल्फर

टेक्सास। अमेरिका की स्टार गोल्फर नेली कोर्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेवरोन चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही वह एक बार फिर महिला विश्व रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर पहुंच गई हैं।27 वर्षीय कोर्डा ने टूर्नामेंट के चौथे और अंतिम दौर में 2 अंडर 70 का स्कोर बनाया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में लगातार शानदार खेल दिखाया और कुल 18 अंडर 270 के स्कोर के साथ पांच शॉट से जीत दर्ज की। इस जीत के दौरान कोर्डा ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और किसी भी प्रतिद्वंद्वी को वापसी का मौका नहीं दिया।यह कोर्डा के करियर का तीसरा मेजर खिताब है। इसके अलावा यह उनकी एलपीजीए टूर पर 17वीं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 21वीं जीत रही। उनका यह प्रदर्शन उनकी निरंतरता और बड़े टूर्नामेंट में दबाव संभालने की क्षमता को दर्शाता है।इस जीत के साथ कोर्डा अगस्त के बाद पहली बार महिला गोल्फ की विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रही हैं। उनकी यह उपलब्धि उन्हें मौजूदा समय की सबसे बेहतरीन महिला गोल्फरों में एक बार फिर स्थापित करती है।कोर्डा ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखा। खास बात यह रही कि कोई भी खिलाड़ी उनके स्कोर के करीब नहीं पहुंच सका, जिससे उनकी जीत एकतरफा नजर आई।

दो दिग्गज भिड़े: श्रेयस-पाटीदार या ईशान में श्रेष्ठ कप्तान कौन? सहवाग-जहीर ने रखी अलग-अलग राय

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बेहतरीन नेतृत्व दिखाया है। टीम ने अपने पहले सात मैचों में छह जीत और एक 'नो रिजल्ट' के साथ शानदार शुरुआत की है। अय्यर आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने सीजन के शुरुआती सात मैचों में हार का सामना नहीं किया।

सहवाग ने दी परफेक्ट रेटिंग

पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग अय्यर की कप्तानी से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने अय्यर को पूरे 10 में 10 अंक दिए। वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने थोड़ा अलग नजरिया पेश किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'सख्त टीचर ने तो पूरे नंबर दे दिए, लेकिन उदार टीचर ने नहीं।' इस पर सहवाग ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि शायद जहीर ने पिछले सीजन के फाइनल में मिली हार (पंजाब की बेंगलुरु से हार) के कारण अंक काटे होंगे। जहीर खान ने अय्यर की कप्तानी को सराहा जरूर, लेकिन उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान

रजत पाटीदार की लीडरशिप को उनसे आगे बताया। उन्होंने कहा कि भले ही पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष पर है, लेकिन सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है।

ईशान की कप्तानी की भी तारीफ

जहीर खान ने सनराइजर्स हैदराबाद के स्टैंड-इन कप्तान ईशान किशन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में उन्होंने पैट कमिंस के लीडरशिप स्टाइल को फॉलो किया, लेकिन कुछ मैचों के बाद उन्होंने अपना खुद का तरीका अपनाया और टीम मैनेजमेंट को बदलाव के लिए राजी किया।'

पॉइंट्स टेबल में पंजाब टॉप पर

फिलहाल पंजाब किंग्स 14 में से 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स 10-10 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। आईपीएल में अब प्लेऑफ की जंग रोमांचक हो चली है। 24 मई को लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले खेले जाएंगे। हालांकि, बीसीसीआई ने अब तक नॉकआउट चरण का शेड्यूल नहीं जारी किया है।

पीएसएल के प्लेऑफ में दो विदेशी और दो पाक कप्तान ! फाइनल में पहुंचने की जंग

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंच रहा है। लीग की चार प्लेऑफ की टीमें तय हो चुकी हैं। इस बार पीएसएल के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चार टीमों में से दो के कप्तान विदेशी हैं, जबकि दो के कप्तान पाकिस्तानी हैं। हालांकि, इसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मार्नस लाबुशेन की कप्तानी वाली टीम भी प्लेऑफ में पहुंच गई है। लाबुशेन टेस्ट और वनडे के खिलाड़ी माने जाते हैं। इसके अलावा तीन अन्य कप्तान हैं- बाबर आजम, शादाब खान और एश्टन टर्नर। टर्नर और लाबुशेन ऑस्ट्रेलियाई हैं।

बाबर आजम की कप्तानी वाली पेशावर जाल्मी टीम 10 मैचों में आठ जीत और एक हार के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रही। एक मैच बेनतीजा रहा और अंक 17 रहे। दूसरे स्थान पर शादाब खान की अगुआई वाली इस्लाम बाद यूनाइटेड की टीम रही। उसने 10 मैचों में से छह मैच जीते और तीन में हार का सामना

करना पड़ा। एक मैच बेनतीजा रहा। टीम के पास 13 अंक हैं। तीसरे स्थान पर एश्टन टर्नर की अगुआई वाली मुल्तान सुल्तांस की टीम रही। उसने 10 मैचों में से छह मैच जीते और चार गंवाए। टीम के अंक 12 रहे। चौथे स्थान पर मार्नस लाबुशेन की अगुआई वाली हैदराबाद किंग्स की टीम रही। उसने 10 में से पांच मैच जीते और पांच में उन्हें हार मिली। 10 अंक के साथ टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। शाहीन अफरीदी की अगुआई वाली लाहौर कलंदर्स पांचवें, डेविड वॉर्नर की अगुआई वाली कराची किंग्स छठे, सऊद शकील की अगुआई वाली क्वेटा ग्लैडिएटर्स सातवें और मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली रावलपिंडीज टीम आठवें स्थान पर रही। सलमान आगा को कप्तानी नहीं दी गई थी। वह वॉर्नर की अगुआई वाली कराची किंग्स टीम में शामिल थे। हालांकि, प्लेऑफ में अपनी टीम को नहीं पहुंचा सके। पाकिस्तान के बड़े-बड़े तोप प्लेऑफ की रेस में ढेर हो गए और लाबुशेन अपनी टीम को आगे ले जाने में कामयाब रहे। पाकिस्तान के बड़े खिलाड़ियों में, जिन्हें प्लेऑफ में खेलते नहीं देख सकेंगे, उनमें अबरार अहमद, उस्मान तारिक (दोनों क्वेटा ग्लैडिएटर्स), मोहम्मद आमिर, नसीम शाह (दोनों रावलपिंडीज), फखर जमां, अब्दुल्लाह शफीद, आसिफ अली, हारिस रऊफ (चारों लाहौर कलंदर्स), खुशदिल शाह, हसन अली, आजम खान और अब्बास अफरीदी (चारों कराची किंग्स) शामिल हैं।

प्लेऑफ में किसका किससे मुकाबला?

पाकिस्तान सुपर लीग में प्लेऑफ स्टेज की शुरुआत 28 अप्रैल से होगी। 28 अप्रैल को क्वालिफायर-1 खेला जाएगा। वहीं, 29 अप्रैल को मुल्तान सुल्तांस और हैदराबाद किंग्समेन के बीच एलिमिनेटर-1 खेला जाएगा। क्वालिफायर-1 में बाबर की पेशावर जाल्मी का सामना शादाब की इस्लामाबाद यूनाइटेड से होगा। इसमें जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी, जबकि हारने वाली टीम एलिमिनेटर-2 खेलेगी। एलिमिनेटर-1 में तीसरे स्थान पर रहने वाली मुल्तान और चौथे स्थान पर रहने वाली हैदराबाद खेलेगी। इसमें जीतने वाली टीम क्वालिफायर-1 हारने वाली टीम के साथ एलिमिनेटर-2 खेलेगी। वहीं, हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। एलिमिनेटर-2 एक मई को खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला तीन मई को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा। सिर्फ क्वालिफायर-1 कराची में होगा, वरना प्लेऑफ के बाकी सारे मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होंगे।

पाकिस्तान सुपर लीग का यह 11वां संस्करण है। अब तक छह अलग-अलग टीमों ने खिताब जीते हैं। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 2016, 2018 और 2024 में कुल मिलाकर तीन बार खिताब जीता है। वहीं, लाहौर कलंदर्स ने भी 2022, 2023 और 2025 में कुल मिलाकर तीन बार खिताब पर कब्जा जमाया। मुल्तान सुल्तांस (2021), पेशावर जाल्मी (2017), क्वेटा ग्लैडिएटर्स (2019) और कराची किंग्स (2020) ने एक-एक बार खिताब जीता है।

संक्षिप्त समाचार

महंगे सुधार और पुर्जों की कमी से दम तोड़ रही भारत की मरम्मत संस्कृति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर सहित पूरा भारत अपनी 'जुगाड़' और पुराने सामान को मरम्मत कराकर चलाने

वाली संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन हालिया अध्ययन बताते हैं कि बढ़ती खरीदारी और तकनीक के दौर में भारत की यह पारंपरिक रिपेयर संस्कृति अब खतरे में है। पर्यावरण थिंक टैंक टाक्सिक लिंक की नई रिपोर्ट 'स्टिच इन टाइम' के अनुसार महंगे रिपेयर खर्च और पुर्जों की कमी के कारण भारतीय अब मरम्मत के बजाय नया सामान खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बढ़ते ई-कचरे से निपटने के लिए केवल रिसाइक्लिंग काफी नहीं है। अगर भारत को टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ना है, तो उसे अपनी पुरानी 'मरम्मत संस्कृति' को आधुनिक कलेवर में वापस लाना होगा। ताकि भविष्य में ये लोगों के लिए मुसीबत नहीं बने। कहीं मजबूरी, कहीं पसंद यह अध्ययन दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, नागपुर और रांची जैसे पांच प्रमुख शहरों में किया गया, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

भारत में ऑपरेट करने वाली विदेशी एयरलाइंस के लिए डीजीसीए ने सख्त किए नियम

नई दिल्ली। भारत सरकार ने विदेशी एयरलाइंस के लिए नियम काफी सख्त कर दिए हैं। अब डीजीसीए सुरक्षा मानकों में कमी या उल्लंघनों की स्थिति में किसी भी विदेशी एयरलाइन का ऑपरेटिंग ऑथराइजेशन रद या निलंबित कर सकता है। डीजीसीए प्रमुख वीर विक्रम यादव ने अपने आदेश में कहा है कि विदेशी एयरलाइंस को भारत में एक स्थानीय प्रतिनिधि नामित या नियुक्त करना होगा। यह प्रतिनिधि रेगुलेटर से सभी मामलों में संपर्क का माध्यम होगा। पहले भारतीय एयरलाइंस को ही उपभोक्ता संरक्षण नियमों का पालन करना पड़ता था, लेकिन अब विदेशी एयरलाइंस पर भी डीजीसीए का अधिकार क्षेत्र बढ़ा दिया गया है। विदेशी एयरलाइंस को यात्रियों की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए प्रभावी व्यवस्था बनानी होगी। उन्हें शिकायतों का डेटाबेस रखना होगा और समय-समय पर डीजीसीए को रिपोर्ट जमा करनी होगी। विदेशी एयरलाइन का ऑथराइजेशन रद या निलंबित किए जाने के मुख्य आधारों में शामिल है कि एयरलाइन का स्वामित्व और नियंत्रण नामित देश के पास न हो या वह सुरक्षा और संरक्षा मानकों को बनाए रखने में विफल रहे। आपात स्थिति को छोड़कर ऐसी कार्रवाई संबंधित सरकार से परामर्श के बाद ही की जाएगी। अगर कोई विदेशी एयरलाइन किसी भारतीय हवाई अड्डे से चार लगातार ट्रैफिक सीजन तक निर्धारित उड़ानें नहीं चलाती है, तो उस हवाई अड्डे के लिए उसका ऑथराइजेशन स्वत: निलंबित माना जाएगा। विदेशी एयरलाइंस को अतिरिक्त उड़ानों के लिए कम से कम सात कार्य दिवस पहले आवेदन करना होगा। साथ ही उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उड़ानें द्विपक्षीय ट्रैफिक अधिकारों और स्वीकृत स्लॉट के दायरे में ही हों। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच कुवैत से भारत के लिए सीधी उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं। 27 फरवरी के बाद रविवार को पहली उड़ानें रवाना हुईं। कुवैत की साप्ताहिक उड़ानें शुरू कर रही है और स्थिति पर नजर रखे हुए है। उड़ानें 21 अप्रैल से बहरीन और भारत के विभिन्न शहरों के बीच संचालित हो रही हैं।

अंगदान से लौटी जिंदगी: दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में महिला का सफल हैंड ट्रांसप्लांट

12 घंटे तक चली सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी। चारा काटने वाली मशीन से हुए एक दर्दनाक हादसे में अपने दोनों हाथ गंवाने के बाद एक युवा महिला का जीवन पूरी तरह बदल गया था। वह रोजमर्रा के छोटे-छोटे कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हो गई थी, जिससे उसकी स्वतंत्रता और आत्मसम्मान पर गहरा असर पड़ा। लंबे संघर्ष के बाद उसके जीवन में नई उम्मीद तब जगी, जब उसे हाथ प्रत्यारोपण का विकल्प मिला। राजधानी के सर गंगा राम अस्पताल में ब्रेन-डेड डोनर के परिजनों की सहमति से ऊपरी अंग दान के बाद यह जटिल सर्जरी संभव हो सकी। करीब 12 घंटे तक चली इस अत्यंत जटिल प्रक्रिया में दोनों हाथों का सफल प्रत्यारोपण किया गया। इसमें दाहिना हाथ सुप्राकान्डिलर स्तर पर तथा बायां हाथ डिस्टल फोरआर्म स्तर पर सफलतापूर्वक जोड़ा गया। डाक्टरों ने इस दौरान नसों, मांसपेशियों, हड्डियों और रक्त वाहिकाओं को अत्यंत सूक्ष्म तकनीक से पुनः जोड़ा। अस्पताल में शामिल विशेषज्ञ टीम में डा. महेश मंगल, डा. अनुभव गुप्ता, डा. भीम नंदा और डा. निखिल झुनझुनवाला शामिल रहे। डा. महेश मंगल ने कहा कि यह द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण पुनर्निर्माण माइक्रोसर्जरी की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक है, जो गंभीर रूप से अंग-विहीन मरीजों को नया जीवन देने की क्षमता रखती है। डा. अनुभव गुप्ता के अनुसार यह केवल सर्जरी नहीं, बल्कि अत्यंत सटीक और समय निर्धारित प्रक्रिया थी, जिसका उद्देश्य मरीज को गरिमा और कार्यक्षमता वापस दिलाना है। डा. भीम नंदा ने बताया कि लंबे समय तक इस्कीमिया के दौरान ऊतकों की जीवंतता बनाए रखना और रक्त प्रवाह बहाल करने से पहले स्थिर फिक्सेशन इस सर्जरी के सबसे चुनौतीपूर्ण चरण थे। समन्वित प्रयास से संभव हो सकी। अस्पताल प्रशासन ने डोनर और उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निस्वार्थ निर्णय ने एक जीवन को फिर से उम्मीद, आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीने का अवसर दिया है।

वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल में गंभीर अनियमितताएं, दो दिन के औचक निरीक्षण में खुली पोल

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी सेक्टर-13 स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल में राज्य शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने लगातार दो दिन आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंभीर प्रशासनिक, वित्तीय और सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं सामने आई हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्कूल बिना वैध फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के संचालित हो रहा था। बार-बार निरीक्षण के बावजूद आवश्यक सुरक्षा मानकों की कमी के कारण फायर विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया गया। स्कूल में संचालित स्विमिंग पूल भी बिना लाइसेंस के चल रहा था और उसमें बुनियादी सुरक्षा प्रविधानों का अभाव पाया गया। न तो गहराई का स्पष्ट संकेत था और न ही कार्यशील ऑक्सीजन सिलिंडर उपलब्ध पाया गया। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। सरकार की ओर से बताया गया है कि सभी प्राइवेट स्कूलों की जांच की जा रही है और गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उन्हें टेकओवर कर लिया जाएगा।

टीम में शामिल वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों से इस स्कूल के खिलाफ अभिभावकों को प्रताड़ित करने और दाखिले के नाम पर अवैध डोनेशन वसूली की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण टीम ने यह भी पाया कि स्कूल के बेसमेंट में लगभग 18 कमरों में स्टेम लैब (साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग और गणित), रोबोटिक्स, वेस्टर्न म्यूजिक और डांस कक्षाएं संचालित की जा रही थीं, जो एमसीडी भवन मानकों, सीबीएसई और शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है क्योंकि छात्रों की गतिविधियों के लिए बेसमेंट का उपयोग प्रतिबंधित है। छात्रों ने पीने के पानी की खराब गुणवत्ता और भुगतान आधारित भोजन व्यवस्था को लेकर भी शिकायतें दर्ज कराईं।

हिंदुस्तान भी बर्बादी के रास्ते पर...; ट्रंप का जिक्र कर कांग्रेस नेता बोले?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित हिल्टन होटल में आयोजित हाई-प्रोफाइल व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। इस बीच कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का बयान भी चर्चा में आ गया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका की नीतियों और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल में दुनिया पर दबदबा बनाने की कोशिश की, जिससे कई देशों के साथ तनाव बढ़ा और इसका असर अमेरिका पर भी पड़ा। उन्होंने कहा

कि ईरान से कोई सीधा विवाद नहीं था, लेकिन इस्राइल का समर्थन और आक्रामक नीतियों के कारण हालात बिगड़े। उनके मुताबिक, ट्रंप की नीतियों और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं ने अमेरिका को नुकसान पहुंचाया। वडेट्टीवार ने आगे कहा कि भारत में भी लोगों के मन में असंतोष है। भले ही लोग खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर यह भावना बन रही है कि देश सही दिशा में नहीं जा रहा।

व्हाइट हाउस डिनर में फायरिंग मामला: गौरतलब है कि शनिवार रात करीब 8:34 बजे डिनर कार्यक्रम के दौरान अचानक हलचल मच गई। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कार्यक्रम में मौजूद थे और वेइजिया जियांग व मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन से बातचीत कर रहे थे। खतरे का संकेत मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। सीक्रेट सर्विस ने फौरन कार्रवाई करते हुए ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उषा वेंस को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के कुछ घंटों बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी कि एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है।

'पहले खुले होर्मुज, फिर होगी परमाणु मुद्दे में बात', ईरान ने अमेरिका को दो-सूत्रीय प्रस्ताव भेजा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और शांति वार्ता के ठप पड़ने के बीच ईरान ने अमेरिका को एक नया दो-चरणीय शांति प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए वॉशिंगटन तक पहुंचाया गया है, जिसमें सबसे पहले होर्मुज स्ट्रेट को खोलने और क्षेत्रीय युद्ध को समाप्त करने की बात कही गई है। अमेरिकी न्यूज आउटलेट एक्सियोस के अनुसार, ईरान चाहता है कि परमाणु मुद्दों पर बातचीत को बाद के चरण में रखा जाए। ईरान की प्रस्तावित दो-चरणीय योजना के अनुसार पहले होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और अमेरिका की नाकेबंदी खत्म करने पर जोर दिया गया है। इसके बाद युद्धविराम या स्थायी शांति समझौते की बात है, जबकि परमाणु मुद्दों पर बातचीत बाद में की जाएगी। यह प्रस्ताव पाकिस्तान और ओमान के जरिए अमेरिका तक पहुंचा है।

पहले चरण में: होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाए और अमेरिका की ब्लॉकेड नीति खत्म की जाए।

दूसरा चरण: युद्ध विराम या स्थायी शांति समझौता लागू हो।

इसके बाद: परमाणु कार्यक्रम पर औपचारिक वार्ता शुरू हो।

रूस, ओमान और पाकिस्तान जैसे देश मध्यस्थता की कोशिशों में लगे हुए हैं। वहीं अमेरिका अभी इस नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, लेकिन उसकी अंतिम प्रतिक्रिया स्पष्ट नहीं है। अमेरिका ने ईरान पर सख्त शर्तें रखी हैं, जिनमें कम से कम 10 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना, मौजूदा परमाणु सामग्री देश से बाहर भेजना और मिसाइल कार्यक्रम के साथ क्षेत्रीय समूहों को समर्थन खत्म करना शामिल है। ट्रंप की नीति के अनुसार, ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बातचीत क्यों अटकी?: ईरान और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत फिलहाल ठप पड़ती नजर आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी वार्ता प्रतिनिधियों की पाकिस्तान यात्रा रद्द होने के बाद यह संकेत मिला कि वॉशिंगटन ईरान के शुरुआती प्रस्ताव से सहमत नहीं है। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने भी स्पष्ट किया है कि देश के भीतर इस मुद्दे पर अभी एक साझा राय नहीं बन पाई है।

हमलावर ट्रंप प्रशासन की नीतियों से नाराज था और उसने इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की

वॉशिंगटन, एजेंसी। रविवार को वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस कॉरेसपोंडेंट डिनर में गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को अपने किए पर पछतावा भी था। इसके बावजूद उसने गोलीबारी करने का फैसला किया। संदिग्ध द्वारा अपने एक रिश्तेदार को भेजे गए कबूलनामे में इसका खुलासा हुआ है। संदिग्ध ट्रंप प्रशासन की नीतियों से नाराज था और उसने इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की। हालांकि अपने घोषणा पत्र में आरोपी ने राष्ट्रपति ट्रंप का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। अपने कबूलनामे के अंत में कोल ने लिखा, 'अगर कोई ये जानना चाहता है कि ऐसा करने पर कैसा लगता है तो ये बहुत बुरा है। मुझे उल्टी जैसा महसूस हो रहा है। मैं उन सभी चीजों के लिए रोना चाहता हूं, जो मैं नहीं कर पाऊंगा। साथ ही उन सभी लोगों के लिए भी, जिनके भरोसे को मैंने तोड़ा। इस सरकार ने जो भी किया है, उसके बारे में सोचकर मुझे बहुत गुस्सा आता है।' घोषणा पत्र में

कथित तौर पर हमलावर कोल एलन ने लिखा, 'मैं अब एक बाल यौन शोषण करने वाले, दुष्कर्मी और देशद्रोही को मेरे हाथों को अपने अपराध से और दागदार नहीं करने दूंगा।' हमलावर कोल एलन ने छात्रों से अपील करते हुए ऐसा कोई भी काम नहीं करने की सलाह दी। उसने लिखा, 'मैं बिल्कुल भी इसकी अनुशंसा नहीं कर सकता, बच्चों स्कूल में ही रहो।' हमलावर ने ये भी बताया कि उसके निशाने पर पूरी ट्रंप कैबिनेट थी, लेकिन उसने साफ तौर पर लिखा कि एफबीआई प्रमुख काश पटेल उसके निशाने पर नहीं हैं। हमलावर ने लिखा कि 'एक गाल पर थप्पड़ पड़ने के बाद आप दूसरा गाल तभी आगे करते हैं, जब आप खुद पीड़ित होते हैं। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, जिससे डिटेंशन सेंटर में दुष्कर्म किया गया, या वो मछुआरा नहीं हू, जिसे बिना मुकदमे के जेल भेज दिया गया। न ही मैं वो स्कूली बच्चा हूं, जिसे निशाना बनाया गया या जो भूखा है। न ही मैं वो किशोर लड़की हूं, जिसे प्रशासन के कई अपराधियों ने प्रताड़ित किया। दूसरे के जुल्म के आगे झुकना ईसाइयों का स्वभाव नहीं है, इससे जुल्म करने वाले के अपराध को बढ़ावा ही मिलेगा।' जांच में पता चला है कि संदिग्ध हमलावर कोल टॉमस एलन उच्च शिक्षित है और कैलिफोर्निया के टॉरेंस का निवासी है। उसने मैकेनिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की है। आरोपी साल 2014 में नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेट्री में रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम में भी हिस्सा ले चुका है।

लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं', ट्रंप पर हमले पर बराक ओबामा ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि अभी तक हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम हिंसा को पूरी तरह अस्वीकार करें। उन्होंने इस दौरान अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों, खासकर सीक्रेट सर्विस के साहस और तत्परता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह घटना उन अधिकारियों के बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाती है, जो हर दिन देश की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। घायल एजेंट के जल्द स्वस्थ होने की भी उन्होंने कामना की। यह घटना उस समय हुई जब कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे। राहत की बात यह रही कि सभी प्रमुख हस्तियां सुरक्षित हैं। हालांकि, घटना के दौरान एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी घायल हो गया, जो हमलावर को रोकने की कार्रवाई में शामिल था। व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग ने इस घटना को डरावना पल बताया और सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी सूझबूझ से हजारों लोगों की जान बचाई जा सकी। अमेरिकी कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच के अनुसार, हमलावर ने कुछ गोलियां चलाईं, लेकिन वह सुरक्षा घेरे को पार नहीं कर सका और तुरंत काबू में कर लिया गया। पुलिस ने 31 वर्षीय आरोपी कोल टोमस एलन को हिरासत में ले लिया है, जिसने कथित तौर पर सुरक्षा चेकपॉइंट को पार करने की कोशिश की थी। घटना के बाद पूरे परिसर को तुरंत लॉकडाउन कर दिया गया।

दिल्ली में हीट वेव एक्शन प्लान लागू, दोपहर 12 से 3 बजे तक श्रमिकों के काम पर रोक; अस्पतालों में 'कूल रूम' तैयार

ई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा ता ने राजधानी में बढ़ते तापमान ौर लू की गंभीर स्थिति को देखते

ए 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' ी विस्तृत समीक्षा कर उसे और भावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। ख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस र्ष सरकार ने अपनी रणनीति को छले वर्षों की तुलना में और अधिक ज्ञानिक और प्रभावी बनाया है और कूली बच्चों, निर्माण स्थलों पर कार्य र रहे श्रमिकों का तो विशेष ध्यान खा ही गया है। साथ ही पक्षियों व शुओं तक पानी की उपलब्धता पहुंचाने के लिए विभागों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। हीट वेव पीड़ितों के लिए विशेष टीमें भी तैनात की जा रही हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि स्कूली बच्चों को गर्मी और लू से बचाने के लिए अगर जरूरत हुई तो उन्हें छुट्टी से पहले स्कूल से ओआरएस का घोल पिलाकर ही घरों के लिए रवाना किया जाएगा ताकि रास्ते में डिहाइड्रेशन का खतरा न रहे। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के थर्मल हाटस्पाट और हीट आइलैंड क्षेत्रों की संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले 2-3 वर्षों से लगातार 40 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने का गंभीर ट्रेंड देखा जा रहा है। अनुमान है कि इस सीजन में दिल्ली की बिजली पीक पावर डिमांड 9,000 मेगावाट के स्तर को पार कर जाएगी, जो पिछले वर्ष की अधिकतम मांग 8,442 मेगावाट से काफी अधिक है। इस भारी मांग को देखते हुए सीएम ने बिजली कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आपूर्ति में कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बढ रहे तापमान को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से पशु-पक्षियों के लिए पानी और छाया के निर्देश दिए हैं। सरकार ने दिल्ली अब 'कूल रूफ पॉलिसी 2026' के तहत कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा की छतों पर लगभग 28,674 वर्ग फुट में रिफ्लेक्टिव कोटिंग का काम पूरा कर लिया गया है, जिससे भवन के अंदर का तापमान कम रहेगा। इसके साथ ही सभी 13 जिलों में 339 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा है और 30 से अधिक अस्पतालों में विशेष '5-बेड वाले कूल रूम' तैयार किए हैं।

महिला की हत्या के 29 साल पुराने मामले में दो दोषियों की सजा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवपुरी में 1997 में लूटपाट के दौरान एक महिला की हत्या के 29 साल पुराने मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को दो दोषियों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति नवीन चावला व न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ दोषी करार देने के निर्णय को चुनौती देने वाली अपीलकर्ताओं की याचिका को खारिज करते हुए सजा को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के निष्कर्षों में कोई विकृति या गैर-कानूनी बात नहीं पाई गई है और दोषियों के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने मामला साबित किया है। पीठ ने कहा कि अपील याचिकाएं खारिज की जाती हैं और अपीलकर्ता अनिल कुमार और सूर्य नारायण को दी गई सजा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा जाता है। साथ ही पीठ ने शेष सजा काटने के लिए दोनों को एक सप्ताह के भीतर जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। अदालत ने चेतावनी दी कि आत्मसमर्पण नहीं करने पर पुलिस गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए। इस महिला का शव 9 मई, 1997 को डाबरी पुलिस स्टेशन इलाके के शिव पुरी में एक घर में मिला था। पीड़िता दूजा देवी की हत्या अपीलकर्ताओं ने लूटपाट के दौरान की थी। अपराध से पहले, दोनों दोषियों को आखिरी बार मृतका के साथ देखा गया था।

उन दोनों का एक बच्चा है, अब वह रेप का आरोप लगा रही हैं? लिव-इन रिलेशनशिप पर सुको की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लिव इन रिलेशनशिप को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि, ऐसे रिश्ते से बाहर निकलना अपने आप में कोई आपराधिक जुर्म नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि आपसी सहमति से बने रिश्तों और यौन अपराधों के बीच स्पष्ट अंतर समझना जरूरी है।

आपसी सहमति वाले रिश्ते और यौन अपराध अलग- यह टिप्पणी न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने एक महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। महिला ने एक व्यक्ति पर शादी का झूठा वादा करके रेप और मारपीट करने का आरोप लगाया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब दो बालिग बिना शादी के साथ रहने का फैसला करते हैं, तो ऐसे रिश्तों में कुछ जोखिम भी होते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने आगे सवाल उठाया कि अगर रिश्ता आपसी सहमति से बना था, तो उसे बाद में आपराधिक मामले में कैसे बदला जा सकता है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी माना कि इस तरह के सवालों को अक्सर पीड़ित को शर्मिंदा करने के रूप में देखा जाता है, लेकिन उन्होंने सहमति की प्रकृति को समझने पर

जोर दिया। कोर्ट ने आगे कहा कि कई बार लिव-इन रिश्ते लंबे समय तक चलते हैं, लेकिन टूटने के बाद विवाद खड़े हो जाते हैं और शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं।

मामले में महिला के वकील ने दलील दी कि आरोपी ने पीड़ित विधवा महिला से शादी का वादा किया और बच्चा भी पैदा किया था। जब वह पीड़िता से मिला था तब वह 18 साल की थी। इस दौरान उसने महिला को यह नहीं बताया कि, वह पहले से शादीशुदा है।इस पर कोर्ट ने पूछा कि महिला ने शादी किए बिना ही उसके साथ रहने और बच्चा पैदा करने का फैसला क्यों किया। हालांकि, कोर्ट ने महिला के प्रति सहानुभूति भी जताई और कहा कि वह अपने बच्चे के लिए गुजारा-भत्ता मांग सकती है।साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि शादी के बाहर पैदा हुआ बच्चा नाजायज नहीं माना जा सकता और उसके अधिकार सुरक्षित हैं। अंत में कोर्ट ने दोनों पक्षों को सलाह दी कि वे इस विवाद को आपसी बातचीत और मध्यस्थता के जरिए सुलझाने की कोशिश करें।

पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना का वार्षिक कार्य योजना व बजट को मंजूरी

ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया अपनाने पर डीसी ने दिया जोर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पी.एम. पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

एमडीएम खाद्यान्न आपूर्ति हेतु ऑनलाइन टेंडर करने का निर्देश

बैठक में विद्यालयों में एमडीएम खाद्यान्न आपूर्ति डीएसडी के लिए ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया शुरू करने को लेकर चर्चा की गई। उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे को ऑनलाइन टेंडर जारी करने तथा आरएफपी तैयार कर जिला स्तरीय आंतरिक निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

सभी विभागों के ऑफलाइन टेंडर पर प्रतिबंध, सख्त अनुपालन करें

उपायुक्त ने सभी विभागों को केवल ऑनलाइन टेंडरिंग की प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऑफलाइन टेंडर पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा इसका सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में शताब्दी मजूमदार, शालिनी खालको, रवि कुमार, मारुति मिंज, जगरनाथ लोहारा, एवं अविनाश कुमार सिंह सहित संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों का जाली हस्ताक्षर कर गबन का मामला

चंदनकियारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंदनकियारी में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के नाम पर सरकारी खजाने में सेंध लगाने की कोशिश की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस जालसाजी में जिला पशुपालन पदाधिकारी से लेकर लेखापाल तक के कथित फर्जी हस्ताक्षर और मुहर का इस्तेमाल किया गया है। पूरा मामला ' पशुपालन विकास योजना 2024-25' से जुड़ा है। चंदनकियारी के प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रितेश कुमार गुप्ता ने चंदनकियारी थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, प्रिया इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर जिला परिषद सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि उत्तम कुमार दास पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर राशि गबन करने का आरोप लगा है। आरोप लगाया है कि आपूर्तिकर्ता ने लाभुक ज्योत्सना देवी के नाम पर फर्जी सहमति पत्र तैयार किया। फर्जी प्राधिकार पत्र बनाया। जिला पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी और लेखापाल के जाली हस्ताक्षर किए। कार्यालय की फर्जी मुहर और फर्जी निर्गत संख्या (5798) का इस्तेमाल किया। इस जालसाजी के जरिए बैंक ऑफ इंडिया की बरमसिया शाखा से सरकारी अनुदान की कुल 18, 215 रुपये की राशि धोखाधड़ी से दूसरे खाते में ट्रांसफर करा ली गई। विभाग को जब इस बात की भनक लगी, तो जांच में पत्रांक और हस्ताक्षर पूरी तरह फर्जी पाए गए। डॉ. रितेश कुमार गुप्ता ने पुलिस अनुरोध किया है कि इस गंभीर वित्तीय अपराध और सरकारी दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ के मामले में तुरंत प्राथमिकी (दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल, चंदनकियारी थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। अब देखना यह है कि सरकारी योजनाओं में इस तरह की सेंधमारी करने वाले मास्टरमाइंड जिला परिषद सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि उत्तम कुमार दास पर क्या कार्रवाई हो पता है।

संक्षिप्त समाचार

डीवीसी के वरिष्ठ महाप्रबंधक का हुआ स्वागत

चंद्रपुरा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दामोदर घाटी निगम(डी वी सी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के नए पदस्थापित वरिष्ठ महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) राजेश कुमार को डीवीसी एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया। संगठन के सदस्यों ने आगामी 10 मई को होने वाले ए जी एम चुनाव मे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मतदान करने हेतु सहमति दी तथा संगठन को मजबूत बनाने हेतु महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा किया। इस अवसर पर डी वी सी चंद्रपुरा इकाई के संपर्क अधिकारी राजीव कुमार महतो सहित यूनिट कमिटी के सदस्य ओम प्रकाश पंडित, सुरेंद्र पटेल, संजीव कुमार, जटा शंकर, अजीत चौरसिया, कुंदन कुमार, अवधेश कुमार शर्मा, तौफीक अहमद, संजय भगत, जितेंद्र कुमार, सहदेव सिंह, श्री बाबूलाल, कार्तिक महतो आदि मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय मलंगिया महोत्सव में सम्मानित हुए बोकारो के सुनील मोहन ठाकुर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मलंगिया फाउंडेशन द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में राजघाट, नई दिल्ली में 24 से 28 अप्रैल तक आयोजित चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय मलंगिया महोत्सव के दौरान बोकारो के कलाकारों ने जहां शानदार अभिनय का प्रदर्शन कर वैश्विक मंच पर अपनी अमिट छाप छोड़ी, वहीं दूसरी ओर परिचर्चा में भी अपनी अलग पहचान बनाई। इसके लिए मिथिला सांस्कृतिक परिषद के कार्यकारिणी सदस्य, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, बोकारो के संयुक्त सचिव, मैथिली कला मंच काली पूजा ट्रस्ट के महामंत्री व वरिष्ठ रंगकर्मी सुनील मोहन ठाकुर को सम्मानित किया गया।

स्कूल में दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेहतर शिक्षा, नियमित व्यायाम एवं उत्तम स्वास्थ्य ही बच्चों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। डी ए वी पब्लिक स्कूल तेनुघाट से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आज तरह-तरह के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए देश सेवा, समाज सेवा जैसे नेक कार्य कर रहे हैं। विद्यालय की इसी कड़ी से जुड़े प्रतिभाशाली छात्र अभिजीत प्रकाश आज उच्च शिक्षा प्राप्त कर एक कुशल दंत चिकित्सक के रूप में समाज सेवा कर रहे हैं। आज विद्यालय परिसर में बच्चों के दाँतों की उचित देखभाल करने के लिए डॉ. अभिजीत प्रकाश एवं उनकी टीम ने लगभग 250 बच्चों का निःशुल्क दंत परीक्षण करते हुए उन्हें आवश्यक जानकारी एवं उपचार हेतु परामर्श दिए। इस सफल कार्यक्रम के लिए प्राचार्या स्तुति सिन्हा ने डॉ. साहब का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे ही समय-समय पर विद्यालय परिसर में उपस्थित होकर बच्चों के दंत परीक्षण करने एवं दंत सुरक्षा के प्रति जागरूक करते रहने की बात कही। इस अवसर पर शिक्षक हलधर महतो, सिद्धार्थ शंकर दे, लक्ष्मी गुप्ता, द्रविण कुमार कर, खेल शिक्षक सूरज कुमार सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थे।

दिलीप कुमार ने सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में किया कार्यभार ग्रहण

नई दिल्ली/ बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (आईआरएसएमई) के वरिष्ठ अधिकारी दिलीप कुमार ने आज स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उनके पास ट्रेन संचालन, रोलिंग स्टॉक रखरखाव और मानव संसाधन प्रबंधन में दो दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। श्री कुमार ने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के अपर मंडल रेल प्रबंधक और बिहार के नालंदा में हरनौत के मुख्य कारखाना प्रबंधक का पद शामिल है। उन्हें कई नवाचारों जैसे पूर्व मध्य रेलवे की पहली आईएसओ 9001 प्रमाणित ट्रेन, वैगन्स में इन-सिटु (व्हील रिप्लेसमेंट तकनीक की शुरूआत करने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित मधुबनी रेलवे स्टेशन सौंदर्यीकरण परियोजना का श्रेय जाता है। आईआईटी, बीएचयू से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक श्री कुमार को 'राष्ट्रीय उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार' (2016) और सर्वश्रेष्ठ नवाचार के लिए 'रेलवे बोर्ड का उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' (2018-19) से सम्मानित किया जा चुका है। उनके अंतरराष्ट्रीय अनुभव में इनसीड सिंगापुर और आईक्लिफ कुआलालंपुर, मलेशिया से उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम, और एआरआई शिकागो, यूएसए में वैगन बोगी डिजाइन का विशेष प्रशिक्षण शामिल है।

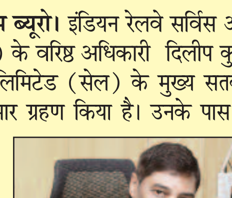

ट्रेजरी से अवैध निकासी के मामले में मुख्य आरोपित का सहयोगी गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में ट्रेजरी से अवैध राशि निकासी से जुड़े मामले में अपराध अनुसंधान विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। झारखंड सरकार के निर्देश पर इस गंभीर मामले की जांच सीआईडी, रांची द्वारा की जा रही है। मामले में कांड संख्या 06/26, दिनांक 24 अप्रैल 2026 के तहत विभिन्न धाराओं — 316(2), 316(5), 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2) बीएनएस तथा आईटी एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस पूरे प्रकरण की गहन जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। एसआईटी की कार्रवाई में एक आरोपी सतीश कुमार को गिरफ्तार किया गया है, जो गृह रक्षक वाहिनी से जुड़ा था और बोकारो पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अकाउंट सेक्शन में प्रतिनियुक्त था। जांच में यह सामने आया है कि आरोपी, पहले से गिरफ्तार मुख्य आरोपी लेखापाल कौशल कुमार पाण्डेय का सहयोगी था। आरोपी के बैंक खाते में करीब 1.06 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। सीआईडी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी से जुड़े 43 लाख रुपये की राशि को होल्ड/फ्रीज कर दिया है।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा के सफल संचालन को लेकर डीसी-एसपी ने की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने आगामी 03 मई को प्रस्तावित नीट-यूजी 2026 की परीक्षा के लिए जिले में कुल आठ केंद्र बनाएं गए हैं। परीक्षा के सफल संचालन को लेकर बैठक की गई। जिसमें परीक्षा के लिए नोडल पदाधिकारी जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री जगरनाथ लोहरा को जरूरी निर्देश दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), परीक्षा समन्वयक सह केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य तथा संबंधित डीएसपी संयुक्त रूप से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर आधारभूत संरचनाओं का अवलोकन सुनिश्चित करें।

जैमर - सीसीटीवी व बायोमेट्रिक ससमय एजेंसी करें अधिष्ठापित

परीक्षा केंद्रों पर जैमर, फिक्सिंग, सीसीटीवी एवं बायोमेट्रिक मशीन अधिष्ठापन की व्यवस्था एनटीए/एजेंसी द्वारा अधिष्ठापित सुनिश्चत कराने को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) को वरीय नियंत्रक पदाधिकारी के रूप में नामित किया। बताया कि, परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्र झ उत्तर पुस्तिका एवं आधारभूत संरचनाओं (जैमर, फिक्सिंग, सीसीटीवी एवं बायोमेट्रिक मशीन अधिष्ठापन आदि) की जिम्मेवारी आयोग/संबंधित एजेंसी की है।

जोनल दंडाधिकारी व मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी तय

परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी झ पुलिस पदाधिकारी, वरीय पदाधिकारियों को जोनल दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया। साथ ही मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को दी है।

पूर्व परीक्षाओं की तरह अचूक व्यवस्था का दिया भरोसा

बैठक में कहा कि झारखंड करर्मचारी चयन आयोग अंतर्गत झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता 2023, झारखंड लोक सेवा आयोग अंतर्गत झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2026 एवं झारखंड पात्रता परीक्षा 2024 के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में भी अचूक व्यवस्था की गई थी। इसी क्रम में नीट-यूजी 2026 परीक्षा को भी शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया।

शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष परीक्षा संचालन प्रशासन की प्राथमिकता

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है, जबकि परीक्षा केंद्रों की आधारभूत संरचना (जैमर, फिक्सिंग, सीसीटीवी एवं बायोमेट्रिक मशीन अधिष्ठापन, प्रश्न पत्र झ ओएमआर सीट आदि) सुनिश्चित करने की जवाबदेही संबंधित आयोग/एजेंसी की है।

पूर्व में आयोजित जेपीएससी परीक्षा के सफल संचालन पर शिक्षकों एवं वीक्षकों को दिया धन्यवाद

उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले में झारखंड करर्मचारी चयन आयोग अंतर्गत झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता 2023, झारखंड लोक सेवा आयोग अंतर्गत झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2026 एवं झारखंड पात्रता परीक्षा 2024 के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी शिक्षकों, वीक्षकों एवं संबंधित कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सभी के समर्पण, सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा के कारण परीक्षाएं निष्पक्ष, कदाचारमुक्त एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सकीं। जिला प्रशासन को उम्मीद है कि आगामी परीक्षाओं में भी इसी तरह का सहयोग एवं जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका सभी के द्वारा निभाई जाएगी।

सिक्का वितरण सह वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं पंजाब नेशनल बैंक, बोकारो मंडल के संयुक्त तत्वावधान में चैंबर भवन में सिक्का वितरण सह वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष मनोज चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय विश्वाल, उप मंडल प्रमुख, बोकारो ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष मनोज चौधरी ने सभी अतिथियों एवं व्यापारियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था में बैंकों द्वारा अनेक प्रकार की योजनाएं लागू की जा रही हैं, जिनकी जानकारी अधिकांश ग्राहकों को नहीं होती। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों से व्यापारियों को बैंकिंग प्रक्रियाओं की उपयोगी जानकारी मिलती है, जो उनके व्यवसाय में सहायक सिद्ध होती है। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि आज डिजिटल बैंकिंग का युग है, अतः व्यापारियों को बैंकिंग प्रणाली की विस्तृत जानकारी होना आवश्यक है, जिससे वे अपने व्यवसाय को सुचारु रूप से आगे बढ़ा सकें। उन्होंने यह भी बताया कि बाजार में सिक्कों की कमी की समस्या को बैंक के संज्ञान में लाया गया, जिसके फलस्वरूप कार्यक्रम में लगभग 10 लाख रुपये के सिक्कों एवं करेंसी का वितरण किया गया। मंडल उपप्रमुख संजय विश्वाल ने अपने संबोधन में कहा कि चैंबर के आग्रह पर तत्काल सिक्का वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब नेशनल बैंक केवल बैंक नहीं, बल्कि व्यापारियों का सहयोगी है। जो व्यापारी नियमित रूप से जीएसटी रिटर्न दाखिल करते हैं, उन्हें बैंक द्वारा शीघ्र ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। मुख्य प्रबंधक अविनाश कुमार, सुदेश कुमार, ऋण विभाग के प्रभारी विकास कुमार एवं अखिलेश कुमार ने व्यापारियों को बैंक के नवीन प्रावधानों एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार जायसवाल द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री संजय अग्रवाल ने किया।

सेल के बोकारो स्टील प्लांट में संविदा कर्मचारियों की कटौती औद्योगिक विवाद अधिनियम के खिलाफ : बीएमएस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पांडे ने इस्पात महासंघ (बीएमएस) के महामंत्री रंजय कुमार के पत्र का हवाला देते हुए बोकारो स्टील प्लांट और एस.आर.यू इकाइयों में संविदा कर्मियों की संख्या में 40% की भारी कटौती करने के सेल प्रबंधन के हालिया फैसले पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संघ ने इसे एक 'कठोर और अदूरदर्शी' कदम बताते हुए इस्पात मंत्रालय एवं सेल प्रबंधन के ऊच्च अधिकारी को पत्र द्वारा सूचित किया है। भारतीय मजदूर संघ ने इस कटौती के विरुद्ध आपत्तियों को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि मजदूरों से संबन्धित किसी भी आदेश या नीतिगत बदलाव को ट्रेड यूनियन के साथ चर्चा किए बिना प्रसारित करना उन हजारों श्रमिकों के बीच भय एवं असुरक्षा का माहौल पैदा करता है। लगभग 3,335 श्रमिकों की व्यापक छंटनी राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों एवं भारत के संविधान के अनुच्छेद 41 (काम का अधिकार) के विपरीत है। ये श्रमिक अक्सर स्थानीय या विस्थापित परिवारों से होते हैं। आय का अचानक समाप्त होना बोकारो क्षेत्र में स्थानीय आर्थिक मंदी और सामाजिक अशांति का कारण बनेगा। प्रबंधन द्वारा यह कहना की संविदाकर्मियों की कमी की जा रही है या की जाएगी, यह "सामूहिक छंटनी" की श्रेणी में आता है जो 'औ द्योगिक विवाद अधिनियम, 1947' की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन है। "जो बाद में आया, पहले जाएगा" एल आई एफ ओ जैसे बुनियादी श्रम सिद्धांतों की अनदेखी की जा रही है। आगे उन्होने बताया की बिना सुरक्षात्मक पहलू एवं शेष बचे हुये मजदूरों के कार्यभार का मूल्यांकन किए हुये 40% कर्मचारियों की अचानक कमी से संयंत्र के परिचालन और कार्यस्थल की सुरक्षा की जिम्मेवारी किनकी होगी यह भी स्पष्ट होनी चाहिए । संघ ने अपने पत्र में 'सेल बनाम नेशनल यूनियन वाटर फ्रंट वर्कर्स जैसे सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णयों का हवाला देते हुए बताया कि सार्वजनिक उपक्रमों में संविदा श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। एक अन्य न्यायिक प्रकरण सचिव, कर्नाटक राज्य बनाम उमादेवी (2006) मामले में न्यायालय ने यह माना है कि राज्य श्रमिकों का शोषण नहीं कर सकता और विधि की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना उन्हें अचानक बर्खास्त भी नहीं कर सकता।

सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतिम डाटा प्रविष्टि कार्यों की हुई समीक्षा

उप विकास आयुक्त ने की 5 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों के आंकड़ों की गहन जांच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार की अध्यक्षता में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतिम डाटा प्रविष्टि (डाटा एंट्री) प्रक्रियाओं की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अप्रैल माह के निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर अभियान से जुड़े पाँच प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के आंकड़ों की गहन समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने संबंधित विभागों द्वारा की गई प्रगति, डाटा अद्यतन की स्थिति तथा शेष प्रविष्टियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्णता अभियान 2.0 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए डाटा प्रविष्टि कार्य शत-प्रतिशत सटीक एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना आवश्यक है। सभी संबंधित विभागों को अंतिम चरण की प्रविष्टियों में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़ों की समीक्षा कर उनके समुचित संकलन एवं अपलोडिंग की स्थिति पर भी चर्चा की गई। साथ ही अभियान के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। समीक्षा बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला पशुपालन पदाधिकारी तथा डिस्ट्रिक्ट लीड, पिरामल फाउंडेशन उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय अस्मिता सिटी लीग 2026 का आयोजन

लगभग 300 बालिकाओं - महिला खिलाड़ियों ने लिया उत्साहपूर्ण भाग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन बोकारो के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय अस्मिता सिटी लीग 2026 का सोमवार को सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर से लगभग 300 बालिकाओं एवं महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य महिला खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना एवं खेलों के प्रति उनकी सहभागिता को बढ़ावा देना था।

तीरंदाजी - फुटबॉल एवं एथलेटिक्स में दिखा शानदार प्रदर्शन

प्रतियोगिता के दौरान तीरंदाजी, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स की विभिन्न स्पधाओं का आयोजन किया गया। तीरंदाजी के ओपन वर्ग में रिकर्व, कम्पाउंड एवं इंडियन राउंड शामिल रहे। एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद एवं शॉट पुट जैसे इवेंट आयोजित हुए। फुटबॉल ओपन वर्ग में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया, जिसमें चिन्मया विद्यालय, बोकारो विजेता तथा बांसगोड़ा टीम उपविजेता रही।

तीरंदाजी प्रतियोगिता के परिणाम

रिकर्व वर्ग में प्रियंका मधु (आवासीय तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र, चंदनकियारी) प्रथम, यावना (खेलो इंडिया सेंटर, चंदनकियारी) द्वितीय एवं हरलीन कौर (सेल डे बोर्डिंग, सेक्टर 4) तृतीय स्थान पर रहीं। कम्पाउंड वर्ग में आरती कुमारी (खेलो इंडिया सेंटर, चंदनकियारी) प्रथम, अपूर्वा बांडों (आवासीय तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र, चंदनकियारी) द्वितीय एवं अंजना कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। इंडियन राउंड वर्ग में अनु कुमारी प्रथम, डॉली कुमारी (वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी) द्वितीय एवं कृतिका कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

समापन समारोह में उपस्थित अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। साथ ही जानकारी दी गई कि सभी स्पधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना

मौके पर जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून ने सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान जिला खेल समन्वयक श्री चंद्रभूषण शुक्ला ने मंच संचालन किया तथा आयोजन में सहयोग देने वाले सभी तकनीकी पदाधिकारियों, कार्यालय कर्मियों, खेल मित्र प्रदीप चक्रवर्ती, राजू एवं कोच— मोहन कुमार, महेंद्र करमाली, चौहान महतो, हेमंत कुमार, तीरंदाजी प्रशिक्षक राजेंद्र गुइया एवं मंगलम स्टेडियम मैनेजर अनिल के प्रति आभार व्यक्त किया। यह प्रतियोगिता बालिकाओं एवं महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और खेलों के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर- 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com